

आयोजना बैंक (Project Bank)

२०८१



लेटाङ नगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
लेटाङ, मोरङ
कोशी प्रदेश

ईमेल: letangmunicipality@gmail.com

वेबसाईट: <https://letangmun.gov.np/>

सल्लाहकार समिति

श्री भूपेन्द्र कुमार लावती, नगर प्रमुख
श्री कृष्ण कुमारी पोखरेल निरौला, नगर उपप्रमुख
श्री विष्णु प्रसाद सुवेदी, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत
श्री कृष्णराज राई, शिक्षा शाखा प्रमुख
श्री चुडा बोहोरा, लेखा अधिकृत
श्री चेतनाथ गौतम, योजना अधिकृत
श्री भानुभक्त राई, पूर्वाधार शाखा प्रमुख
श्री ईन्द्रप्रसाद अर्याल, जनस्वास्थ्य अधिकृत
श्री अडिमर्दन श्रेष्ठ, पशु विकास अधिकृत
श्री करण श्रेष्ठ, कृषि विकास अधिकृत
श्री देवीमाया बस्नेत, महिला विकास निरीक्षक

परामर्शदाता

ह्युमन डेभलपमेन्ट एण्ड रिसर्च सेन्टर नेपाल प्रा. लि. (HDRC)
खुमलटार, ललितपुर ।

Email: hdrcnpl@gmail.com

विषय विज्ञहरू

डा. कृष्ण बहादुर राई, टोली प्रमुख, योजना विज्ञ
श्री दिल प्रसाद मगर, अर्थशास्त्री
श्री मौसमी सोराली मगर, समाजशास्त्री
श्री अर्जुन ढकाल, शहरी योजना विद्

विषय सूची

विषय सूची	I
तालिका सूची	V
भाग – १	१
परिचय	१
१.१ पृष्ठभूमि	१
१.२ नगरपालिकाको आयोजना बैंक	२
१.३ आयोजना बैंकको औचित्य	३
१.४ आयोजना बैंकको उद्देश्य	४
१.५ आयोजना बैंक तर्जुमा विधि	५
१.५.१ नयाँ आयोजनाको छनौट	५
१.५.२ चालु/क्रमागत आयोजनाहरूलाई आयोजना बैंकमा समावेश	७
१.६ आयोजना बैंक तर्जुमा प्रक्रियाको सीमा	८
भाग – २	९
नगरपालिकाको परिचय	९
२.१ पृष्ठभूमि	९
२.२ नगरपालिकाको भौगोलिक अवस्था	११
२.३ जनसङ्ख्या र सामाजिक तथा सांस्कृतिक विविधता	११
२.५ आयोजना बैंक सारांश	१२
भाग – ३	२१
आयोजना प्रोफाइल	२१
३.१ राजारानी – कार्तिके – साग्मा - आरुबोटे सडक कालोपत्रे आयोजना	२१
३.२ तुर्के - लाख – मुर्चुङ्गी – हर्दिया कृषि सडक आयोजना	२३
३.३ लोखरा – फेदी – कुङ्कुण्डा कृषि सडक स्तरोन्नति आयोजना	२५
३.४ लाख - साखफारा - अँधेरी सडक स्तरोन्नति	२६
३.५ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	२८
३.६ व्यावसायिक बाख्रा पालन कार्यक्रम	३०
३.७ राजारानी क्षेत्र एकीकृत पर्यटन विकास आयोजना	३२
३.८ अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क निर्माण आयोजना	३४

३.९ मिलचोक-गोदावरीमार्ग-बर्मेलीटोल-लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना	३५
३.१० मिलनचोक – बर्मेलीटोल - बाल विकास केन्द्र सडक कालोपत्रे आयोजना	३७
३.११ लक्ष्मी मावि - किर्तीमान चर्च सडक कालोपत्रे आयोजना.....	३९
३.१२ पानीटेङ्की - लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना.....	४०
३.१३ बुधबारे हाटबजार तथा १६ नं बसपार्क निर्माण	४२
३.१४ चिसाङ नदी नियन्त्रण तथा कृषि सिँचाई आयोजना	४४
३.१५ शहिद पार्क निर्माण आयोजना.....	४५
३.१६ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	४७
३.१७ व्यावसायिक पशुपन्छी पालन कार्यक्रम	४९
३.१८ जैविक मल उत्पादन तथा फोहोर व्यवस्थापन कार्यक्रम	५०
३.१९ बुधबारे खेलमैदान निर्माण आयोजना.....	५२
३.२० चिसाङ शवदाह स्थल निर्माण आयोजना.....	५४
३.२१ चिसाङ खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाई आयोजना	५५
३.२२ लेटाङ - कानेपोखरी सडक कालोपत्रे आयोजना.....	५७
३.२३ भाउन्ने - किर्तीमान - मदनभण्डारी मार्ग कालोपत्रे	५९
३.२४ लेटाङ अस्पतालको आकस्मिक सेवा विस्तार सम्बन्धी कार्यक्रम	६०
३.२५ फोहोरमैला व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण तथा सञ्चालन आयोजना	६२
३.२६ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	६४
३.२७ कमलपुर खेलमैदानको स्तरोन्नति आयोजना	६६
३.२८ लेटाङ बजार आधुनिक सार्वजनिक सौचालय निर्माण आयोजना	६८
३.२९ मिलनचोक – वडा ४ को कार्यालय – गंगेचोक सडकपेटी निर्माण आयोजना	६९
३.३० शान्ति भगवती छात्रावास निर्माण आयोजना.....	७१
३.३१ लेटाङ रंगशाला निर्माण आयोजना.....	७३
३.३२ व्यवस्थित नगर वसपार्क निर्माण आयोजना	७५
३.३३ टुक्ले वन पर्यापर्यटन तथा बाल उद्यान निर्माण.....	७६
३.३४ जनसेवा सामुदायिक वनमा पशुपन्छी बधशाला निर्माण	७८
३.३५ लेटाङ – ४ मा कवर्ड हल निर्माण आयोजना	८०
३.३६ लेटाङ – ४ मा कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण आयोजना	८१
३.३७ वडा नं ५ चक्रपथ निर्माण तथा स्तरोन्नति आयोजना	८३

३.३८ प्रकाश मार्ग कालोपत्रे आयोजना	८५
३.३९ अजम्बर टोल – सूर्यटार – पाथीभरा मन्दिर सडक स्तरोन्नति आयोजना.....	८६
३.४० एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	८८
३.४१ जोरकुप इनार र विमिरे इनार जलधार संरक्षण र पर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम	९०
३.४२ मोरङ्गी तथा खेरुवाखोला तटबन्धन निर्माण आयोजना	९१
३.४३ अन्तर सांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण आयोजना.....	९३
३.४४ शिक्षा विकास मा. वि. को भवन निर्माण आयोजना	९५
३.४५ मोरङ्गी खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाई आयोजना	९६
३.४६ महाभारत स्कूल – लामीटार सडक कालोपत्रे निर्माण आयोजना	९८
३.४७ सुकेचौरदेखि सालबारी सडक कालोपत्रे आयोजना	१००
३.४८ गुवाबारी एकीकृत सिँचाई (सुपारे-भुवाखोला मुहान) आयोजना.....	१०१
३.४९ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	१०३
३.५० गुवाबारी क्लष्टर पर्यटन विकास कार्यक्रम	१०५
३.५१ भुवा सिँचाई आयोजना	१०७
३.५२ सुकेचौरी खेलमैदानको स्तरोन्नति आयोजना	१०९
३.५३ लेटाङ – ४ मा कृषि उपज चिस्यान केन्द्र निर्माण आयोजना.....	११०
३.५४ लेटाङ – गुवाबारी – वारङ्गी - गुराँसेडाँडा सडक कालोपत्रे आयोजना	११२
३.५५ चिसाङ खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	११४
३.५६ झाँक्री खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	११६
३.५७ ताक्चुवा खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना.....	११७
३.५८ कालीखोला बृहत खानेपानी आयोजना.....	११९
३.५९ समला पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम	१२१
३.६० बाराजी क्षेत्र पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम	१२३
३.६१ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	१२५
३.६२ महेन्द्र मा. वि. को भवन निर्माण आयोजना.....	१२७
३.६३ वाराङ्गी स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण आयोजना	१२८
३.६४ सीमाना खानेपानी आयोजना	१३०
३.६५ कुम्ले खानेपानी आयोजना.....	१३२
३.६६ जाँते (लेनपा, वडा नं ८) चक्रपथ कालोपत्रे निर्माण आयोजना.....	१३३

३.६७ सगरमाथा मार्ग कालोपत्रे आयोजना	१३५
३.६८ नोवेल बोर्डिङ – डडकेचोक - सीमानामार्ग सडक कालोपत्रे आयोजना	१३७
३.६९ जाँते-लालझोडा-ज्यामिरे-शिरपुर-मोरङ्गे सडक स्तरोन्नति आयोजना	१३८
३.७० गडामे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	१४०
३.७१ मोरङ्गे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	१४२
३.७२ जाँते बृहत खानेपानी आयोजना.....	१४३
३.७३ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	१४५
३.७४ जाँते (लेनपा - ८) हाटबजार निर्माण आयोजना	१४७
३.७५ तेली गडामे पैनी स्तरोन्नति आयोजना.....	१४८
३.७६ लालझोडा सिँचाई आयोजना	१५०
३.७७ मौलिक साँस्कृतिक पर्यटन मार्ग (चक्रपथ) निर्माण आयोजना	१५२
३.७८ श्री मा. वि. भवन स्तरोन्नति आयोजना.....	१५३
३.७९ टेक्नाह पैनी स्तरोन्नति आयोजना	१५५
३.८० एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	१५७
३.८१ शिक्षा ज्योति आधारभूत विद्यालयको भवन र घेराबार निर्माण आयोजना.....	१५९
३.८२ डाँडागाउँ राई संग्रहालय निर्माण आयोजना.....	१६०
३.८३ तेलीखोला पूर्व संगम मार्ग हुँदै मोरङ्गे खोलासम्म कालोपत्रे आयोजना	१६२
३.८४ पापु पैनी स्तरोन्नति आयोजना	१६४
३.८५ स्माली पैनी स्तरोन्नति आयोजना.....	१६६
३.८६ साकेला मार्ग कालोपत्रे आयोजना.....	१६७
भाग – ४.....	१७०
निष्कर्ष	१७०
४.१ निष्कर्ष.....	१७०

तालिका सूची

तालिका १: नगरपालिकाको भौगोलिक स्थिति	११
तालिका २: जनसङ्ख्या र सामाजिक सांस्कृतिक विविधता	१२
तालिका ३: आयोजना बैकमा समावेश भएका आयोजना तथा कार्यक्रमको विवरण	१३
तालिका ४: राजारानी – कार्तिके – साग्मा - आरुबोटे सडक कालोपत्रे आयोजना	२१
तालिका ५: तुर्के - लाख - मुर्चुङ्गी - हर्दिया कृषि सडक आयोजना	२३
तालिका ६: लोखरा – फेदी – कुङ्कुण्डा कृषि सडक स्तरोन्नति आयोजना	२५
तालिका ७: लाख - साखफारा - अँधेरी सडक स्तरोन्नति	२६
तालिका ८: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	२८
तालिका ९: व्यावसायिक बाख्रा पालन कार्यक्रम	३०
तालिका १०: राजारानी क्षेत्र एकीकृत पर्यटन विकास आयोजना	३२
तालिका ११: अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क निर्माण आयोजना	३४
तालिका १२: मिलचोक – गोदावरी मार्ग – बर्मेलीटोल - लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना	३५
तालिका १३: मिलनचोक – बर्मेलीटोल - बाल विकास केन्द्र सडक कालोपत्रे आयोजना	३७
तालिका १४: लक्ष्मी मावि - किर्तीमान चर्च सडक कालोपत्रे आयोजना	३९
तालिका १५: पानीटेङ्की - लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना	४०
तालिका १६: बुधबारे हाटबजार तथा १६ नं बसपार्क निर्माण	४२
तालिका १७: चिसाङ नदी नियन्त्रण तथा कृषि सिँचाई आयोजना	४४
तालिका १८: शहिद पार्क निर्माण आयोजना	४६
तालिका १९: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	४७
तालिका २०: व्यावसायिक पशुपन्छी पालन कार्यक्रम	४९
तालिका २१: जैविक मल उत्पादन तथा फोहोर व्यवस्थापन कार्यक्रम	५१
तालिका २२: बुधबारे खेलमैदान निर्माण आयोजना	५२
तालिका २३: चिसाङ शवदाह स्थल निर्माण आयोजना	५४
तालिका २४: चिसाङ खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाई आयोजना	४६
तालिका २५: लेटाङ - कानेपोखरी सडक कालोपत्रे आयोजना	५७
तालिका २६: भाउन्ने - किर्तीमान - मदनभण्डारी मार्ग कालोपत्रे आयोजना	५९
तालिका २७: लेटाङ अस्पतालको आकस्मिक सेवा विस्तार सम्बन्धी कार्यक्रम	६१
तालिका २८: फोहोरमैला व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण तथा सञ्चालन आयोजना	६२
तालिका २९: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	६४

तालिका ३०: कमलपुर खेलमैदानको स्तरोन्नति आयोजना	६६
तालिका ३१: लेटाड बजार आधुनिक सार्वजनिक सौचालय निर्माण आयोजना	६८
तालिका ३२: मिलनचोक – वडा नं ४ को कार्यालय – गंगेचोक सडक पेटी निर्माण आयोजना	७०
तालिका ३३: शान्ति भगवती छात्रावास निर्माण आयोजना	७१
तालिका ३४: लेटाड रंगशाला निर्माण आयोजना	७३
तालिका ३५: व्यवस्थित नगर वसपार्क निर्माण आयोजना	७५
तालिका ३६: टुक्रे वन पर्यापर्यटन तथा बाल उद्यान निर्माण	७७
तालिका ३७: जनसेवा सामुदायिक वनमा पशुपन्छी बधशाला निर्माण	७८
तालिका ३८: लेटाड – ४ मा कवर्ड हल निर्माण आयोजना	८१
तालिका ३९: कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण आयोजना	८२
तालिका ४०: वडा नं ५ चक्रपथ निर्माण तथा स्तरोन्नति आयोजना	८३
तालिका ४१: प्रकाश मार्ग कालोपत्रे आयोजना	८५
तालिका ४२: अजम्बर टोल – सूर्यटार – पाथीभरा मन्दिर सडक स्तरोन्नति आयोजना	८७
तालिका ४३: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	८८
तालिका ४४: जोरकुप इनार र विमिरे इनार जलधार संरक्षण र पर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम	९०
तालिका ४५: मोरङ्गी तथा खेरुवाखोला तट्बन्धन निर्माण आयोजना	९२
तालिका ४६: अन्तर सांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण आयोजना	९३
तालिका ४७: शिक्षा विकास मा. वि. को भवन निर्माण आयोजना	९५
तालिका ४८: मोरङ्गी खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाइ आयोजना	९६
तालिका ४९: महाभारत स्कूल - लामीटार सडक कालोपत्रे निर्माण आयोजना	९८
तालिका ५०: सुकेचौरदेखि सालबारी (हस्त तामाङको घरसम्म) को सडक कालोपत्रे आयोजना	१००
तालिका ५१: गुवाबारी एकीकृत सिँचाइ (सुपारे-भुवाखोला मुहान) आयोजना	१०१
तालिका ५२: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	१०३
तालिका ५३: गुवाबारी क्लष्टर पर्यटन विकास कार्यक्रम	१०५
तालिका ५४: भुवा सिँचाइ आयोजना	१०७
तालिका ५५: सुकेचौरी खेलमैदानको स्तरोन्नति आयोजना	१०९
तालिका ५६: कृषि उपज चिस्यान केन्द्र निर्माण आयोजना	१११
तालिका ५७: लेटाड – गुवाबारी – वारङ्गी - गुराँसेडाँडा सडक कालोपत्रे आयोजना	११२
तालिका ५८: चिसाड खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	११४
तालिका ५९: झाँक्री खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	११६
तालिका ६०: ताक्चुवा खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	११८

तालिका ६१: कालीखोला बृहत खानेपानी आयोजना	११९
तालिका ६२: समला पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम	१२१
तालिका ६३: बाराजी क्षेत्र पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम	१२३
तालिका ६४: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	१२५
तालिका ६५: महेन्द्र मा. वि. को भवन निर्माण आयोजना	१२७
तालिका ६६: वाराङ्गी स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण आयोजना	१२९
तालिका ६७: सीमाना खानेपानी आयोजना	१३०
तालिका ६८: कुम्ले खानेपानी आयोजना	१३२
तालिका ६९: जाँते (लेनपा, वडा नं ८) चक्रपथ कालोपत्रे निर्माण आयोजना	१३३
तालिका ७०: सगरमाथा मार्ग कालोपत्रे आयोजना	१३५
तालिका ७१: नोवेल बोर्डिङ - डडके चोक - सीमानामार्ग सडक कालोपत्रे आयोजना	१३७
तालिका ७२: जाँते-तालझोडा-ज्यामिरे-शिरपुर-मोरङ्गे सडक स्तरोन्नति आयोजना	१३८
तालिका ७३: गडामे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	१४०
तालिका ७४: मोरङ्गे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	१४२
तालिका ७५: जाँते बृहत खानेपानी आयोजना	१४३
तालिका ७६: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	१४५
तालिका ७७: जाँते (लेनपा - ८) हाटबजार निर्माण आयोजना	१४७
तालिका ७८: तेली गडामे पैनी स्तरोन्नति आयोजना	१४९
तालिका ७९: लालझोडा सिँचाई आयोजना	१५०
तालिका ८०: मौलिक साँस्कृतिक पर्यटन मार्ग (चक्रपथ) निर्माण आयोजना	१५२
तालिका ८१: श्री मा. वि. भवन स्तरोन्नति आयोजना	१५४
तालिका ८२: टेक्नाह पैनी स्तरोन्नति आयोजना	१५५
तालिका ८३: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	१५७
तालिका ८४: शिक्षा ज्योति आधारभूत विद्यालयको भवन र घेराबार निर्माण आयोजना	१५९
तालिका ८५: डाँडागाउँ राई संग्रहालय निर्माण आयोजना	१६१
तालिका ८६: तेलीखोला पूर्व संगम मार्ग हुँदै मोरङ्गे खोलासम्म कालोपत्रे आयोजना	१६२
तालिका ८७: पापु पैनी स्तरोन्नति आयोजना	१६४
तालिका ८८: स्माली पैनी स्तरोन्नति आयोजना	१६६
तालिका ८९: साकेला मार्ग कालोपत्रे आयोजना	१६७

भाग – १

परिचय

१.१ पृष्ठभूमि

नेपालमा संघीय गणतन्त्रको स्थापनापश्चात संविधानतः संघ, प्रदेश र स्थानीय तह गरी तीन तहका सरकारहरू रहने व्यवस्था गरेको छ । संविधानको धारा ५७ मा राज्यशक्तिको बाँडफाँट गरी यी तीन तहका सरकारहरूको तहगत अलगअलग र साझा अधिकारहरूको व्यवस्था गरेको छ । गाउँपालिका/नगरपालिकाको हकमा संविधानको अनुसूची ८ मा स्थानीय तहको एकल अधिकारहरू व्यवस्था गरिएको छ । त्यस्तै संविधानको अनुसूची ९ मा संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको साझा अधिकारहरू व्यवस्था गरिएको छ । तीनै तहका सरकारहरूले संविधानमा व्यवस्था गरिएका सार्वजनिक जिम्मेवारीहरूको कार्यान्वयन गरी नागरिकहरूमा समृद्धि र सुशासनको अनुभूति दिलाउनुपर्ने हुन्छ । सार्वजनिक जिम्मेवारीहरूलाई प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नका लागि आवधिक/रणनीतिक र वार्षिक योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने अपरिहार्यता रहेको छ । तसर्थ, नेपाल सरकारले संघ, प्रदेश र स्थानीय तह सबैले आवधिक तथा वार्षिक योजना तथा बजेट तयार गरी विकासका गतिविधिहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ ।

स्थानीय तहको आफ्ना अधिकार क्षेत्रका जिम्मेवारीहरू निर्वाह गर्ने क्रममा हकमा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा २४ ले गाउँपालिका/नगरपालिकाले आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्रका विषयमा स्थानीयस्तरको विकासका लागि आवधिक, वार्षिक र विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन तथा दीर्घकालीन विकास योजना बनाई लागु गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । स्थानीय तहले यस्ता योजनाहरू तर्जुमा गर्दा नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारको नीति, लक्ष्य, उद्देश्य, समयसीमा र प्रक्रियासँग अनुकूल हुने गरी योजना बनाउनुपर्ने व्यवस्था गरिएको छ । यस ऐनको दफा २४ को उपदफा ४ मा स्थानीय तहले योजना बनाउँदा मध्यम तथा दीर्घकालीन प्रकृतिका आयोजनाहरूको सूची समेत तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । यस्तै, अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ को दफा १७ मा आगामी तीन आर्थिक वर्षमा हुने खर्चको प्रक्षेपणसहितको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ । ऐनले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा विषय क्षेत्रगत रूपमा कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, लागत, तीन वर्षमा प्राप्त हुने प्रतिफल र उपलब्धि र सञ्चालित आयोजनाको हकमा गत

आर्थिक वर्षमा छुट्याएको खर्च अनुसार लक्ष्य हासिल भए नभएको विवरण खुलाउनु पर्ने व्यवस्था गरेको छ ।
ऐनले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्न आयोजना बैङ्कको आवश्यकतालाई लक्षित गरेको छ ।

त्यसैगरी, आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ को दफा १७ ले आयोजनाको वर्गीकरण, आधार, मापदण्ड निर्धारण र आयोजना बैङ्क सम्बन्धी व्यवस्था गरेको छ । आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ को नियम २६ को उपनियम (८) मा राष्ट्रिय योजना आयोगले स्थानीय तहमा आयोजना बैङ्क स्थापना गर्न तथा आयोजनाको पहिचान, मूल्याङ्कन, छनौट तथा प्राथमिकीकरण गर्न आवश्यक सहजीकरण गरिदिन सक्ने व्यवस्था गरी स्थानीय तहमा आयोजना बैङ्क स्थापनाको आवश्यकतालाई औल्याएको छ । यसैगरी सङ्घीय बजेटबाट प्रदेश तथा स्थानीय तहमा कार्यान्वयन गरिने आयोजनाहरूको राष्ट्रिय आयोजना बैङ्कमा अनिवार्य प्रविष्टि गर्नुपर्ने र राष्ट्रिय आयोजना बैङ्कमा समावेश नभएको आयोजनाको लागि बजेट विनियोजन गर्न नपाइने समेत व्यवस्था गरी आयोजना बैङ्क स्थापनालाई अनिवार्य बनाइएको छ ।

तसर्थ, स्थानीय तहको योजना तर्जुमा कार्यलाई व्यवस्थित तथा एकरूपता कायम गर्नका लागि राष्ट्रिय योजना आयोगले “स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८” जारी गरेको छ । यस दिग्दर्शनको पृष्ठ ८३ देखि ९२ सम्म आयोजना बैंक तयारीका विधि सम्बन्धमा व्यवस्था गरिएको छ । त्यस्तै कोशी प्रदेशमा प्रदेशस्तरीय आयोजना बैंक तयारीका लागि कोशी प्रदेश, आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालयले प्रदेश आयोजना बैंक व्यवस्थापन कार्यविधि, २०८० लागू गरेको छ । यिनै दिग्दर्शनहरूमा उल्लिखित विधिहरूको अनुसरण गरी यस नगरपालिकाको आयोजना बैंक तयार गरिएको छ ।

१.२ नगरपालिकाको आयोजना बैंक

यस नगरपालिकाले आगामी ५ वर्षका लागि आयोजना बैंक तर्जुमा गर्ने जमर्को गरेको छ । नगरपालिकाको आवधिक विकास योजना, नगर सडक गुरुयोजना, नगर पर्यटन गुरुयोजना आदिमा उल्लेख भएका नगरपालिकाको दिगो समृद्धिका लागि नगर तथा वडा गौरवका आयोजनाहरूको खोजी र पहिचान गरी सो मध्ये आवश्यकता तथा प्राथमिकता विश्लेषण गरेर सहभागितामूलक तरिकाबाट यो आयोजना बैंक तयार गरिएको छ । स्थानीय तहहरूको योजना र आयोजना बैंक तर्जुमा कार्यमा एकरूपता र सहजताका लागि “स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८” जारी गरेको छ । यसै दिग्दर्शनमा उल्लिखित विधिहरूको उपयोग गरी यस नगरपालिकाको आयोजना बैंक तयार गरिएको छ ।

यस नगरपालिकाको आयोजना बैंकको कार्यान्वयनबाट नगरपालिकामा सामाजिक आर्थिक विकासका क्षेत्रमा आमूल परिवर्तन हुन सक्ने अपेक्षा गरिएको छ । यस आयोजना बैंकले विकासका गतिविधिहरूलाई आवश्यकता तथा प्राथमिकताका आधारमा केन्द्रित गर्न र नतिजामुखी तुल्याउन मद्दत गर्दछ । यस आयोजना बैंकमा नगरको सामाजिक आर्थिक विकासका लागि रुपान्तरणकारी योजना तथा कार्यक्रमहरू पहिचान तथा समावेश गरिएको हुँदा यसको कार्यान्वयनबाट नगरको दूरदृष्टि “समृद्ध नगर र सखी नगरबासी” पुरा गर्नका लागि सहयोग गर्नेछ ।

१.३ आयोजना बैंकको औचित्य

संघ, प्रदेश र स्थानीय तह गरी तीनै तहका सरकारहरूले “समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली” को दिर्घकालीन सोचलाई सफल बनाउनका लागि आ-आफ्नो अधिकार क्षेत्रका विकास कार्यहरूलाई योजनाबद्ध तरिकाबाट कार्यान्वयन गर्नका लागि सर्वप्रथम परिवर्तनकारी योजनाहरूको पहिचान तथा सम्भाव्यताको प्रारम्भिक अध्ययन गरी आयोजना बैंक तयार गर्नुपर्ने अपरिहार्यता रहेको छ । सीमित स्रोतको अधिकतम र उपयुक्त क्षेत्रमा लगानी गरी नागरिकहरूको आर्थिक तथा सामाजिक समृद्धि ल्याउनका लागि सहभागितामूलक पद्धतिबाट आयोजनाहरूको छनौट तथा कार्यान्वयन गर्नुपर्ने आजको आवश्यकता रहेको छ । आजको समयमा अल्पकालीन लोकप्रियताका लागि वितरणमुखी योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयनले दिगो विकासमा त्यति योगदान गर्न नसकेको अवस्था छ । तसर्थ, विकासको दिगो प्रभाव सिर्जना गर्नका लागि उपयुक्त योजनाहरूको विधिवत् छनौट गर्न आयोजना बैंकको अवधारणा लोकप्रिय बन्दै गएको छ । नेपाल सरकारको हकमा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४; अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४; आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ र तत्सम्बन्धी नियमावली, २०७७ को व्यवस्थाले रणनीतिक महत्वका आयोजनाको पहिचान, संभाव्यता अध्ययन तथा मूल्याङ्कन, प्रतिफलमुखी, वित्तीय र आर्थिक रूपमा संभाव्य आयोजना छनौट तथा प्राथमिकीकरण गर्ने र सोअनुसार स्रोत साधनको विनियोजन गरी प्रभावकारी कार्यान्वयनको लागि आयोजना बैङ्क स्थापना गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

यसकारण, नेपाल सरकारले पनि तीनै तहका सरकारहरूमा आयोजना बैंकको अवधारणा लागू गरेको छ । यसका लागि आयोजना छनौटका निश्चित विधिहरू प्रयोग गरी उपयुक्त र परिवर्तनका संबाहक बन्न सक्ने आयोजनाहरू पहिचान र प्राथमिकता तोकी कार्यान्वयनमा ल्याउनु पर्ने कार्यको औचित्य पुष्टि हुन्छ । यस नगरपालिकाको आवधिक विकास योजना तथा वार्षिक योजनाहरूमा समावेश गर्न उपयुक्त किसिमका

आयोजनाहरूको छनौट गर्नुपर्ने जिम्मेवारी रहेको हुँदा यस नगरपालिकाले पनि आयोजना बैंक तर्जुमा गर्नुपर्ने अपरिहार्यता देखिएको हो । आयोजना बैंक तर्जुमाको औचित्य देहायानुसार उल्लेख गरिएको छः

- क) नगरपालिकाका अधिकार र जिम्मेवारी क्षेत्रमा रहेका आर्थिक विकासका लागि दीर्घकालीन टेवा पुर्याउने किसिमका आयोजनाहरू छनौट तथा कार्यान्वयन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको,
- ख) नगरपालिकाको सामाजिक विकासको क्षेत्रमा परिवर्तनकारी आयोजनाहरूको पहिचान तथा कार्यान्वयन गर्नुपर्ने अपरिहार्यता रहेको,
- ग) नगरपालिकाको समग्र आर्थिक तथा सामाजिक विकासका लागि आवश्यक पूर्वाधारजन्य आयोजनाहरूको पहिचान गरी उक्त योजनाहरू आवधिक तथा वार्षिक योजनामा समावेश गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको,
- घ) नगरपालिकाको सेवा प्रवाहमा नविनतम् खोज तथा अभ्यासहरूको विकास गरी अझ सक्षम र जवाफदेही सरकारको रूपमा स्थापित गरी आम समृद्धि र सुशासन प्रवर्द्धन गर्नपर्ने जरुरी रहेको ।

१.४ आयोजना बैंकको उद्देश्य

आयोजना बैंकको मुल उद्देश्य नै नगरपालिकाको समग्र समृद्धिका लागि टेवा पुर्याउने आयोजनाहरू छनौट तथा प्राथमिकीकरण गरी समृद्धिका परिमाणात्मक सूचकहरूमा सफलता ल्याउने हो । स्थानीय अर्थतन्त्रमा अधिकतम फाइदा पुर्याउने, सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा गुणात्मक सुधार गर्ने र उत्थानशील पूर्वाधार विकास र संस्थागत क्षमता सुदृढीकरणमा स्थानीय स्रोतसाधनको प्रभावकारी परिचालन गर्ने रणनीतिक महत्वका आयोजनाको पहिचान, लेखाजोखा, छनौट र प्राथमिकीकरण सहितको विवरण तयार गर्नु आयोजना बैङ्कको मूल उद्देश्य हो । यस योजनाको विशिष्ट उद्देश्यहरू देहायानुसार प्रस्तुत गरिएको छः

- क) तथ्यपरक विधि र मापदण्डमा आधारित आयोजना पहिचान, लेखाजोखा (पूर्व मूल्याङ्कन), छनौट, प्राथमिकीकरण गर्ने प्रणालीको विकास र अभ्यास गर्नु,
- ख) स्थानीय तहमा स्थानीय आयोजना बैङ्क व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको विकास गरी आयोजना छनौट प्रणालीको विकास गर्नु,
- ग) प्रतिफलमूखी, वित्तीय र आर्थिक रूपमा सम्भाव्य (Financially and Economically Viable) आयोजना छनौट गर्नु,
- घ) मध्यमकालीन खर्च संरचना र बजेट तर्जुमामा विनियोजन कुशलता र लगानीको प्रतिफल सुनिश्चित गर्नु,
- ङ) आयोजना बैङ्क र मध्यमकालीन खर्च संरचनासँग तादात्म्यता कायम गरी प्राथमिकता प्राप्त आयोजना तथा कार्यक्रमहरूमा बजेट विनियोजन सुनिश्चित गर्नु,

च) स्थानीय तहको बजेट विनियोजनमा दक्षता, आयोजना व्यवस्थापनमा कुशलता र योजना सुशासनमा प्रभावकारिता कायम गरी सार्वजनिक स्रोतको अधिकतम उपयोग (Value for Money) स्थापित गर्नु ।

१.५ आयोजना बैंक तर्जुमा विधि

आयोजना बैंक तयारी कार्यमा प्राविधिक सहयोगका लागि परामर्श सेवा खरिद गरिएको थियो । यस नगरपालिकाको आयोजना बैंक जनप्रतिनिधि, कर्मचारी र सरोकारवालाहरूको सहभागितामा तर्जुमा गरिएको छ । आयोजना बैंक तर्जुमा गर्ने क्रममा राष्ट्रिय योजना आयोगबाट जारी भएको “स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८” का विधिहरू अवलम्बन गरिएको छ । यस कार्यमा नयाँ आयोजना र चालु आयोजनाको हकमा फरक फरक विधि अपनाइएको थियो ।

१.५.१ नयाँ आयोजनाको छनौट

आयोजना बैंकमा समावेश गरिने नयाँ आयोजनाको छनौट तथा प्रारम्भिक सम्भाव्यता अध्ययनका लागि आवधिक विकास योजना, नगर यातायात गुरुयोजना, नगर पर्यटन गुरुयोजना र अन्य विषयगत रणनीतिक योजनाहरूको आधार लिई जनप्रतिनिधि र कर्मचारीको सहभागितामा नयाँ आयोजनाहरूको पहिचान र सम्भाव्यता अध्ययन गरिएको थियो । नयाँ आयोजनाहरू छनौट तथा सम्भाव्यता अध्ययनको क्रममा विस्तृत आयोजन अध्ययन (Detailed Project Report - DPR) भैसकेका तर कार्यान्वयन प्रारम्भ नभएका आयोजनाहरू समेत समावेश गरिएको थियो । यस क्रममा देहायअनुसारका कार्यहरू गरिएको छः

- क) योजना तर्जुमा कार्यको प्रारम्भमा नगरपालिकाका पदाधिकारीहरू र कर्मचारीहरूको सहभागितामा आयोजना बैंकको अवधारणा, यसको तर्जुमा प्रक्रिया सम्बन्धमा अभिमुखीकरण गरिएको थियो ।
- ख) मागमा आधारित आयोजनाको पहिचान गरी संक्षिप्त सूची तयारीः सम्बन्धित विषयगत तथा भौगोलिक क्षेत्रमा देखिएको समस्या वा आवश्यकताको सम्बोधन गर्ने उपायहरूको खोजी गरी विषयगत शाखा/इकाइ/केन्द्र र वडा कार्यालयले स्थानीय परिवेश र आवश्यकताअनुसार आयोजनाको पहिचान गरिएको थियो । आयोजनाको पहिचान गर्दा आवधिक विकास योजना, विषय क्षेत्रगत रणनीतिक तथा गुरुयोजना, स्थानीय सरकारको नीति, योजना तथा कार्यक्रम, विषयगत समितिका पदाधिकारी तथा सरोकारवालासँगको परामर्श, मागको विश्लेषण र पूर्वानुमान, सम्भावना र अवसरको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी पाँच वर्षसम्ममा कार्यान्वयन गर्न सकिने आयोजनाको विवरण तयार गरिएको छ । यसरी पहिचान भई तयार गरिएको आयोजनाको विवरण शाखामा पेश गरिएको थियो ।

- ग) योजना शाखाले विषयगत क्षेत्रको लक्ष्य, प्राथमिकता, संस्थागत क्षमता, प्राविधिक सम्भाव्यता जस्ता मापदण्डहरूको प्रयोग गरी आयोजनाको विषयगत रूपमा वर्गीकरण, प्राथमिकीकरण र पुनः प्राथमिकीकरण गरी आयोजनाको संक्षिप्त सूची तयार गरेको थियो । यस्तो संक्षिप्त सूची तयार गर्दा आयोजना कार्यान्वयन गर्न लाग्ने समय, लागत क्षमता तथा लगानीको प्रतिफल, विपद् तथा जलवायु जोखिम लगायतका आधारहरूलाई ध्यान दिइएको थियो । यसरी आयोजनाको संक्षिप्त सूची तयार गर्दा सम्पूरक र विशेष अनुदानबाट सञ्चालन गरिने, सहलगानी तथा आन्तरिक ऋणमा सञ्चालन गरिने र सामान्यतः बहुवर्षीय आयोजनालाई अनिवार्य रूपमा समावेश गरिएको थियो ।
- घ) पूर्वसम्भाव्यता वा डेस्क अध्ययन: संक्षिप्त सूचीमा समावेश भएका आयोजनाहरू मध्ये पूर्वाधारजन्य र जटिल प्रकृतिका आयोजनाहरूको स्थलगत भ्रमण गरी पूर्व सम्भाव्यता अध्ययन गरिएको थियो । सरल प्रकृतिका आयोजनाहरूको डेस्क अध्ययन गरिएको थियो । नगर वस्तुस्थिति विवरण (प्रोफाइल), आधाररेखा सर्वेक्षण, आवधिक योजना, विषय क्षेत्रगत रणनीतिक तथा गुरुयोजना र आयोजना सम्बन्धी आधारभूत जानकारी जस्ता सूचनाहरू डेस्क अध्ययनका लागि उपयोग गरिएको थियो ।
- पूर्व सम्भाव्यता अध्ययनमा आयोजनाको औचित्य, प्राविधिक पक्ष तथा विकल्पहरू, आयोजनाको उद्देश्य र कार्य क्षेत्र आदि सम्बन्धमा अध्ययन गरिएको थियो । यस्तो अध्ययनमा आयोजनाको आर्थिक, सामाजिक र वातावरणीय पक्षहरूको विश्लेषण गरी प्रारम्भिक लाभ लागत समेत निर्धारण गरिएको छ ।
- ङ) सम्भाव्यता अध्ययन वा विस्तृत प्रतिवेदन तयार गरी स्वीकृति: सम्भाव्यता अध्ययनमा आयोजनाको आर्थिक, प्राविधिक लगायत विविध पक्षहरूको अध्ययन, विश्लेषण र मूल्याङ्कन गरी निराकरण गर्न सकिने जोखिमहरूको निर्धारण गरिएको थियो । आयोजनाको प्रकृति र जटिलताअनुसार सम्भाव्यता अध्ययन प्रतिवेदनमा प्राविधिक, वित्तीय, आर्थिक सम्भाव्यता, संस्थागत, वातावरणीय र सामाजिक मूल्याङ्कन र जोखिम मूल्याङ्कन जस्ता विषयहरू समावेश गरिएको थियो ।
- सम्भाव्यता अध्ययन प्रतिवेदन स्वीकृति भएपश्चात् यसबाट प्राप्त तथ्य र सुझावहरूका आधारमा प्रस्तावित आयोजनाको प्रारम्भिक सम्भाव्यता अध्ययन प्रतिवेदन तयार गरिएको थियो । सीमित स्रोतका कारण पूर्वाधारजन्य र जटिल प्रकारका आयोजना विशेष गरी पुँजीगत निर्माण आयोजनाहरूमा सामाजिक आर्थिक तथा वातावरणीय असरहरूको सहभागितामुलक पद्धतिबाट आँकलन गरी उस्तै भौगोलिक क्षेत्रमा कार्यान्वयनमा रहेका उस्तै प्रकृतिका आयोजनाहरूको अध्ययन प्रतिवेदनका आधारमा कार्यप्रकृति

कार्यबोझ र लागत अनुमान गरी प्रतिवेदन तयार गरिएको थियो । साथै सामाजिक क्षेत्र र सम्पत्ति सिर्जना नगर्ने आयोजनाहरूको लागि डेस्क अध्ययन तथा सरोकारवालासँगको सहभागितामुलक पद्धतिबाट सम्भाव्यता अध्ययन गरिएको थियो । यसरी आयोजनाहरूको सम्भाव्यता अध्ययन र छनौट गर्दा सम्पूरक, विशेष अनुदान र सहलगानी, आन्तरिक ऋण तथा सार्वजनिक निजी साझेदारीमा सञ्चालन हुन सक्ने आयोजना एवम् सामान्यतः बहुवर्षीय आयोजनाहरू पहिचान तथा अध्ययन गरिएको थियो ।

च) आयोजना प्रस्ताव तयारी तथा स्वीकृति: सम्भाव्यता अध्ययन प्रतिवेदन पश्चात् प्रत्येक आयोजनाको आयोजना प्रस्ताव तयार गरी योजना शाखामा पेश गरिएको थियो । आयोजना प्रस्तावमा प्राविधिक, आर्थिक, वातावरणीय र संस्थागत रूपमा सम्भाव्यताको लेखाजोखाका साथ सम्भाव्यता अध्ययन सम्बन्धी विवरण समावेश गरिएको थियो । हरेक आयोजनाको लागि स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शनको अनुसूची – ३४ मा उल्लेख भएबमोजिमको आयोजना प्रस्ताव तयार गरिएको थियो । प्रत्येक आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन प्रतिवेदन सहितको आयोजना प्रस्ताव विषयगत शाखामा पेस गरी आवश्यक सुधार सहित स्वीकृतिका लागि योजना शाखामा पेस गरिएको थियो ।

१.५.२ चालु/क्रमागत आयोजनाहरूलाई आयोजना बैंकमा समावेश

नगरपालिकाद्वारा चालु तथा क्रमागत अवस्थामा रहेका आयोजनाहरूको पनि पहिचान तथा पूनर्मूल्याङ्कन गरिएको थियो । चालु तथा क्रमागत आयोजनाहरूको विवरण संकलन गरी दुई चरणमा कार्य गरिएको थियो ।

क) चालु आयोजनाको विवरण संकलन: हाल कार्यान्वयनको चरणमा रहेका बहुवर्षीय र ठूला आयोजनाको विवरण सम्बन्धित शाखाहरूबाट संकलन गरिएको थियो । यस्ता आयोजनाहरूको विवरण संकलन गर्न लागि चालु आयोजना सम्बन्धी विवरण सङ्कलन गर्न अनुसूची – ३५ बमोजिमको फाराम प्रयोग गरिएको थियो ।

ख) आयोजनाको पूनर्मूल्याङ्कन र पूनः प्राथमिकता निर्धारण: चालु आयोजनाहरूको प्रभावकारीता, लगानी र लाभको विश्लेषण गरी आयोजनाहरूको पूनर्मूल्याङ्कन तथा पूनः प्राथमिकता निर्धारण गरिएको थियो । यस क्रममा चालु आयोजनाको प्राथमिकीकरण र आयोजना कार्यान्वयनको अवस्थालाई मूल आधारको रूपमा लिइएको थियो ।

१.६ आयोजना बैंक तर्जुमा प्रक्रियाको सीमा

यस आयोजना बैंक तयारीको क्रममा नगरपालिकामा उपलब्ध सीमित स्रोतको आधारमा आयोजनाहरूको पहिचान तथा सम्भाव्यता अध्ययन गरिएको छ । यस योजना तर्जुमा गर्ने क्रममा देहायका अध्ययन सीमाहरू रहेका थिए:

- क) आयोजना बैंक तयारीको क्रममा नगरपालिकाको आवधिक विकास योजना, नगर सडक गुरुयोजना, पर्यटन गुरुयोजना र अन्य रणनीति योजनाहरूलाई मूल आधार मानी वडास्तरीय कार्यशालाबाट आयोजना छनौट गरी सम्भाव्यता अध्ययन गरिएको छ ।
- ख) आर्थिक स्रोतको सीमितताको कारण पूर्वाधारजन्य र जटिल प्रकृतिका आयोजनाहरूको विस्तृत आयोजना अध्ययन गर्न सम्भव हुन सकेन । तसर्थ, कार्यान्वयनको चरणमा आयोजनाको विस्तृत अध्ययन गर्नु पर्ने कार्य बाँकी रहेको छ ।

भाग – २

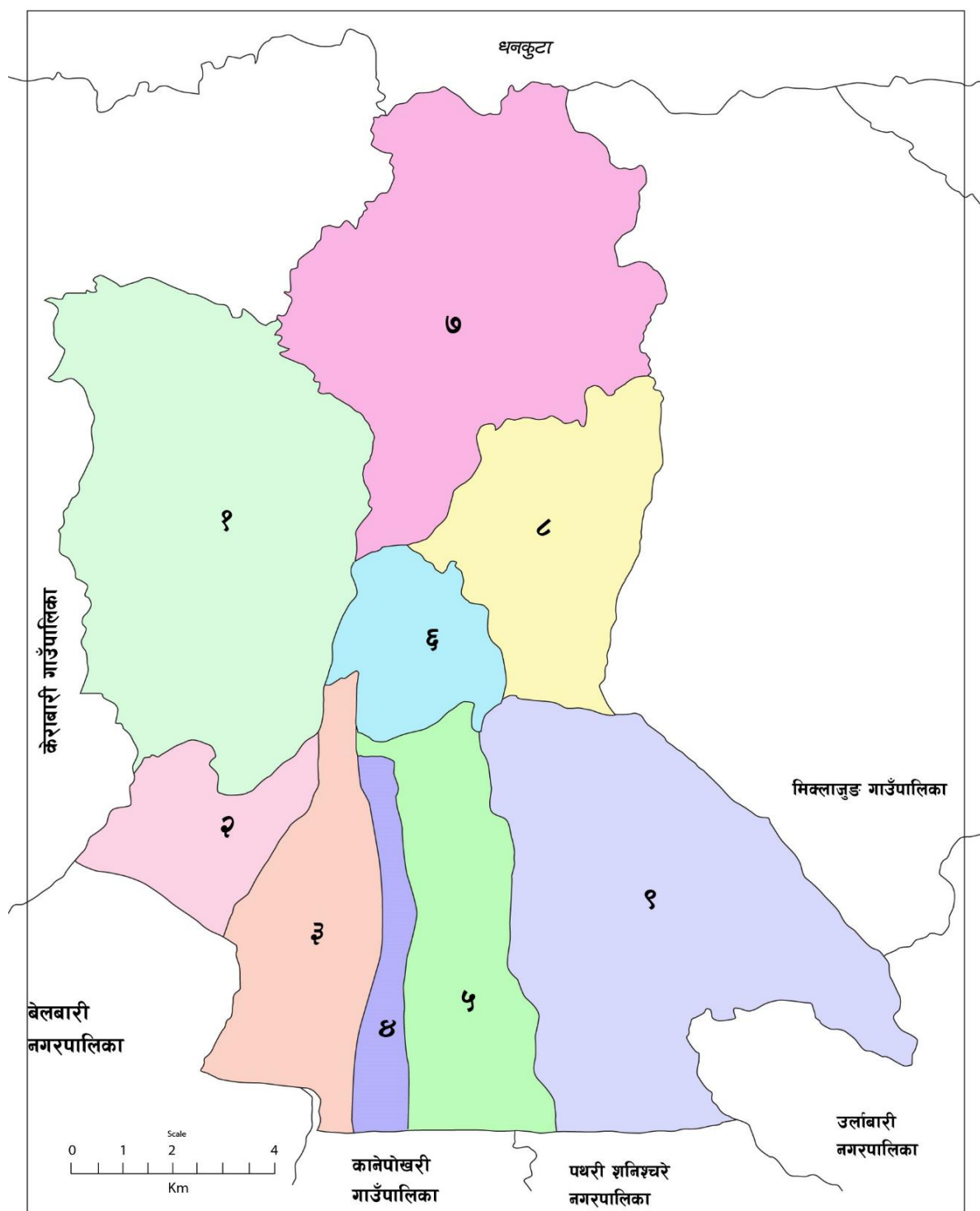
नगरपालिकाको परिचय

२.१ पृष्ठभूमि

लेटाङ नगरपालिका कोशी प्रदेश अन्तर्गतको मोरङ जिल्लामा रहेको छ । मोरङ जिल्लाको सदरमुकामबाट ४९ किलोमिटर उत्तर-पूर्वमा अवस्थित रहेको यस नगरपालिकामा तराई र चुरे तथा मध्यपहाडी भूभागहरु समाविष्ट रहेको छ । यस नगरपालिकाको केन्द्र लेटाङबाटै नगरपालिकाको नामाकरण भएको हो । वि. सं. २०७१ मा नेपाल सरकारले गाविसहरुलाई नगरपालिकामा परिणत गर्ने क्रममा तत्कालीन लेटाङ र भोगटेनी गाविस मिलाएर लेटाङ भोगटेनी नगरपालिका गठन गरिएको थियो । संघीय संरचना पश्चात नेपाल सरकारको मिति २०७३ फाल्गुण २७ गतेको निर्णयअनुसार साविक लेटाङ भोगटेनी नगरपालिकामा साविक जाँते र वारङ्गी गाविस समावेश गरी यस नगरपालिकाको गठन गरिएको हो । यस नगरपालिकाको कुल क्षेत्रफल २१९.२३ वर्ग किलोमिटर रहेको छ । यस नगरपालिकालाई जम्मा ९ वटा वडाहरुमा विभाजन गरिएको छ । यस नगरपालिकाको दक्षिणमा उष्ण र उत्तरतिर समशितोष्ण हावापानी रहेको छ । नगरपालिकाको भौगोलिक विशेषतालाई हेर्दा तराई क्षेत्रमा समथर भूभाग र पहाडी क्षेत्रमा भिरालो जमीनको बाहुल्यता रहेको छ । नगरपालिकाको कूल क्षेत्रफलको ४७.९ प्रतिशत तराई तथा भावर क्षेत्र, २६.९ प्रतिशत चुरे पहाड र बाँकी २३.७ प्रतिशत क्षेत्र मध्य पहाडमा पर्दछ । नगरपालिकाको १४७.७१ वर्ग किलोमिटर (६७.५७ प्रतिशत) क्षेत्र चारकोशे झाडी र सामुदायिक वनहरुको क्षेत्रले ओगटेको छ । जसमा ३२ वटा सामुदायिक वन र २ वटा धार्मिक वनहरु रहेका छन् ।

यो नगरपालिका पर्यटनका लागि प्रचुर सम्भावना बोकेको स्थानीय तहहरु मध्येको एक हो । यहाँ सदरमुकामबाट नजिकै रहेको राजारानी धिमाल पोखरी, झाँक्री गुफा, परन्तेडाँडा, किसे झरना, गुर्दुमडाँडा, देउजे झरना, ताक्चुवा झरना, गुवाबारी, जोरकुप, विमिरेकुप, बारजी मन्दिर, थामचुलीडाँडा, समलाडाँडा, कुलुङ झरना, पाथीभरा मन्दिर, शिवालय मन्दिर, जाँते भ्यूटावर, विशाल जाँतो, अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क आदि पर्यटकीय क्षेत्रहरु रहेका छन् । राजारानी धिमाल पोखरी क्षेत्रमा रहेका राजारानी पोखरी र छोरी पोखरी र रमणीय वातावरण अति मनमोहक रहेको छ । साथै यहाँ नेपालमा पाइन प्राय सबै जातका सुनाखरी र जैविक विविधताले अझ यहाँको सुन्दरतालाई बढाएको छ । बारजी मन्दिर, समलाडाँडाको सितल हावापानी र दृष्यावलोकनको लागि उपयुक्त गन्तव्यको रूपमा रहेको छ ।

चित्र १: लेटाड नगरपालिकाको नक्सा



स्रोत: लेटाड नगरपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण, २०७८

२.२ नगरपालिकाको भौगोलिक अवस्था

यस नगरपालिकाको भौगोलिक अवस्था र चार सीमाना सम्बन्धमा संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका १: नगरपालिकाको भौगोलिक स्थिति

विषय	विवरण
अक्षांश	२६°२०' देखि २६°५३' उत्तरी अक्षांश
देशान्तर	८७°१६' देखि ८७°४१' पूर्वी देशान्तर
उचाइ/एलिभेसन	समुन्द्र सतहबाट २७६ मिटरदेखि २,४१० मिटरसम्म
क्षेत्रफल	२१९.२३ वर्ग कि.मि.
कृषि भूमि र बस्ती भएको जमिन	३९.१२४ वर्ग कि. मि.
तापक्रम	जाडोमा न्यूनतम् ४.९ डिग्रीबाट गर्मीमा अधिकतम् ३६ डिग्रीसम्म
औसत वर्षा	१०७९ मिलि मिटर
सीमाना	पूर्व: मिक्लाजुङ गाउँपालिका, पश्चिम: केराबारी गाउँपालिका, उत्तर: धनकुटा जिल्लाको चौबीसे गाउँपालिका दक्षिण: मोरङको तीन वटा स्थानीय तह बेलबारी नगरपालिका, कानेपोखरी गाउँपालिका र पथरीशनिश्चरे नगरपालिका
वडा संख्या	९
टोलबस्ती संख्या	१७४
मुख्य बजार केन्द्र	नगरभित्र: लेटाङ बजार, बधबारे, जाँते, वारङ्गी, मदन चोक नगर नजिकका बजार केन्द्रहरू: कानेपोखरी, बेलबारी, पथरी, उर्लाबारी, विराटचोक, खोर्साने, मधुमल्ला, इटहरी, धरान, विराटनगर, दमक आदि।
मुख्य पर्यटकीय स्थल	राजारानी धिमाल पोखरी, गुवाबारी, तीनकुने पार्क, जोरकुप, बिमिरे कुप, पाथिभरा माता मन्दिर, अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क, किसे झरना, बाराजी मन्दिर, कोलुङ झरना, आरुबोटे डाँडा, थामचुली डाँडा आदि।

स्रोत: लेटाङ नगरपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण, २०७८

२.३ जनसङ्ख्या र सामाजिक तथा सांस्कृतिक विविधता

यस नगरपालिकाको जनसङ्ख्या र सामाजिक सांस्कृतिक विविधताको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिममा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका २: जनसङ्ख्या र सामाजिक सांस्कृतिक विविधता

विषय	विवरण
घरधुरी संख्या	८,६६४ (लेटाङ नगरपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण, २०८०)
जनसंख्या	३८,११७ महिला – १९,०४३ (५०%) र पुरुष – १९,०७४ (५०%)
औसत परिवार आकार	४ जना
जनघनत्व	१४२ प्रति वर्ग कि. मि.
मुख्य धर्म	हिन्दू, किराँत, बौद्ध, इसाई र इस्लाम
मुख्य भाषा	नेपाली, राई, लिम्बु, मगर, तामाङ्ग, मैथिली, गुरुङ्ग
मुख्य समुदाय	राई, लिम्बु, मगर, ब्राह्मण, क्षेत्री, तामाङ्ग, कामी, दमाई, सार्की र अन्य
कूल साक्षरता	८५.८० प्रतिशत

स्रोत: लेटाङ नगरपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण, २०७८

२.५ आयोजना बैंक सारांश

यस आयोजना बैंकमा ९१ वटा मध्यम तथा ठूला आयोजनाहरू समावेश गरिएको छ । स्थानीय तह योजना तर्जुमा दिर्दर्शन २०७८ मा दिइएको विधि अनुसार आयोजनाहरूको संक्षिप्त सूची तयारी तथा प्राथमिकीकरण गरी आयोजनालाई समावेश गरिएको छ । प्राथमिकतामा परेका आयोजनाहरूको सारांश विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ३: आयोजना बैकमा समावेश भएका आयोजना तथा कार्यक्रमको विवरण

क्र सं	क्रियाकलापको नाम	वडा नं	प्रा. क्रम	स्तर	किसिम	इकाई	जम्मा लक्ष्य	अनुमानित लागत रु (हजार)	डिपिआर (भएको/ नभएको)	लागत स्टीमेट (भएको/ नभएको)	लगानीको स्रोत (अपेक्षित)				
											स्थानीय तह	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	सा. नि. सा.	जन सहभागिता
१	राजारानी – कार्तिके – साम्मा - आरुबोट बहुउद्देश्यीय सडक कालोपत्रे आयोजना	१	१	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	१४	५१२,३७४	भएको	भएको	√	√	√		
२	तुर्के-लाख –हर्दिया - मुर्चुङ्गी कृषि सडक आयोजना	१	२	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	१०	८९,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
३	लोखरा – फेदी – कुङ्कुण्डा कृषि सडक स्तरोन्नति आयोजना	१	३	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	१४	९४,९५०	भएको	भएको	√	√	√		
४	लाख - साखफारा - अँधेरी सडक स्तरोन्नति	१	३	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	१०	६७,८२१	भएको	भएको	√	√	√		
५	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	१	४	नगर	नयाँ	पटक	५	६,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
६	व्यावसायिक बाख्रा पालन कार्यक्रम	१	५	नगर	नयाँ	पटक	५	४,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
७	राजारानी क्षेत्र एकीकृत पर्यटन विकास आयोजना	१	६	नगर	क्रमागत	पटक	५	५०,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
८	अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क निर्माण परियोजना	१	७	नगर	क्रमागत	पटक	५	२००,०००	भएको	भएको	√	√	√		
	जम्मा							१,०२४,१४५							
९	मिलचोक – गोदावरी मार्ग –	२	१	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	६	२१९,५८९	नभएको	नभएको	√	√	√		

	लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना														
१०	मिलचोक - बर्मेलीटोल - बालकेन्द्र सडक कालोपत्रे आयोजना	२	२	नगर	कालोपत्रे	कि. मि.	०.८५	३१,७५२	भएको	भएको	√	√	√		
११	लक्ष्मी मावि - किर्तीमान चर्च सडक कालोपत्रे आयोजना	२	३	नगर	कालोपत्रे	कि. मि.	१.२१	४४,४५८	भएको	भएको	√	√	√		
१२	पानीटेङ्की - लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना	२	४	नगर	कालोपत्रे	कि. मि.	१.९६	७१,३६२	भएको	भएको	√	√	√		
१३	बुधबारे हाटबजार तथा १६ नं बसपार्क निर्माण	२	५	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१.००	६३,५७८	भएको	भएको	√	√	√		
१४	चिसाङ नदी नियन्त्रण तथा कृषि सिँचाई आयोजना	१, २, ३, ६	६	नगर	क्रमागत	कि. मि.	४	८०,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
१५	शहिद पार्क निर्माण आयोजना	२	७	नगर	नयाँ	वर्ग मि.	१००००	५,०००	भएको	भएको	√	√	√		
१६	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	२	८	नगर	नयाँ	पटक	५	५,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
१७	व्यावसायिक पशुपन्छी पालन कार्यक्रम	२	९	नगर	नयाँ	पटक	५	४,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
१८	जैविक मल उत्पादन तथा फोहोर व्यवस्थापन कार्यक्रम	२	१०	नगर	नयाँ	पटक	५	५,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
१९	बुधबारे खेलमैदान निर्माण आयोजना	२	११	नगर	स्तरोन्नति	गोटा	१	५,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
२०	चिसाङ शवदाह स्थल निर्माण आयोजना	२	१२	नगर	नयाँ	गोटा	१	२,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
	जम्मा							५३६,७३९							

२१	चिसाङ खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाई आयोजना	२ र ३	१	नगर	नयाँ	गोटा	१	३०,०००	भएको	भएको	√	√	√		
२२	लेटाङ - कानेपोखरी सडक कालोपत्रे	३	२	नगर	कालोपत्रे	कि. मि.	८.२३	२०६,६७८	भएको	भएको	√	√	√		
२३	भाउन्ने - किर्तीमान - मदनभण्डारी मार्ग कालोपत्रे	बेलबारी ११, लेटाङ ३ र २	२	नगर	कालोपत्रे	कि. मि.	९.३०	२३३,५४९	नभएको	नभएको	√	√	√		
२४	लेटाङ अस्पतालको आकस्मिक सेवा विस्तार सम्बन्धी कार्यक्रम	३	३	नगर	क्रमागत	पटक	३	१५,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
२५	फोहोरमैला व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण तथा सञ्चालन	३	४	नगर	नयाँ	गोटा	१	५,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
२६	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	३	५	नगर	नयाँ	पटक	५	७,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
२७	कमलपुर खेलमैदानको स्तरोन्नति	३	७	नगर	क्रमागत	सङ्ख्या	१	५,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
२८	लेटाङ बजार आधुनिक सार्वजनिक सौचालय निर्माण आयोजना	३ र ४	६	नगर	नयाँ	गोटा	१	३,५००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
जम्मा								५०५,७२७							
२९	मिलनचोक – वडा नं ४ को कार्यालय – गंगेचोक सडक पेटी निर्माण आयोजना	४	१	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	१.५	५,०००	भएको	भएको	√	√	√		
३०	शान्ति भगवती छात्रावास - क्रमागत	४	२	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१.००	५८,९७६	भएको	भएको	√	√	√		
३१	लेटाङ रंगशाला निर्माण	४	३	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१.००	२,९०७,८२८	भएको	भएको	√	√	√		

३२	व्यवस्थित नगर वसपार्क निर्माण आयोजना	४	४	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१	५,०००	भएको	भएको	√	√	√		
३३	टुक्रे वन पर्यापर्यटन तथा बाल उद्यान निर्माण	४	५	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१	४,०००	भएको	भएको	√	√	√		
३४	जनसेवा सामुदायिक वनमा बधशाला निर्माण	४	६	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१	५,२००	नभएको	नभएको	√	√	√		√
३५	लेटाड – ४ मा भलिबल कवर्ड हल निर्माण	४	७	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१	१८,४०६	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
३६	लेटाड – ४ मा कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण कार्यक्रम	४	९	नगर	क्रमागत	सङ्ख्या	१	३,८७०	नभएको	नभएको	√	√	√		
	जम्मा							३,०३८,२८०							
३७	वडा नं ५ चक्रपथ निर्माण तथा स्तरोन्नति आयोजना	४, ५ र ६	१	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	१०	१२,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
३८	प्रकाश मार्ग कालोपत्रे आयोजना	५	२	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	२.५	९१,४९५	भएको	नभएको	√	√	√		
३९	अजम्बर टोल – सूर्यटार – पाथीभरा मन्दिर सडक स्तरोन्नति आयोजना	५ र ८	३	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	५.५	४८,९५०	भएको	भएको	√	√	√		
४०	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	५	४	नगर	नयाँ	पटक	५	५,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
४१	जोरकुप र विमिरे इनार जलधार संरक्षण र पर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम	५	५	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१	४,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
४२	मोरङ्गी तथा खेरुवाखोला तटबन्धन निर्माण	५	६	नगर	नयाँ	कि. मि.	५	२०,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
४३	अन्तर सांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण	५	७	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१	२०,०००	भएको	भएको	√	√	√		

४४	शिक्षा विकास मा वि को भवन निर्माण आयोजना	५	८	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१	५६,६८०	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
४५	मोरङ्गी खोलामा भूमिगत पानी उकास्ने सिँचाई आयोजना	५ र ९	९	नगर	नयाँ	गोटा	१	२०,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
	जम्मा							२७८,१२५							
४६	महाभारत स्कूलदेखि लामीडारसम्मको सडक कालोपत्रे	६	१	नगर	क्रमागत	कि. मि.	१.५	५४,४६०	नभएको	नभएको	√	√	√		
४७	सुकेचौरदेखि सालबारी (हस्त तामाङको घरसम्म) को सडक कालोपत्रे	६	२	नगर	नयाँ	कि. मि.	२.०	७१,१६०	नभएको	नभएको	√	√	√		
४८	गुवाबारी एकीकृत सिँचाई आयोजना (सुपारे-भुवाखोला मुहान)	६	३	नगर	नयाँ	कि. मि.	९.०	१२,०००	भएको	भएको	√	√	√		
४९	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	६	४	नगर	नयाँ	पटक	५	१०,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
५०	गुवाबारी क्लष्टर पर्यटन विकास कार्यक्रम	३, ४, ५ र ६	५	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१	१०,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
५१	भुवा सिँचाई आयोजना (पैनी स्तरोन्नति)	६	६	नगर	नयाँ	कि. मि.	२	१०,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
५२	सुकेचौरी खेलमैदानको स्तरोन्नति सम्बन्धी आयोजना	६	७	नगर	नयाँ	सङ्ख्या	१	९,५००	भएको	भएको	√	√	√		
५३	कृषि उपज चिस्यान केन्द्र निर्माण आयोजना	६	१०	नगर	क्रमागत	सङ्ख्या	१	३०,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		

	जम्मा							२०७,१२०							
५४	लेटाड - गुवाबारी - वारङ्गी - गुर्गुसैडाँडा सडक कालोपत्रे आयोजना	७	१	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	२४.०	८७६,३५६	भएको	भएको	√	√	√		
५५	चिसाड खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	७	२	नगर	नयाँ	मिटर	१२३.०	१६०,७१७	भएको	भएको	√	√	√		
५६	झाँक्री खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	७	३	नगर	नयाँ	मिटर	८०.०	१२५,०००	भएको	भएको	√	√	√		
५७	ताक्चुवा खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	७	४	नगर	नयाँ	मिटर	८०.०	१२५,०००	भएको	भएको	√	√	√		
५८	काली खोला बृहत खानेपानी आयोजना	७	५	नगर	क्रमागत	कि. मि.	१३.०	७५,६००	भएको	भएको	√	√	√		
५९	समला पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम	७	६	नगर	क्रमागत	सङ्ख्या	१.०	१५,०००	भएको	भएको	√	√	√		
६०	बाराजी क्षेत्र पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम	७	७	नगर	क्रमागत	सङ्ख्या	१.०	१०,०००	भएको	भएको	√	√	√		
६१	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	७	८	नगर	नयाँ	पटक	५	१५,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
६२	महेन्द्र मा वि पक्की भवन निर्माण आयोजना	७	९	नगर	स्तरोन्नति	सङ्ख्या	१	५६,६७०	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
६३	वाराङ्गी स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण आयोजना	७	१०	नगर	क्रमागत	सङ्ख्या	१	६,५००	नभएको	नभएको	√	√	√		
६४	सीमाना खानेपानी आयोजना	७	११	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	७.५	१२,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
६५	कुम्ले खानेपानी आयोजना	७	१२	नगर	क्रमागत	कि. मि.	७.०	१०,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
	जम्मा							१,४८७,८४३							

६६	जाँते (वडा नं ८ र ९) चक्रपथ कालोपत्रे निर्माण आयोजना	८ र ९	१	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	५.५	२०१,२९०	नभएको	नभएको	√	√	√		
६७	सगरमाथा मार्ग - सीमाना ८, ९ र ५ कालोपत्रे आयोजना	५, ८ र ९	२	नगर	कालोपत्रे	कि. मि.	२.७६	९५,०००	भएको	भएको	√	√	√		
६८	नोवेल बोर्डिङ – सगरमाथा मार्ग – बुद्धचोक – डडके चोक – सयपत्री चोक – धमला – सीमाना मार्ग सडक कालोपत्रे आयोजना	८	४	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	४.०	१४५,२२५	नभएको	नभएको	√	√	√		
६९	जाँते – लालझोडा – ज्यामिरे – शिखरपुर – मोरङ्गे कृषि सडक स्तरोन्नति आयोजना	८	५	नगर	नयाँ	कि. मि.	१३.०	४९,७२५	नभएको	नभएको	√	√	√		
७०	गडामे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	८	६	नगर	नयाँ	मिटर	१००.०	२१९,४९०	नभएको	नभएको	√	√	√		
७१	मोरङ्गे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	८	७	नगर	नयाँ	मिटर	१००.०	२१९,४९०	नभएको	नभएको	√	√	√		
७२	जाँते बृहत खानेपानी आयोजना	८ र ९	८	नगर	नयाँ	कि. मि.	१३.०	५६,५००	नभएको	नभएको	√	√	√		
७३	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	८	९	नगर	नयाँ	पटक	५	६,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
७४	जाँते (लेनपा - ८) हाटबजार निर्माण	८	१०	नगर	क्रमागत	सङ्ख्या	१	५५,१४१	भएको	भएको	√	√	√		√
७५	तेली गडामे पैनी स्तरोन्नति आयोजना	८	११	नगर	क्रमागत	कि. मि.	८	५६,५००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
७६	लालझोडा सिँचाई	८	१२	नगर	नयाँ	कि. मि.	५	१५,०००	भएको	भएको	√	√	√		

	आयोजना														
	जम्मा						१,११९,३६१								
७७	मौलिक साँस्कृतिक पर्यटन मार्ग निर्माण (चक्रपथ)	९	१	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	१२.३७	४८५,२२२	भएको	भएको	√	√	√		
७८	श्री मा वि भवन स्तरोन्नति आयोजना	९	२	नगर	स्तरोन्नति	सङ्ख्या	१.०	६,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
७९	टेक्राहा पैनी स्तरोन्नति आयोजना	९	३	नगर	स्तरोन्नति	कि. मि.	२०.०	२००,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
८०	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	९	४	नगर	नयाँ	पटक	५	६,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		√
८१	शिक्षा ज्योति प्रा वि को भवन र घेराबार निर्माण आयोजना	९	५	नगर	स्तरोन्नति	सङ्ख्या	१	६,०००	नपर्ने	नभएको	√	√	√		
८२	डाँडागाउँ राई संग्रहालय निर्माण आयोजना	८	६	नगर	क्रमागत	सङ्ख्या	१	२०,०००	भएको	भएको	√	√	√		
८३	तेलीखोला पूर्व संगम मार्ग हुँदै मोरङ्गे खोलासम्म कालोपत्रे	८	६	नगर	क्रमागत	सङ्ख्या	३	१०९,७९५	नभएको	नभएको	√	√	√		
८४	पापु पैनी स्तरोन्नति	८	६	नगर	क्रमागत	कि. मि.	१	५,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
८५	स्माली पैनी स्तरोन्नति	८	६	नगर	क्रमागत	कि. मि.	१	५,०००	नभएको	नभएको	√	√	√		
८६	साकेला मार्ग कालोपत्रे	८	६	नगर	क्रमागत	कि. मि.	१	३६,५९८	नभएको	नभएको	√	√	√		
	जम्मा							८७९,६१५							
	कुल जम्मा							९,०४६,९५५							

भाग – ३

आयोजना प्रोफाइल

यस नगरपालिकाको आयोजना बैंक तर्जुमा गर्ने क्रममा विभिन्न चरणमा आयोजनाको पहिचान गर्ने, प्रारम्भिक सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने प्राथमिकीकरण गर्ने र लागत स्टिमेट गर्ने जस्ता कार्यहरू गरी आयोजनाहरूको अन्तिम विवरण तयार गरिएको छ । यसरी जम्मा ८१ वटा आयोजनाहरू पहिचान तथा छनौट गरिएको छ । उक्त आयोजनाहरूको प्रोफाइल देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ:

३.१ राजारानी – कार्तिके – साग्मा - आरुबोटे सडक कालोपत्रे आयोजना

यो आयोजना लेटाङ नगरपालिका, वडा नं १ को राजारानीबाट कार्तिके हुँदै साग्मा र आरुबोटेसम्म पुग्ने सडक स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे गर्ने उद्देश्यले छनौट गरिएको हो । हाल कच्ची सडकको रूपमा सञ्चालनमा रहेको यस सडकले वडा नं १ का दूर्गम बस्तीहरूलाई नगरपालिका सदरमुकामसम्म जोड्ने तथा यातायातमा सहजता ल्याउने कार्य गरेको छ । वडा नं १ मा नगदेबाली र पशुपालनको प्रचुर सम्भावना भएको र वर्तमान अवस्थामा अग्निसो, अलैची, आलु, बेसार, अदुवा, सुन्तला र रायोको साग ठूलो परिमाणमा उत्पादन तथा निकासी हुने भएको हुँदा यस सडकले कृषि उत्पादन तथा व्यापारमा अतुलनीय योगदान गर्नेछ । यसको परियोजना विवरण देहायको तालिकामा दिइएको छ:

तालिका ४: राजारानी – कार्तिके – साग्मा - आरुबोटे सडक कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	राजारानी – कार्तिके – साग्मा - आरुबोटे सडक कालोपत्रे आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १४ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं १, राजारानी, कार्तिके, साग्मा र आरुबोटे	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	

दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ सडकले वडा नं १, राजारानी, कात्तिके, साम्मा र आरुबोटे आदि टोलहरूलाई आपसमा जोड्ने, ■ ६ मि न्युनतम चौडा, ड्रेन निर्माण, ग्याबियनको काम								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५१ करोड २३ लाख ७४ हजार								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒								
संघीय अनुदान	☒								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>७००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	७००	अप्रत्यक्ष	१०००				
प्रत्यक्ष	७००								
अप्रत्यक्ष	१०००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ पर्यटन तथा अन्य व्यवसाय प्रवर्धन हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								

प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.२ तुर्के - लाख - मुर्चुङ्गी - हर्दिया कृषि सडक आयोजना

नगरपालिकाको वडा नं १ का वस्तीहरूलाई जोड्ने यस सडकले नागरिकहरूलाई आवातजावात र सामान ढुवानीमा महत्वपूर्ण योगदान गर्नेछ । यसको परियोजना विवरण देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ५: तुर्के - लाख - मुर्चुङ्गी - हर्दिया कृषि सडक आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	तुर्केलाख – मुर्चुङ्गी – हर्दिया कृषि सडक आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १० किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं १, तुर्के, कोलबोटे, लाखटोल, हर्दिया र मुर्चुङ्गी	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (स्तरोन्नति)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्य, ■ सडकले वडा नं १, तुर्के, कोलबोटे, लाखटोल, हर्दिया र मुर्चुङ्गी टोलहरूलाई आपसमा जोड्ने, ■ सब-बेस-७ मि, अस्फालट-५.५ मि, ड्रेन, ग्याबियन निर्माण	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरू आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने,	

	■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ८ करोड ९० लाख									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	५००	अप्रत्यक्ष	१०००					
प्रत्यक्ष	५००									
अप्रत्यक्ष	१०००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ पर्यटन तथा अन्य व्यवसाय प्रवर्धन हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.३ लोखरा – फेदी – कुइकुण्डा कृषि सडक स्तरोन्नति आयोजना

यो सडक यस नगरपालिकाको वडा नं १ अन्तर्गत रहेको लोखरा, फेदी र कुइकुण्डाका बस्तीहरूलाई जोड्ने सडक हो । यस सडकले लोखरा, फेदी र कुइकुण्डा क्षेत्रका नागरिकहरूलाई नगरपालिका केन्द्र र बाहिरी स्थानहरूमा जान आउन तथा आवश्यक सामग्रीहरू ल्याउन र स्थानीय उत्पादनका सामानहरू बजार लैजानका लागि महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दछ । यस सडको विवरण देहायको तालिकामा दिइएको छः

तालिका ६: लोखरा – फेदी – कुइकुण्डा कृषि सडक स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	लोखरा – फेदी – कुइकुण्डा कृषि सडक स्तरोन्नति आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १० किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं १, लोखरा, फेदी र कुइकुण्डा	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (स्तरोन्नति)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ सडकले वडा नं १, लोखरा, फेदी र कुइकुण्डा आदि टोलहरूलाई आपसमा जोड्ने, ■ ६ मि न्युनतम चौडा, ड्रेन निर्माण, ग्याबियनको काम	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ९ करोड ४९ लाख ५० हजार	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना	

	निर्माण समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>३५०</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	३५०	अप्रत्यक्ष	१०००					
प्रत्यक्ष	३५०									
अप्रत्यक्ष	१०००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - पर्यटन तथा अन्य व्यवसाय प्रवर्धन हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.४ लाख - साखफारा - अँधेरी सडक स्तरोन्नति

यो आयोजना लेटाङ नगरपालिका, वडा नं १ को लाखटोल, साखफारा हुँदै अँधेरी जोड्ने कच्ची सडक हो । यसले ग्रामिण वस्तीहरू जोड्ने हुनाले उक्त क्षेत्रमा यातायात तथा सामग्री ढुवानीमा ठुलो योगदान गर्नेछ । यसको परियोजना विवरण देहायको तालिकामा दिइएको छ:

तालिका ७: लाख - साखफारा - अँधेरी सडक स्तरोन्नति

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	लाख - साखफारा - अँधेरी सडक स्तरोन्नति आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १० किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर
आयोजनाको स्थान	वडा नं १, लाख, साखफार र अँधेरी

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (स्तरोन्नति)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्य, ■ सडकले वडा नं १, लाख, साखफारा र अँधेरीलाई आपसमा जोड्ने, ■ ६ मि न्युनतम चौडा, ड्रेन निर्माण, ग्याबियनको काम	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ६ करोड ७८ लाख २१ हजार	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	

आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	३००
	अप्रत्यक्ष	५००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - पर्यटन तथा अन्य व्यवसाय प्रवर्धन हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.५ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं १ को अधिकांश क्षेत्र कृषि तथा पशुपालनका लागि उपयुक्त रहेको हुँदा यस क्षेत्रमा स्थानीय नागरिकहरूलाई कृषि पेसामा अभिप्रेरित गरी सबै घरधुरीमा आर्थिक समृद्धि ल्याउन सकिने प्रचुर सम्भावना रहेको छ । तसर्थ, यहाँका नागरिकहरूको चाहना र मागअनुसार एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धनका कार्यक्रम आयोजना बैंकमा समावेश गरिएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ८: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं १, सबै बस्तीहरू	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण, उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाड नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास	

योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	उप विषय क्षेत्र: कृषि तथा पशुपन्छी विकास								
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १: सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>कृषि उत्पादन सम्भावना</u> - व्यावसायिक अन्नबाली, नगदेबाली, मौसमी/बेमौसमी तरकारी खेती, माहुरी पालन - अम्रिसो: वडाका सबै क्षेत्र - केरा: लोखरा, लाख राजारानी वगुवा हर्दिया फेदी आदि - कफि/सुन्तला/कागती: कुङ्कुण्डा साग्मा अँधेरी कुवापानी - तरकारी: वडाका सबै क्षेत्र - पशुपालन: वडाको सबै क्षेत्र <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - कृषकहरूको क्षमता र सीप विकास, - कृषि औजार तथा सामाग्री सहयोग, - नगदेबाली प्रवर्धन कार्यक्रम - कृषि उपज संकलन केन्द्र निर्माण र सञ्चालन - कृषि उपज बजारीकरण सहयोग आदि ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- कृषि तथा पशुपालनमा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, - युवाहरूलाई कृषि पेसामा आकाशित गर्न सकिने, - बालीको उत्पादन तथा बजारीकरणमा सुधार हुने - गरिबी निवारणमा टेवा पुग्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ६० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒								
संघीय अनुदान	☒								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								

लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	४००
	अप्रत्यक्ष	५००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ कृषि बाली/नगदे बाली उत्पादनमा बृद्धि हुने, ■ कृषकहरु सक्षम र सीपयुक्त हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.६ व्यावसायिक बाख्रा पालन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं १ को भौगोलिक बनावट तथा हावापानी पशुपालनका लागि उपयुक्त रहेको र घाँस तथा चरन क्षेत्रको उपलब्धता रहेको हुँदा स्थानीय नागरिकहरुले बाख्रापालन कार्यक्रमको माग गरेका छन् । यस कार्यक्रमले नागरिकहरुलाई रोजगारी प्रदान गर्ने तथा आय आर्जनमा टेवा पुर्याउनेछ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ९: व्यावसायिक बाख्रा पालन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	व्यावसायिक बाख्रा पालन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं १, सबै बस्तीहरु	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि तथा पशुपन्छी विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १: सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित	पशुपालन सम्भावना	

संक्षिप्त विवरण	■ पशुपालन: वडाको सबै क्षेत्र कार्यक्रमको गतिविधिहरू ■ कृषक क्षमता/उद्यमशीलता/सीप विकास तालिम ■ उन्नत बाख्रा, औषधी अनुदान कार्यक्रम ■ बाख्रा बजारीकरण सहयोग कार्यक्रम आदि ।									
आयोजना छनोटको औचित्य	■ पशुपालनमा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, ■ युवाहरूलाई कृषि पेसामा आकर्षित गर्न सकिने, ■ बाख्रा उत्पादन तथा बजारीकरणमा सुधार हुने ■ गरिबी निवारणमा टेवा पुग्ने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ४० लाख									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	५									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	३५०								
	अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ बाख्रा उत्पादनमा बृद्धि हुने, ■ कृषकहरू सक्षम र सीपयुक्त हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.७ राजारानी क्षेत्र एकीकृत पर्यटन विकास आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं १ को राजारानी ताल, धिमाल ग्रामथान, झाँक्री गुफा, किसे झरना, आरुबोटे मनोरञ्जन पार्क, ऐतिहासिक गुर्दुमडाँडा, वनझाँक्री गुफा, बतासेडाँडा क्षेत्रमा पर्यटन विकासका सम्भावना रहेको हुँदा स्थानीय नागरिकहरूले पर्यटन पूर्वाधार विकास कार्यक्रमको माग गरेका छन्। यस कार्यक्रमले नागरिकहरूलाई रोजगारी प्रदान गर्ने तथा आय आर्जनमा टेवा पुर्याउनेछ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका १०: राजारानी क्षेत्र एकीकृत पर्यटन विकास आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	राजारानी क्षेत्र एकीकृत पर्यटन विकास आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं १, राजारानी ताल, धिमाल ग्रामथान, झाँक्री गुफा, किसे झरना, आरुबोटे मनोरञ्जन पार्क, ऐतिहासिक गुर्दुमडाँडा, वनझाँक्री गुफा, बतासेडाँडा ।	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: पर्यटन विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्यागिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>पर्यटन विकासको सम्भावना</u> पर्यटन सम्भावित क्षेत्रहरू: राजारानी ताल, धिमाल ग्रामथान, झाँक्री गुफा, किसे झरना, आरुबोटे मनोरञ्जन पार्क, ऐतिहासिक गुर्दुमडाँडा, वनझाँक्री गुफा, बतासेडाँडा आदि ।	
	<u>आयोजनाका कार्यक्रमहरू</u> - पर्यापर्यटन विकास कार्यक्रम - पर्यटन क्षमता/उद्यमशीलता/सीप विकास तालिम - पर्यटकीय क्षेत्रहरूको सौन्दार्यीकरण र पूर्वाधार निर्माण	

	■ व्यवस्थित होमस्टे सञ्चालन कार्यक्रम ■ सांस्कृतिक पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम (झाँकी, हुर्रा, सेलो, यलङ, मेला आदि) ■ पर्यटन सूचना केन्द्र तथा बजारीकरण सहयोग कार्यक्रम ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ कृषि तथा पशुपालनमा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, ■ पर्यटन पूर्वाधार तयारी गर्नु ■ स्थानीय नागरिकहरुमा पर्यटन व्यवसाय सम्बन्धी क्षमता विकास गर्नु ■ सांस्कृतिक पर्यटन प्रवर्धन गर्नु ■ पर्यटन सूचना केन्द्र तथा बजारीकरण गर्नु ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५ करोड								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	५००	अप्रत्यक्ष	१५००				
प्रत्यक्ष	५००								
अप्रत्यक्ष	१५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ पर्यटन व्यवसाय बृद्धि हुने, ■ स्थानीय नागरिकहरु रोजगार हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने अनुदान प्राप्त नहुन सक्ने ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.८ अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं १ को राजारानी क्षेत्रमा रहेको खाली जग्गामा अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क स्थापना कार्य प्रारम्भ भएको छ । यस आयोजनाले पर्यटन विकास र नागरिकहरूलाई रोजगारी प्रदान गर्ने तथा आय आर्जनमा टेवा पुर्‍याउनेछ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ११: अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं १, राजारानी	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: पर्यटन विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ८: स्थिर, समावेशी र दिगो आर्थिक वृद्धि र सबैको लागि पूर्ण तथा उत्पादनशील रोजगारी र मर्यादित कामलाई प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>पर्यटन विकासको सम्भावना</u> सम्भावना: राजारानी क्षेत्रमा रहेको रमणीय स्थानमा पर्यटकीय अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क स्थापना गर्न सकिने । <u>आयोजनाका कार्यक्रमहरु</u> अन्तरधार्मिक शान्ति पार्क निर्माण ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	- पर्यटन विकास गर्न टेवा पुग्ने, - सांस्कृतिक सहिष्णुता प्रवर्धन हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २० करोड	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☒
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	३	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	५००
	अप्रत्यक्ष	१५००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- पर्यटन व्यवसाय बृद्धि हुने, - स्थानीय नागरिकहरू रोजगार हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने अनुदान प्राप्त नहुन सक्ने ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.९ मिलचोक-गोदावरीमार्ग-बर्मेलीटोल-लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं २ को मिलचोक, गोदावरी, बर्मेलीटोल, लम्सालटोल र किरातटोल जोड्ने ग्राभेल सडक सञ्चालित रहेको छ । यस आयोजनाले सडक यातायातमा सहजता आउने र नागरिकहरूलाई रोजगारी प्रदान गर्ने तथा आय आर्जनमा टेवा पुर्‍याउनेछ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका १२: मिलचोक – गोदावरी मार्ग – बर्मेलीटोल - लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	मिलचोक – गोदावरी मार्ग – बर्मेलीटोल - लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ६ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, मिलचोक, गोदावरी, बर्मेलीटोल, लम्सालटोल र

	किरातटोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्य, ■ वडा नं २, मिलचोक, गोदावरी, बर्मेलीटोल, लम्सालटोल र किरातटोल आदि टोलहरूलाई आपसमा जोड्ने,	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरू आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २१ करोड ९६ लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	

लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	१२९३
	अप्रत्यक्ष	३०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.१० मिलनचोक – बर्मेलीटोल - बाल विकास केन्द्र सडक कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं २ को मिलनचोक देखि बर्मेलीटोल र बाल विकास केन्द्र जोड्ने ग्राभेल सडक सञ्चालित रहेको छ । यस आयोजनाले सडक यातायातमा सहजता आउने र नागरिकहरूलाई रोजगारी प्रदान गर्ने तथा आय आर्जनमा टेवा पुर्‍याउनेछ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका १३: मिलनचोक – बर्मेलीटोल - बाल विकास केन्द्र सडक कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	मिलनचोक – बर्मेलीटोल - बाल विकास केन्द्र सडक कालोपत्रे आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ०.८५ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, मिलनचोक देखि बाल विकास केन्द्र	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाड नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	

दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्य, ■ वडा नं २, मिलनचोक देखि बाल विकास केन्द्र जोड्ने,								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरू आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ३ करोड १७ लाख ५२ हजार								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒								
संघीय अनुदान	☒								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>६००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	६००	अप्रत्यक्ष	१०००				
प्रत्यक्ष	६००								
अप्रत्यक्ष	१०००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक								

	गुरुर्योजना
रुपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.११ लक्ष्मी मावि - किर्तीमान चर्च सडक कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं २ को लक्ष्मी मावि - किर्तीमान चर्चसम्म जोड्ने ग्राभेल सडक सञ्चालित रहेको छ । यस आयोजनाले सडक यातायातमा सहजता आउने र नागरिकहरुलाई रोजगारी प्रदान गर्ने तथा आय आर्जनमा टेवा पुर्‍याउनेछ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका १४: लक्ष्मी मावि - किर्तीमान चर्च सडक कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	लक्ष्मी मावि - किर्तीमान चर्च सडक कालोपत्रे आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १.२१ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, लक्ष्मी मावि देखि किर्तीमान चर्चसम्म	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्यागिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्य, ■ वडा नं २, लक्ष्मी मावि देखि किर्तीमान चर्चसम्म जोड्ने,	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरू आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।	

आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ४ करोड ४४ लाख ५८ हजार									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td> <td>☒</td> </tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td> <td>☒</td> </tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td> <td>☐</td> </tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	६००								
	अप्रत्यक्ष	१०००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.१२ पानीटेङ्की - लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं २ को पानीटेङ्कीदेखि लम्सालटोलसम्म जोड्ने ग्राभेल सडक सञ्चालित रहेको छ। यस आयोजनाले सडक यातायातमा सहजता आउने र नागरिकहरूलाई रोजगारी प्रदान गर्ने तथा आय आर्जनमा टेवा पुर्याउनेछ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका १५: पानीटेङ्की - लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	पानीटेङ्की - लम्सालटोल सडक कालोपत्रे आयोजना

आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १.९६ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, पानीटेनङ्कीदेखि लम्सालटोलसम्म	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्यागिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्य, ■ वडा नं २, पानीटेनङ्कीदेखि लम्सालटोलसम्म जोड्ने,	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरू आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ७ करोड १३ लाख ६२ हजार	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	

लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	४००
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.१३ बुधबारे हाटबजार तथा १६ नं बसपार्क निर्माण

यस नगरपालिकाको वडा नं २ मा विगतबाटै बुधबारे हाटबजार लाग्ने गरेको र उक्त हाटबजारले स्थानीय उत्पादनको बिक्री र आवश्यक सामग्री खरिद कार्यमा व्यापारिक केन्द्रको रूपमा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गरेको छ । यस क्षेत्रमा हाटबजारको लागि आवश्यक व्यापारिक सेड र व्यवस्थित सौचालयको अभाव रहेको छ । साथै यस वडा १६ नं नामक स्थानमा व्यवस्थित बसपार्कको अभाव रहेकोले सवारी पार्किङ र सञ्चालनमा समस्या भएको छ । यसकारण यहाँ हाटबजार र बसपार्कको पूर्वाधार निर्माण गर्नका लागि स्थानीयबासी र सरोकारवालाहरुबाट यस आयोजनाको माग भएको हो । हाटबजार संरचनाले वर्षेभरी व्यापारी र सामग्री खरिद गर्न आउने नागरिकहरुलाई सुविधाजनक कारोबारको उपलब्धता हुने र व्यवस्थित बसपार्कले सवारी पार्किङ र बस सञ्चालनमा सहजता उपलब्ध गराउनेछ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका १६: बुधबारे हाटबजार तथा १६ नं बसपार्क निर्माण

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	बुधबारे हाटबजार तथा १६ नं बसपार्क निर्माण	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	३ विगाहा	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २,	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐

आयोजनाको प्रकार	हाटबजार र बसपार्क निर्माण								
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका								
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)								
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: अन्य सार्वजनिक निर्माण								
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ हाटबजार र बसपार्क पूर्वाधार निर्माण गर्ने कार्य ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ हाटबजार लाग्ने गरेको तर सेड र सौचालय आदि नभएको हुँदा बजारमा आउने नागरिकहरूलाई कठिनाई भएको, ■ वडा नं २ मा व्यवस्थित बसपार्कको अभाव भएको, ■ हाटबजार र बसपार्क पूर्वाधार निर्माण गर्नाले व्यवस्थिति हाटबजार र बसपार्कको सुविधा हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ६ करोड ३५ लाख ७८ हजार								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒								
संघीय अनुदान	☒								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>४००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	४००	अप्रत्यक्ष	१०००				
प्रत्यक्ष	४००								
अप्रत्यक्ष	१०००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ हाटबजार र बसपार्क पूर्वाधार निर्माण भै सञ्चालन भएको हुने, ■ व्यवस्थित हाटबजारबाट स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन हुने, ■ बसपार्कको सुविधा भएको हुने,								

	■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.१४ चिसाङ नदी नियन्त्रण तथा कृषि सिँचाइ आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं १, २, ३ र ६ को क्षेत्रमा पर्ने चिसाङ खोलामा वर्षायाममा आउने बाढीको कारण वर्षेनी धनजनको क्षती हुने सम्भावना रहिआएको छ । यस खोलाको वरिपरी रहेका बस्ती तथा खेतीयोग्य जमीनको संरक्षण गर्दै उक्त वर्षातको पानीलाई सिँचाइमा उपयोग गर्नका लागि स्थानीय नागरिकहरूले यस आयोजनाको माग गरेको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका १७: चिसाङ नदी नियन्त्रण तथा कृषि सिँचाइ आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	चिसाङ नदी नियन्त्रण तथा कृषि सिँचाइ आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ६ किलोमिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २ र ३, चिसाङखोला वरिवरीको क्षेत्र	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	तटबन्धन र सिँचाइ कुलो निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: वातावरण संरक्षण तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण उप विषय क्षेत्र: नदी नियन्त्रण तथा सिँचाइ विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १२: दिगो उपभोग र उत्पादन ढाँचाहरू सुनिश्चित गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ चिसाङ खोला तटबन्धन निर्माण, ■ कृषि सिँचाइ – सिँचाइ कुलो निर्माण	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ कृषियोग्य जमीन र टोल/बस्तीको सुरक्षा हुने, ■ सिँचाइको सुविधा बृद्धि भई कृषि उत्पादन बृद्धि हुने	

	■ युवाहरुलाई कृषि पेशामा आकर्षित गर्ने अवसर बढ्ने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५ करोड									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐									
संघीय अनुदान	☐									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	५									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	७००								
	अप्रत्यक्ष	१०००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ नदीकटान तथा बाढीबाट खेतीयोग्य जमीन र बस्ती जोगिने, ■ कृषि व्यवसाय प्रवर्धन हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.१५ शहिद पार्क निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं २ को क्षेत्रमा शहिद स्मृति पार्क निर्माणका लागि जग्गा पहिचान तथा व्यवस्था गरिएको छ । यस स्थानमा शहिद स्मृति पार्क स्थापना गरी स्थानीय पर्यटन प्रवर्धन गर्नका लागि स्थानीय नागरिकहरुले यस आयोजनाको माग गरेको छ । लेटाडबजारबाट नजिकै रहेको यस स्थानमा शहिद पार्क स्थापना गर्दा स्थानीय क्षेत्रको सौन्दर्य बढाउने र स्थानीय नागरिक तथा बाहिरबाट आउने पर्यटकहरुका लागि मनोरञ्जन गर्ने

क्षेत्रको रुपमा विकास गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका १८: शहिद पार्क निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	शहिद पार्क निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ६ किलोमिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, शहिद पार्क	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	शहिद पार्क निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार निर्माण उप विषय क्षेत्र: पर्यटन पूर्वाधार निर्माण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ शहिद स्मृति पार्क निर्माण	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ स्थानीय पर्यटन विकासमा टेवा पुग्ने, ■ शहिद स्मृति स्थल तथा मनोरञ्जन क्षेत्र बन्ने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५ करोड	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास	आवश्यकता नभएको ।	

(आवश्यक पर्ने भएमा):		
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	७००
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- पर्यटन प्रवर्धन हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.१६ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं २ को क्षेत्रमा व्यावसायिक अन्नबाली, नगदेबाली, मौसमी/बेमौसमी तरकारी खेती, माहुरी पालनको अधिक सम्भावना रहेको हुँदा कृषि व्यवसाय प्रवर्धन गर्नका लागि स्थानीय नागरिकहरूले यस आयोजनाको माग गरेको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका १९: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, सबै बस्तीहरु	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण, उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि तथा पशुपन्छी विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १: सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित	कृषि उत्पादन सम्भावना	

संक्षिप्त विवरण	- व्यावसायिक अन्नबाली, नगदेबाली, मौसमी/बेमौसमी तरकारी खेती, माहुरी पालन <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - कृषकहरूको क्षमता र सीप विकास, - कृषि औजार तथा सामाग्री सहयोग, - नगदेबाली प्रवर्धन कार्यक्रम - कृषि उपज संकलन केन्द्र निर्माण र सञ्चालन - कृषि उपज बजारीकरण सहयोग आदि ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- कृषि तथा पशुपालनमा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, - युवाहरूलाई कृषि पेसामा आकाशित गर्न सकिने, - स्थानीय उत्पादन बृद्धि हुने, - नगदेबालीको उत्पादन तथा बजारीकरणमा सुधार हुने - गरिबी निवारणमा टेवा पुग्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒								
संघीय अनुदान	☒								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्णता (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>८००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	८००	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	८००								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- कृषि बाली/नगदे बाली उत्पादनमा बृद्धि हुने, - कृषकहरू सक्षम र सीपयुक्त हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								

प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.१७ व्यावसायिक पशुपन्छी पालन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं २ को क्षेत्रमा व्यावसायिक अन्नबाली, नगदेबाली, मौसमी/बेमौसमी तरकारी खेती, माहुरी पालनको अधिक सम्भावना रहेको हुँदा कृषि व्यवसाय प्रवर्धन गर्नका लागि स्थानीय नागरिकहरूले यस आयोजनाको माग गरेको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका २०: व्यावसायिक पशुपन्छी पालन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	व्यावसायिक पशुपन्छी पालन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, सबै बस्तीहरु	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण, उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि तथा पशुपन्छी विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १: सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>पशुपन्छी पालनको सम्भावना</u> ■ बाख्रापालन: वडाका सबै क्षेत्र ■ गाइ/भैंसी पालन: वडाको सबै क्षेत्र ■ कुखुरा/हाँस पालन: वडाको सबै क्षेत्र	
	<u>कार्यक्रमको गतिविधिहरु</u> ■ व्यावसायिक बाख्रा, भैंसी, गाई, कुखुरा र हाँस पालन, ■ कृषक क्षमता/उद्यमशीलता/सीप विकास तालिम, ■ उन्नत बाख्रा, भैंसी, गाई र औषधी अनुदान कार्यक्रम, ■ बाख्रा कुखुरा, हाँस र दुध बजारीकरण सहयोग कार्यक्रम ।	

आयोजना छनौटको औचित्य	■ पशुपन्छी पालनमा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, ■ युवाहरुलाई पशुपालन पेसामा आकाशित गर्न सकिने, ■ स्थानीय उत्पादन बृद्धि हुने, ■ पशुपन्छीजन्य उत्पादन तथा बजारीकरणमा सुधार हुने ■ गरिबी निवारणमा टेवा पुग्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ४० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒								
संघीय अनुदान	☒								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>८००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	८००	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	८००								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ पशुपन्छीजन्य उत्पादनमा बृद्धि हुने, ■ कृषकहरु सक्षम र सीपयुक्त हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.१८ जैविक मल उत्पादन तथा फोहोर व्यवस्थापन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं २ को क्षेत्रमा वन क्षेत्र प्रसस्त रहेको हुँदा वनका पतकर संकलन गरी जैविक मल उत्पादनका लागि उपयोग गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । साथै बस्तीहरुबाट निस्कने सड्ने किसिमका

फोहोर पदार्थ पनि मल बनाउन उपयोग गर्न सकिनेछ । धातुजन्य र नसड्ने फोहोरहरूलाई वर्गीकरण गरी सम्बन्धित उद्योगहरूमा विक्री गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । तसर्थ स्थानीय समुदायबाट यस परियोजनाको माग आएको हुँदा आयोजना बैंकमा समावेश गरिएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका २१: जैविक मल उत्पादन तथा फोहोर व्यवस्थापन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	जैविक मल उत्पादन तथा फोहोर व्यवस्थापन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, सबै बस्तीहरु	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☒
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण, उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: वातावरण संरक्षण उप विषय क्षेत्र: फोहोर व्यवस्थापन तथा जलवायू अनुकुलन	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १३: जलवायु परिवर्तन र यसका असरहरूसँग जुध्न तत्काल कार्य अघि बढाउने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>जैविक मल उत्पादनको सम्भावना</u> ■ वनबाट पतकर संकलन: वन क्षेत्र ■ घरघरबाट फोहोर संकलन: वडाको सबै बस्तीहरु <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरु</u> ■ वडाभित्रका फोहोर संकलन गरी उपयोग गर्ने, ■ वन क्षेत्रमा निस्कने पात पतिङ्गर संकलन गरी मल उत्पादन गर्ने, ■ प्राङ्गरिक मल प्याकेजिङ तथा बजारीकरण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ फोहोर व्यवस्थापनमा सहयोग पुग्ने, ■ प्राङ्गरिक मल उत्पादन तथा आपूर्ति बढ्ने, ■ युवाहरुलाई उद्यमशील तुल्याउन सकिने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५० लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	५	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	८००
	अप्रत्यक्ष	५००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ जैविक मल उत्पादन तथा आपूर्तिमा बृद्धि हुने, ■ कृषि उत्पादन बृद्धि हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.१९ बुधबारे खेलमैदान निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं २ को बुधबारेमा खेलकुद मैदान सञ्चालनमा रहेको छ। यस मैदानमा खेलकुद सम्बन्धी न्यूनतम् पूर्वाधार विकास गरी खेल क्षेत्रमा युवाहरूलाई अभिप्ररित गर्न सकिने सम्भावना रहेको हुँदा स्थानीय नागरिकहरूले यस मैदानको स्तरोन्नति तथा न्यूनतम् खेलकुद संरचना थप गर्नका लागि यो आयोजना माग गरेका छन्। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका २२: बुधबारे खेलमैदान निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	बुधबारे खेलमैदान निर्माण आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, बुधबारे

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	खेल मैदान निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: खेलकुद विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>खेलकुद मैदान निर्माणको सम्भावना</u> ■ खेलकुद मैदान सञ्चालनमा रहेको । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> ■ खेल मैदानको स्तरोन्नति गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ युवाहरूलाई खेलतर्फ प्रोत्साहन गर्न सकिने, ■ टोल/वडाहरूबाट खेलाडी उत्पादन गरी राष्ट्रिय खेल क्षेत्रमा योगदान गर्ने, ■ स्थानीय युवा तथा नागरिकहरूका लागि दैनिक व्यायमको सुविधा उपलब्ध गराउन सकिने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५० लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	

लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	३५०
	अप्रत्यक्ष	५००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ युवा खेलाडी उत्पादन हुने, ■ मानवीय स्वास्थ्यमा सुधार हुने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.२० चिसाङ शवदाह स्थल निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं २ र ३ का घरधुरीहरूले विगतबाटै चिसाङ खोलामा शवदाहन गर्दै आएको तर वर्षातको समयमा शवदाहन कार्यमा कठिनाई हुने गरेको हुँदा यस व्यवस्थित शवदाह स्थलको आवश्यकता महसुस गरी यस आयोजनाको माग भएको छ । आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका २३: चिसाङ शवदाह स्थल निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	चिसाङ शवदाह स्थल निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, चिसाङ खोला	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	शवदाह स्थल निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: अन्य सार्वजनिक निर्माण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्यागिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित	शवदाह स्थल निर्माणको सम्भावना	

संक्षिप्त विवरण	- शवदाह स्थलको लागि खोला किनारमा जग्गाको उपलब्धता रहेकोले सोको उपयोग गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - शवदाह स्थल निर्माण गर्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- व्यवस्थित शवदाह स्थल नभएको, - बाह्रै महिना शवदाह गर्न सहज हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: १ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>३५०</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	३५०	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	३५०								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- शवदाह स्थल निर्माण हुने, - स्थानीय समुदायको शवदाह गर्न सहज हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.२१ चिसाङ खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाइ आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं २ र ३ रहेको चिसाङ खोलामा हिउँदको समयमा पानी जमीनमूनि दबेर जाने हुनाले वरिवरी रहेका खेतीयोग्य जमीनमा सिँचाइको अभाव रहने र कृषि उत्पादन न्यून हुने समस्या रहेको छ । उक्त

दबेको पानी उकासेर सिँचाइको लागि उपयोग गर्ने हो भने हिउँदमा पनि हिउँदे तथा नगदे बाली लगाउन सम्भव हुने देखिएकोले यस आयोजनाको माग भएको हो । आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका २४: चिसाङ खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाइ आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	चिसाङ खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाइ आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, चिसाङ खोला	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	चिसाङ खोलामा दबेको पानी उकास्ने र सिँचाइ कुलो निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सिँचाइ पूर्वाधार निर्माण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्यागिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>दबेको पानी उकास्ने र सिँचाइ कुलो निर्माणको सम्भावना</u> ■ चिसाङ खोलामा दबेको पानी उकास्न र सिँचाइ कुलो निर्माण गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> ■ चिसाङ खोलामा दबेको पानी उकास्न र सिँचाइ कुलो निर्माण गर्ने ।	
	■ चिसाङ खोलामा दबेको पानीको उपयोग गर्न सकिने, ■ खोलामा रहेको पानी सिँचाइको लागि उपयोग गर्न सकिने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य		
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ३ करोड	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	५	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	२६००
	अप्रत्यक्ष	०
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- चिसाड खोलामा दबेको पानीको उपयोग गरिने, - सिँचाइ सुविधाका कारण कृषि उत्पादन बृद्धि हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	संघ र प्रदेशबाट अनुदान प्राप्त नहुन सक्ने।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.२२ लेटाङ - कानेपोखरी सडक कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ३ देखि कानेपोखरीसम्मको सडक सञ्चालनमा रहेको छ । यस सडक नगरपालिकाको पहाडी क्षेत्रसँग महेन्द्र राजमार्ग जोड्ने रणनीतिक मोटरबाटो हो । यस सडकको स्तरोन्नति र कालोपत्रे गर्ने आयोजना स्थानीय समुदायबाट माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका २५: लेटाङ - कानेपोखरी सडक कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	लेटाङ - कानेपोखरी सडक कालोपत्रे आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ८.३३ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, लेटाङ देखि कानेपोखरी

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको स्तरोन्नति र कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ वडा नं ३, मिलचोक, गोदावरी, बर्मेलीटोल, लम्सालटोल र किरातटोल आदि टोलहरुलाई आपसमा जोड्ने,	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २० करोड ६६ लाख ७८ हजार	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ३ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	८०००
	अप्रत्यक्ष	५०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन हुने,	

	■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.२३ भाउन्ने - किर्तीमान - मदनभण्डारी मार्ग कालोपत्रे

यस सडक भाउन्ने देखि किर्तीमान हुँदै मदनभण्डारी राजमार्ग जोड्ने रणनीतिक मोटरबाटो हो । यस सडकको स्तरोन्नति र कालोपत्रे गर्ने आयोजना स्थानीय समुदायबाट माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका २६: भाउन्ने - किर्तीमान - मदनभण्डारी मार्ग कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	भाउन्ने - किर्तीमान - मदनभण्डारी मार्ग कालोपत्रे आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ९.३० किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	बेलबारी ११, लेटाड ३ र २	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाड नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको स्तरोन्नति र कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ बेलबारी ११, लेटाड ३ र २ आपसमा जोड्ने,	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरू आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने,	

	नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २३ करोड ३५ लाख ४९ हजार									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>५०००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	५०००	अप्रत्यक्ष	५०००					
प्रत्यक्ष	५०००									
अप्रत्यक्ष	५०००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.२४ लेटाङ अस्पतालको आकस्मिक सेवा विस्तार सम्बन्धी कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको सदरमुकाममा भर्खरै स्थापना गरी सञ्चालन गरिएको नगरस्तरीय अस्पतालले नगरका सबै वडाका घरधुरीका नागरिकहरू विरामी तथा जटिल रोगी भएको अवस्थामा स्वास्थ्य उपचारको सुविधा उपलब्ध गराउन प्रारम्भ गरेको छ । आर्थिक स्रोतको सीमितताका कारण यस अस्पतालमा यथेष्ट स्वास्थ्य

परीक्षण तथा आकास्मिक सेवाका सामग्रीहरू संकलन तथा स्थापना गर्न सकिएको छैन । तसर्थ, आकास्मिक सेवाका सामग्रीहरू खरिद तथा स्थापना गर्नका लागि यस आयोजनाको आवश्यकता महसुस गरी स्थानीय सेवाग्राही तथा सरोकारवालाबाट यस आयोजनाको माग भइआएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका २७: लेटाङ अस्पतालको आकस्मिक सेवा विस्तार सम्बन्धी कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	लेटाङ अस्पतालको आकस्मिक सेवा विस्तार सम्बन्धी कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ३, लेटाङ बजार	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	लेटाङ अस्पतालको आकस्मिक सेवा विस्तार गर्न स्वास्थ्य सामाग्री खरिद	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: स्वास्थ्य तथा पोषण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ३: सबै उमेर समूहका व्यक्तिका लागि स्वस्थ जीवनको सुनिश्चितता गर्दै समृद्ध जीवनस्तर प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> लेटाङ अस्पतालको आकस्मिक सेवा विस्तार गर्न स्वास्थ्य सामाग्री खरिद गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	- लेटाङ अस्पतालमा आकास्मिक सेवा व्यवस्थित हुन नसकेको, - नागरिकहरूलाई आकास्मिक सेवा प्रदान गरी जटिल स्वास्थ्यस्थितिबाट बनाउन सकिने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १.५ करोड	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: २ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☒
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	५	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	९३००
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- लेटाड अस्पतालमा आकास्मिक सेवा व्यवस्थित भएको हुने, - आकास्मिक अवस्थामा नागरिकहरुको जीवन सुरक्षा भएको हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	संघ र प्रदेशबाट अनुदान प्राप्त नहुन सक्ने।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.२५ फोहोरमैला व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण तथा सञ्चालन आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ३ सहरीकरणतर्फ उन्मुख रहेको बजार क्षेत्र हो। यहाँ बाक्लो बस्ती र जनसङ्ख्या बृद्धिका कारण दिनानुदिन फोहोरको मात्रा बढिरहेको छ। साथै फोहोर व्यवस्थापन चुस्त र दिगो बन्न सकेको छैन। तसर्थ, यहाँ उत्पादन/जम्मा हुने फोहोरको दिगो व्यवस्थापन गर्नका लागि स्थानीय नागरिकहरुले यस आयोजनाको माग गरेको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका २८: फोहोरमैला व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण तथा सञ्चालन आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	फोहोरमैला व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण तथा सञ्चालन आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१
आयोजनाको स्थान	वडा नं ३, सबै बस्तीहरु

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	फोहोर व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण तथा सञ्चालन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: वातावरण संरक्षण उप विषय क्षेत्र: फोहोर व्यवस्थापन	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १३: जलवायु परिवर्तन र यसका असरहरूसँग जुध्न तत्काल कार्य अघि बढाउने।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>फोहोर व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण र सञ्चालनको सम्भावना</u> - वडामा फोहोर व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण र सञ्चालन गर्नका लागि खाली स्थानको उपलब्धता रहेकोले यो आयोजना कार्यान्वयन गर्न सकिने। <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - वडाभित्रका फोहोर संकलन गरी उपयोग गर्ने, - फोहोर व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण तथा सञ्चालन।	
आयोजना छनोटको औचित्य	- लेटाङ बजार/नगरक्षेत्रमा फोहोरमैला उत्पादन दिनप्रतिदिन बढ्दो र नगरको ठूलो समस्या मध्ये एक रहेको, - हालसम्म फोहोरमैला प्रशोधन केन्द्रको अभाव रहेको।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५० लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	५	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	

लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	८००
	अप्रत्यक्ष	५००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ घरायासी तथा व्यापार/व्यवसायबाट निस्केको फोहोरको दिगो व्यवस्थापन भएको हुने, ■ फोहोरबाट आय आर्जन भएको हुने, ■ स्थानीय युवाहरु फोहोर व्यवस्थापनमा सहभागी भएको हुने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.२६ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं ३ मा खेतीयोग्य जमीनको उपलब्ध रहेको हुँदा यहाँ कृषि व्यवसाय पुरानो र पारीवारिक पेसा हो । यहाँका अधिकांश नागरिकहरु कृषि पेसामा आधारित रहेर जीवनयापन गरिरहेका छन् । यो वडाको सबै भाग मलिलो पाँगो माटो सहितको तराई क्षेत्रमा रहेको हुँदा यहाँ खाद्यान्न बाली, नगदे बाली, दलहन तथा अन्य कृषि उपजहरु उत्पादन गर्न सकिन्छ । तसर्थ, स्थानीय नागरिकहरुले कृषिलाई अझ व्यवस्थित पेसाको रूपमा विकास गर्न यस आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका २९: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ३, सबै बस्तीहरु	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण, उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाड नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	

विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि तथा पशुपन्छी विकास								
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १: सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>कृषि उत्पादन सम्भावना</u> - व्यावसायिक अन्नबाली, नगदेबाली, मौसमी/बेमौसमी तरकारी खेती, माहुरी पालन - तरकारी: वडाका सबै क्षेत्र - पशुपालन: वडाको सबै क्षेत्र <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - व्यावसायिक कृषिको लागि जग्गा चक्काबन्दी, - कृषि उपज प्रशोधन केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन, - कृषि सीप तालिम तथा प्राविधिक सेवा प्रदान, - कृषि औजार वितरण तथा प्रविधि हस्तान्तरण, - स्थानीय तथा बाहिरी बजारमा कृषि उपज बिक्री गरिने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- कृषि तथा पशुपालनमा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, - युवाहरुलाई कृषि पेसामा आकर्षित गर्न सकिने, - स्थानीय उत्पादन बृद्धि हुने, - नगदेबालीको उत्पादन तथा बजारीकरणमा सुधार हुने, - गरिबी निवारणमा टेवा पुग्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ७० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒								
संघीय अनुदान	☒								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								

लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	४५०
	अप्रत्यक्ष	५००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ कृषि बाली/नगदे बाली उत्पादनमा बृद्धि हुने, ■ कृषकहरु सक्षम र सीपयुक्त हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.२७ कमलपुर खेलमैदानको स्तरोन्नति आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ३ कमलपुरको खेलमैदान लेटाङ नगरपालिकाका युवा तथा बालबालिकाहरुका लागि उपयुक्त र पायक पर्ने स्थानमा रहेको छ । यसलाई नगर तथा अन्तरपालिका स्तरीय खेलमैदानको रुपमा विकास गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । तसर्थ, स्थानीय नागरिकहरुले नगरलाई व्यवस्थित सफासुग्धर सहरको रुपमा विकास गर्न यस आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ३०: कमलपुर खेलमैदानको स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	कमलपुर खेलमैदानको स्तरोन्नति आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ३, लेटाङ बजार, कमलपुर	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	खेलमैदानको स्तरोन्नति	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: पूर्वाधार विकास उप विषय क्षेत्र: अन्य सार्वजनिक संरचना निर्माण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ५: लैङ्गिक समानता हासिल गर्ने र सबै	

	महिला, किशोरी र बालिकाहरूको सशक्तीकरण गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>सम्भावना</u> - खेलमैदान स्तरोन्नति गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - खेलमैदान स्तरोन्नति गर्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- युवा तथा वालबालिकाका लागि खेलकुद विकासमा सहयोग पुग्ने, - पालिका तथा अन्तरपालिकास्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गर्ने सकिने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: २ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>२०००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	२०००	अप्रत्यक्ष	१५००				
प्रत्यक्ष	२०००								
अप्रत्यक्ष	१५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- खेलमैदान स्तरोन्नति भएको हुने, - बालबालिका तथा युवाहरूलाई खेल खेल्न सुविधा भएको हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.२८ लेटाङ बजार आधुनिक सार्वजनिक सौचालय निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ३ पुरानो बजार केन्द्र हो । यहाँ नगरका उत्तर क्षेत्रमा रहेका वडाहरु तथा उत्तरी मोरङ र धनकुटाका दक्षिणी क्षेत्रहरुमा उत्पादन भएका कृषिजन्य तथा अन्य उपजहरु विक्री र निकासी हुने गर्दछ । यसकारण उत्तरी तथा दक्षिणी क्षेत्रबाट व्यापारिक तथा उपभोग्य सामग्री खरिद गर्नका लागि मानिसहरु आवतजावत गरिरहन्छन् । बाहिरबाट सार्वजनिक सौचालयको अभावमा जथाभावी दिसा पिसावजन्य फोहोर बढेको हुँदा यस परियोजनाको आवश्यकता महसुस गरिएको हो । तसर्थ, स्थानीय नागरिकहरुले नगरलाई व्यवस्थित सफासुग्घर सहरको रुपमा विकास गर्न यस आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ३१: लेटाङ बजार आधुनिक सार्वजनिक सौचालय निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	लेटाङ बजार आधुनिक सार्वजनिक सौचालय निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ३, लेटाङ बजार	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	आधुनिक सार्वजनिक सौचालय निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: वातावरण संरक्षण उप विषय क्षेत्र: फोहोर व्यवस्थापन	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १३: जलवायु परिवर्तन र यसका असरहरूसँग जुध्न तत्काल कार्य अघि बढाउने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	सार्वजनिक सौचालय निर्माण र सञ्चालनको सम्भावना	
	■ सार्वजनिक सौचालय निर्माण र सञ्चालन गर्न सकिने । कार्यक्रमको गतिविधिहरु	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ सार्वजनिक सौचालय निर्माण र सञ्चालन गर्ने ।	
	■ बाहिरबाट आएका आगान्तुकहरुलाई सौचालयको अभाव भएको, ■ सौचालयको अभावमा जथाभावी फोहोर भैरहेको,	

	विभिन्न स्थानबाट आएका मानिसहरूलाई सौचालयको सुविधा हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ३५ लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: २ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>८००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	८००	अप्रत्यक्ष	१५००				
प्रत्यक्ष	८००								
अप्रत्यक्ष	१५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- सार्वजनिक सौचालय निर्माण भै सञ्चालन भएको हुने, - बजार क्षेत्रमा दिसा पिसावजन्य फोहोर सुन्य भएको हुने, - सार्वजनिक सौचालय सञ्चालनमा निजी क्षेत्रको सहभागिता भएको हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.२९ मिलनचोक – वडा ४ को कार्यालय – गंगेचोक सडकपेटी निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ४ मा मिलनचोक – वडा नं ४ को कार्यालय – गंगेचोक सडक कालोपत्रे भैसकेको छ । यस सडक बजार क्षेत्रमा पर्ने र यहाँ विद्यालयहरू र हाटबजार क्षेत्र रहेको हुँदा पैदल यात्रीको संङ्ख्या अधिक हुन्छ । यसकारण यहाँको सडकको किनारमा पैदल यात्राका लागि पेटी निर्माण गर्नुपर्ने आवश्यकता

देखिएको छ । तसर्थ, स्थानीय नागरिकहरूले यस क्षेत्रमा सडकपेटी निर्माण गर्ने आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ३२: मिलनचोक – वडा नं ४ को कार्यालय – गंगेचोक सडक पेटी निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	मिलनचोक – वडा नं ४ को कार्यालय – गंगेचोक सडक पेटी निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १.५ किलोमिटर,	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ४, मिलनचोकदेखि गंगेचोकसम्म	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडकपेटी निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ सडकपेटी निर्माण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरू आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ सडक सफा रहने, ■ सडक दुर्घटनाको सम्भावना कम हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५० लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	प्राविधिक सर्वेक्षण: ३ महिना निर्माण समय: १ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐

लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	५००
	अप्रत्यक्ष	३०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- सडक पेटी निर्माण भै सञ्चालन भएको हुने, - बजार क्षेत्र व्यवस्थित र सफा भएको हुने, - सडक दूर्घटना सुन्यप्राय भएको।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु,	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.३० शान्ति भगवती छात्रावास निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ४ मा शान्ति भगवती माध्यमिक विद्यालय सञ्चालनमा रहेको र यहाँ लेटाड बजार बाहिरका बालबालिकाहरू पनि अध्ययन गर्ने गरेको छ। दूर्गम गाउँबाट यहाँ आई अध्ययन गर्ने विपन्न बालबालिकाहरूका लागि छात्रावासको अभाव रहेको छ। यसकारण यहाँको छात्रावासको निर्माण एवं सञ्चालन गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिएको छ। तसर्थ, स्थानीय नागरिकहरूले यस विद्यालयको लागि छात्रावास निर्माण गर्ने आयोजना माग गरेका छन्। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ३३: शान्ति भगवती छात्रावास निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	शान्ति भगवती छात्रावास निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	भवन: न्यूनतम् २००० वर्ग फिट X २ तला	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ४, लेटाड बजार	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	छात्रावास निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाड नगरपालिका	

आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)								
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: शिक्षा पूर्वाधार विकास								
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ४: समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्दै र जीवनपर्यन्त सिकाइका अवसरहरू प्रवर्धन गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>छात्रावास भवन निर्माण सम्भावना</u> शान्ति भगवती विद्यालयका लागि छात्रावास निर्माण सकिने । <u>आयोजनाका कार्यक्रमहरू</u> शान्ति भगवती विद्यालयका लागि छात्रावास निर्माण गर्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- लेटाङ बजार बाहिरबाट आई शान्ति भगवती माविमा अध्ययन गर्ने बालबालिकाको लागि छात्रावासको अभाव भएको, - छात्रावास निर्माण भए टाढाबाट आई अध्ययन गर्ने बालबालिकालाई बसाइमा सहजता हुने, - विपन्न बालबालिकाको लागि शिक्षामा पहुँचको लागि सहयोग पुग्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५ करोड ८९ लाख ७६ हजार								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>४००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	४००	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	४००								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- शान्ति भगवती माविका लागि छात्रावास निर्माण भएको हुने, - टाढाबाट अध्ययनका लागि आउने बालबालिकालाई								

	छात्रावासको सुविधा उपलब्ध भएको हुने । ■ विद्यार्थीहरूको सङ्ख्या बढेको हुने ।
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.३१ लेटाङ रंगशाला निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ४ लेटाङ बजार नगरका सबै वडा र अन्य छिमेकी गाउँपालिका तथा नगरपालिकाहरूका लागि पायक पर्ने स्थान हो । यी क्षेत्रहरूमा फुटबल, भलिबल लगायत विभिन्न खेलहरू खेलन र प्रतियोगिता सञ्चालन गर्न खेलकुद मैदानको उपलब्धता रहेको छ । यस खेलमैदानलाई स्तरोन्नति गरी सुविधासम्पन्न रंगशालाको रूपमा विकास गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । यसकारण यहाँ खेलकुल विकासका लागि रंगशाला निर्माण आवश्यकता देखिएको छ । तसर्थ, स्थानीय नागरिकहरूले यस वडामा रंगशाला निर्माण गर्ने आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ३४: लेटाङ रंगशाला निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	लेटाङ रंगशाला निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	२ विगाह	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ४, लेटाङ बजार	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	रंगशाला निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: खेलकुद पूर्वाधार विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ४: समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्दै र जीवनपर्यन्त सिकाइका अवसरहरू प्रवर्धन गर्ने ।	

(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>रंगशाला निर्माण सम्भावना</u> लेटाङ बजारमा रंगशालाका लागि जग्गा उपलब्ध रहेकोले सोको निर्माण सकिने । <u>आयोजनाका कार्यक्रमहरु</u> व्यवस्थित रंगशाला निर्माण गर्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- लेटाङ तथा छिमेकी गाउँपालिका तथा नगरपालिकामा व्यवस्थित रंगशाला नभएको, - रंगशाला निर्माण तथा सञ्चालन भएमा खेलक्षेत्रमा युवाहरुको सहभागिता बढ्ने, - खेदकुद पर्यटन विकासमा सहयोग पुग्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २९ करोड ०७ लाख ८२ हजार								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td> <td>☐</td> </tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td> <td>४००</td> </tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td> <td>५००</td> </tr> </table>	प्रत्यक्ष	४००	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	४००								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- लेटाङ बजारमा रंगशाला निर्माण भएको हुने, - लेटाङ र छिमेकी पालिकाबाट रंगशालामा खेलकुद गराएको हुने, - खेलकुदमा स्थानीय युवाहरुको सहभागिता बढेको हुने, - लेटाङ बजारमा खेलकुद पर्यटन बढेको हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								

प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.३२ व्यवस्थित नगर बसपार्क निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ४ लेटाड नगरपालिकाको सदरमुकाम र तराई र पहाडको बीचमा रहेको व्यापारिक नाका भएको हुँदा यहाँ सार्वजनिक बस तथा अन्य सवारी साधनहरु सञ्चालन भैरहेको छन् । यी सवारीहरुको सुरक्षित पार्किङ गर्नका लागि बसपार्क स्थापना गरिएको छ । तर बसपार्कका लागि आवश्यक न्यूनतम पूर्वाधार निर्माण गर्न सकिएको छैन । तसर्थ, स्थानीय नागरिकहरुले सुविधाजनक र व्यवस्थित बसपार्क निर्माण गर्ने आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ३५: व्यवस्थित नगर बसपार्क निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	व्यवस्थित नगर वसपार्क निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	२ विगाह	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ४, बसपार्क	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	नगर बसपार्क निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ व्यवस्थित नगर बसपार्क निर्माण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ लेटाङ बजारमा व्यवस्थित बसपार्क नभएको, ■ बसपार्कमा व्यवस्थित काउण्टर र सुरक्षा व्यवस्था नभएको, ■ यात्रु विश्राम कक्षको व्यवस्था नभएको,	

	■ बसपार्क घेरबार निर्माण नभएको, ■ यात्रुका लागि सुविधा र सुरक्षा व्यवस्था हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	प्राविधिक सर्वेक्षण: ३ महिना निर्माण समय: २ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒								
संघीय अनुदान	☒								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>३०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	५००	अप्रत्यक्ष	३०००				
प्रत्यक्ष	५००								
अप्रत्यक्ष	३०००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ व्यवस्थित बसपार्क निर्माण भएको हुने, ■ बसपार्कमा सुरक्षा, सञ्चार, टिकट काउण्टर र यात्रु सुविधा व्यवस्था भएको हुने, ■ बसपार्कमा सरसफाइको व्यवस्था भएको हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु,								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.३३ टुक्रे वन पर्यापर्यटन तथा बाल उद्यान निर्माण

यस नगरपालिकाको वडा नं ४ मा टुक्रे वन क्षेत्र अवस्थित रहेको छ । यस क्षेत्र लेटाङ बजारसँगै जोडिएको र रमणीय स्थलको रूपमा रहेको छ । तैपनि यस क्षेत्रमा जैविक विविधता क्षय हुँदै गएको हुँदा संरक्षण तथा संवर्धनको आवश्यकता रहेको छ । यस वन क्षेत्रमा जैविक विविधता बृद्धि गरी पर्यापर्यटनको विकास गर्न

सकिने सम्भावना रहेको हुँदा स्थानीय नागरिकहरूले टुक्रे वन पर्यापर्यटन तथा बाल उद्यान निर्माण गर्ने आयोजना माग गरेका छन्। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ३६: टुक्रे वन पर्यापर्यटन तथा बाल उद्यान निर्माण

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	टुक्रे वन पर्यापर्यटन तथा बाल उद्यान निर्माण	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	२५ विगाह	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ४, टुक्रे वन क्षेत्र	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	टुक्रे वन पर्यापर्यटन तथा बाल उद्यान निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: वन तथा वातावरण संरक्षण उप विषय क्षेत्र: जैविक विविधता तथा पर्यापर्यटन	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १५: पृथ्वीको भू-सतही/भूपरिधिस्तरीय पारिस्थितिकीय प्रणालीहरूको दिगो उपयोग, रक्षा र पुनर्स्थापन गर्ने, वनजंगलको दिगो रूपमा व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमीकरण विरुद्ध लड्न र भूक्षय रोक्नुको साथै यसलाई उल्टाउने र जैविक विविधताको हासलाई रोक्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ टुक्रे वन संरक्षण, जैविक विविधता विस्तार, पर्यापर्यटन विकास तथा बाल उद्यान निर्माण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ टुक्रे वनमा जैविक विविधता क्षय हुँदै गएको, ■ टुक्रे वन तथा वातावरण संरक्षण गर्न सकिने, ■ टुक्रे वन क्षेत्रमा पर्यापर्यटन विकास गर्न सकिने, ■ बालबालिकाहरूका लागि मनोरञ्जन पार्क स्थापना हुने, ■ टुक्रे वन क्षेत्रमा वनभोज स्थल सञ्चालन गरी स्थानीय आय बृद्धि गर्न सकिने ॥	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ४० लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	प्राविधिक सर्वेक्षण: ३ महिना निर्माण समय: ३ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	१०००
	अप्रत्यक्ष	३०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टुक्रे वन क्षेत्रमा जैविक विविधता बृद्धि भएको हुने, - टुक्रे वन क्षेत्र पर्यापर्यटन केन्द्रको रूपमा विकास भएको हुने, - टुक्रे वन क्षेत्रमा बाल उद्यान सञ्चालन भएको हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू		
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुरोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.३४ जनसेवा सामुदायिक वनमा पशुपन्छी बधशाला निर्माण

यस नगरपालिकाको वडा नं ४ बजार क्षेत्र रहेको हुँदा यहाँ पशुबध गरी मासु बिक्री निरन्तररूपमा भैरहन्छ। हालसम्म पशुपन्छीको बध जथाभावी गरिन्छ जसले गर्दा मासुजन्य फोहोरले वातावरण प्रदूषण भैरहेको छ। त्यसैले बजार क्षेत्रसँगै जोडिएको वन क्षेत्रमा व्यवस्थित पशुपन्छी बधशाखा स्थापना र सञ्चालन गर्नका लागि स्थानीय नागरिकहरुबाट यो आयोजना माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ३७: जनसेवा सामुदायिक वनमा पशुपन्छी बधशाला निर्माण

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	जनसेवा सामुदायिक वनमा पशुपन्छी बधशाला निर्माण
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	५ कठ्ठा

आयोजनाको स्थान	वडा नं ४, जनसेवा सामुदायिक वन क्षेत्र	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	जनसेवा सामुदायिक वनमा पशुपन्छी बधशाला निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाड नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: वातावरण संरक्षण उप विषय क्षेत्र: फोहोर व्यवस्थापन	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १३: जलवायु परिवर्तन र यसका असरहरूसँग जुध्न तत्काल कार्य अघि बढाउने।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ जनसेवा सामुदायिक वनमा पशुपन्छी बधशाला निर्माण।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ पशु/मासुजन्य फोहोर तथा वातावरण प्रदुषण न्यूनीकरण हुने।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५२ लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	प्राविधिक सर्वेक्षण: ३ महिना निर्माण समय: २ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वार्स (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	४००
	अप्रत्यक्ष	२००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ जनसेवा सामुदायिक वन क्षेत्रमा पशुपन्छी बधशाला सञ्चालन भएको हुने, ■ पशुपन्छीजन्य फोहोरको व्यवस्थापन भएको हुने, ■ पशुपन्छीजन्य फोहोरबाट जैविक मल उत्पादन भएको हुने।	

आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.३५ लेटाङ – ४ मा कवर्ड हल निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ४ बजार क्षेत्र रहेको हुँदा यहाँ बाक्लो जनसङ्ख्या रहेको छ । यहाँका बहुसङ्ख्यक बालबालिका तथा युवाहरू खेलकुद क्षेत्रमा संलग्न रहेका छन् । वर्षातको समयमा खुला स्थानमा खेलकुद गर्न र प्रतियोगिताहरू आयोजना गर्न कठिनाई हुने भएकोले एकवटा कवर्डहल निर्माण आयोजनाको माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ३८: लेटाङ – ४ मा कवर्ड हल निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी			
आयोजनाको नाम	लेटाङ – ४ मा कवर्ड हल निर्माण		
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	५ कट्टा		
आयोजनाको स्थान	वडा नं ४, लेटाङ बजार		
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒	
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐	
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐	
आयोजनाको प्रकार	लेटाङ – ४ मा कवर्ड हल निर्माण		
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका		
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)		
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: खेलकुद विकास		
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ५: लैङ्गिक समानता हासिल गर्ने र सबै महिला, किशोरी र बालिकाहरूको सशक्तीकरण गर्ने ।		
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी			
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ लेटाङ – ४, लेटाङ बजारमा कवर्ड हल निर्माण ।		
आयोजना छनौटको औचित्य	■ खेलकुद विकासमा सहयोग पुग्ने, ■ वर्षेभरि खेलकुद गर्न सकिने ।		
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड ८४ लाख		

आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	प्राविधिक सर्वेक्षण: ३ महिना निर्माण समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td> <td>☐</td> </tr> </table>		आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐									
संघीय अनुदान	☐									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td> <td>५५०</td> </tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td> <td>२०००</td> </tr> </table>		प्रत्यक्ष	५५०	अप्रत्यक्ष	२०००				
प्रत्यक्ष	५५०									
अप्रत्यक्ष	२०००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ कवर्डहल निर्माण भई सञ्चालन भएको हुने, ■ युवाहरुले खेलकुद क्षेत्रमा प्रगति गरेको हुने, ■ वर्षेभरी खेलकुद सञ्चालन भएको हुने।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.३६ लेटाड – ४ मा कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको अधिकांश क्षेत्रमा कृषि पेसा तथा व्यवसायमा आधारित जनसङ्ख्या रहेको र लेटाड बजार कृषि उपजको बिक्री वितरण गर्ने केन्द्रको रूपमा रहेको हुनाले यहाँ व्यवस्थित कृषि बजार केन्द्र निर्माण गर्नुपर्ने अपरिहार्यता रहेको छ। हालसम्म यहाँ कृषि उपजको बिक्री वितरण गर्ने व्यवस्थित स्थान नभएको हुँदा कृषकहरुले आफ्नो उत्पादन बिक्री तथा भण्डारण गर्न कठिनाई भोगिरहेका छन्। तसर्थ, यहाँका समुदायले कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण गर्ने आयोजना माग गरेको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ३९: कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी										
आयोजनाको नाम	लेटाङ – ४ मा कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण आयोजना									
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१ विगाह									
आयोजनाको स्थान	वडा नं ४, लेटाङ बजार									
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒								
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐								
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐								
आयोजनाको प्रकार	लेटाङ – ४ मा कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण									
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका									
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)									
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि विकास									
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं २: भोकमरी अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा र उन्नत पोषण प्राप्त गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्धन गर्ने ।									
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी										
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ लेटाङ – ४ मा कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण ।									
आयोजना छनौटको औचित्य	■ कृषि उपजको बजार व्यवस्थापन कमजोर भएको, ■ कृषि उपजको विक्रीकक्ष व्यवस्थित नभएको, ■ कृषकहरुले व्यवस्थित विक्रीकक्षको अभाव भोग्नु परेको, ■ वर्षेभरी कृषि उपज विक्री तथा भण्डारण गर्न सुविधा हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ३८ लाख ७० हजार									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	प्राविधिक सर्वेक्षण: ३ महिना निर्माण समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td> <td>☐</td> </tr> </table>		आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐									
संघीय अनुदान	☐									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									

आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	५५०
	अप्रत्यक्ष	२०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- लेटाङ बजारमा कृषि बजार केन्द्र सञ्चालन भएको हुने, - कृषकहरुले कृषि उपज बिक्री गर्न सुविधा पाएको हुने, - कृषि बजार केन्द्रमा भण्डारणको व्यवस्था भएको हुने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒	होइन ☐
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒	पर्दैन ☐
हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना		

३.३७ वडा नं ५ चक्रपथ निर्माण तथा स्तरोन्नति आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ५ अन्तर्गत रहेका करमबोटे, शिक्षा विकास टोल, विमिरे, सगरमाथा टोल, सूर्योदय टोल, प्रगति टोल, सिद्धेश्वर टोल जोड्ने चक्रपथ निर्माणको लागि यस आयोजनाको माग गरिएको हो । यो बाटो कच्ची अवस्थामा सञ्चालनमा रहेको छ । यस आयोजनामा यस सडकको स्तरोन्नति गर्ने हो । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ४०: वडा नं ५ चक्रपथ निर्माण तथा स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	वडा नं ५ चक्रपथ निर्माण तथा स्तरोन्नति आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १० किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ५, करमबोटे, शिक्षा विकास टोल, विमिरे, सगरमाथा टोल, सूर्योदय टोल, प्रगति टोल, सिद्धेश्वर टोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण,	

	समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।									
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी										
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्य, ■ वडा नं ५, करमबोटे, शिक्षा विकास टोल, विमिरे, सगरमाथा टोल, सूर्योदय टोल, प्रगति टोल, सिद्धेश्वर टोल जोड्ने ।									
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड २० लाख									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१२००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>३०००</td></tr> </table>		प्रत्यक्ष	१२००	अप्रत्यक्ष	३०००				
प्रत्यक्ष	१२००									
अप्रत्यक्ष	३०००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुरोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक									

	गुरुयोजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.३८ प्रकाश मार्ग कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ५ अन्तर्गत रहेका सिद्धेश्वर टोल, सूर्योदय टोल, सगरमाथा टोल, नमूना टोल र बिमिरे टोल जोड्ने यो सडक हाल सञ्चालनमा रहेको छ । यस सडक कालोपत्रे गर्ने आयोजनाको माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ४१: प्रकाश मार्ग कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	प्रकाश मार्ग कालोपत्रे आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: २.५ किलोमिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ५, सिद्धेश्वर टोल, सूर्योदय टोल, सगरमाथा टोल, नमूना टोल र बिमिरे टोल ।	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाड नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ ग्राभेल सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ वडा नं ५, सिद्धेश्वर टोल, सूर्योदय टोल, सगरमाथा टोल, नमूना टोल र बिमिरे टोल जोड्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश	

	सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ९ करोड १४ लाख ९५ हजार									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१२००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>३०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१२००	अप्रत्यक्ष	३०००					
प्रत्यक्ष	१२००									
अप्रत्यक्ष	३०००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुरोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुरोजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.३९ अजम्बर टोल – सूर्यटार – पाथीभरा मन्दिर सडक स्तरोन्नति आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ५ अन्तर्गत रहेका अजम्बर टोल – सूर्यटार – पाथीभरा मन्दिर क्षेत्र जोड्ने यो सडक हाल सञ्चालनमा रहेको छ । यस सडकको ढल निकास तथा ग्राभेल आदि स्तरोन्नतिको कार्य गर्ने आयोजनाको माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ४२: अजम्बर टोल – सूर्यटार – पाथीभरा मन्दिर सडक स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी										
आयोजनाको नाम	अजम्बर टोल – सूर्यटार – पाथीभरा मन्दिर सडक स्तरोन्नति आयोजना									
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: २.५ किलोमिटर									
आयोजनाको स्थान	अजम्बर टोल – सूर्यटार – पाथीभरा मन्दिर क्षेत्र ।									
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒								
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐								
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐								
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (स्तरोन्नति)									
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाड नगरपालिका									
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)									
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात									
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।									
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी										
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडक स्तरोन्नति गर्ने कार्य, ■ अजम्बर टोल – सूर्यटार – पाथीभरा मन्दिर जोड्ने ।									
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ पाथीभरा मन्दिर जान र आउन सुविधा हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ४ करोड ८९ लाख ५० हजार									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td> <td>☒</td> </tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td> <td>☒</td> </tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td> <td>☐</td> </tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									

जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	५००
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.४० एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं ५ मा खेतीयोग्य भूमिको उपलब्धता रहेको हुँदा बहुसङ्ख्यक नागरिकहरू कृषि पेशामा आधारित जीवनयापन गरिरहेका छन् । कृषिलाई व्यावसायिक उच्च प्रतिफलमुखी तुल्याउनका लागि यस आयोजनाको माग गरिएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ४३: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ५, सबै बस्तीहरू	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण, उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि तथा पशुपन्छी विकास	

दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १: सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>कृषि उत्पादन सम्भावना</u> - व्यावसायिक अन्नबाली, नगदेबाली, मौसमी/बेमौसमी तरकारी खेती, माहुरी पालन - तरकारी: वडाका सबै क्षेत्र - पशुपालन: वडाको सबै क्षेत्र <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - कृषि सीप तालिम तथा प्राविधिक सेवा प्रदान, - कृषि औजार वितरण तथा प्रविधि हस्तान्तरण, - कृषि उपज बजारीकरण ।								
आयोजना छनोटको औचित्य	- कृषि तथा पशुपालनमा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, - युवाहरूलाई कृषि पेसामा लाग्न सक्ने, - स्थानीय उत्पादन बृद्धि हुने, - गरिबी निवारणमा टेवा पुग्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒								
संघीय अनुदान	☒								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१०००	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	१०००								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- कृषि बाली/नगदे बाली उत्पादनमा बृद्धि हुने, - कृषकहरू सक्षम र सीपयुक्त हुने, - कृषकहरूको वार्षिक आय बृद्धि भएको हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।								

आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.४१ जोरकुप इनार र विमिरे इनार जलधार संरक्षण र पर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं ५ मा रहेको जोरकुप र विमिरे इनार ऐतिहासिक कालदेखिको पानीको स्रोत हुन् । यहाँको क्षेत्र रमणीय भएको हुँदा पर्यटक आकर्षण गर्न सक्ने सम्भावना रहेको छ । तसर्थ यी क्षेत्रहरूलाई पर्यटकीय तुल्याउनका लागि यस आयोजनाको माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ४४: जोरकुप इनार र विमिरे इनार जलधार संरक्षण र पर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	जोरकुप इनार र विमिरे इनार जलधार संरक्षण र पर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ५, विमिरे, सूर्योदय, सगरमाथा, सिद्धेश्वर, नमूना टोल, करमबोटे र शिक्षा विकास टोल ।	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: पर्यटन पूर्वाधार विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ८: स्थिर, समावेशी र दिगो आर्थिक वृद्धि र सबैको लागि पूर्ण तथा उत्पादनशील रोजगारी र मर्यादित कामलाई प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	पर्यटनको सम्भावना ■ जोर कुप र विमिरे कुप ऐतिहासिक पानीको स्रोतहरु हुन् । यस क्षेत्रमा पर्यटन पूर्वाधार विकास गरी पर्यटकहरुलाई आकर्षण	

	गर्न सकिने सम्भावना रहेको । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरु</u> ■ बिमिरे कुप र जोर कुपको संरक्षण ■ अन्य पर्यटन पूर्वाधारहरु विकास गर्ने ।									
आयोजना छनौटको औचित्य	■ जोरकुप र बिमिरे इनारको जलधार संरक्षण हुने, ■ ती क्षेत्रहरु पर्यटकीय स्थलको रुपमा विकास हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ४० लाख									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐									
संघीय अनुदान	☐									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	५									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष	३५० ५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ बिमिरे कुप र जोर कुपको संरक्षण भएको हुने, ■ यस क्षेत्रमा अन्य पर्यटन पूर्वाधार विकास भएको हुने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.४२ मोरङ्गी तथा खेरुवाखोला तटबन्धन निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ५ मा रहेको मोरङ्गी तथा खेरुवा खोलाहरुमा वर्षातको समयमा पहाडी क्षेत्रबाट बगेर आउने ढुङ्गा र माटो वा भलबाढीले यहाँका करमबोटे, बिमिरे, सगरमाथा, सिद्धेश्वर, सूर्योदय टोल

आदि बस्ती तथा खेतीयोग्य क्षेत्रमा क्षती गर्ने गर्दछ । तसर्थ यी क्षेत्रको बस्ती, जमीन तथा धनजनको संरक्षण गर्नका लागि यस आयोजनाको माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ४५: मोरङ्गी तथा खेरुवाखोला तटबन्धन निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	मोरङ्गी तथा खेरुवाखोला तटबन्धन निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	५ किलोमिटर लम्बाइ	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ५, मोरङ्गी र खेरुवा खोला	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	मोरङ्गी र खेरुवा खोलाको दुवै किनारामा तटबन्ध निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: वन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन उप विषय क्षेत्र: भूसंरक्षण तथा जलधार व्यवस्थापन	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ११: शहर तथा मानव बस्तीहरूलाई समावेशी, सुरक्षित, समानुकूलित/उत्थानशील र दिगो बनाउने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>मोरङ्गी र खेरुवा खोलामा तटबन्धन निर्माणको सम्भावना</u> ■ मोरङ्गी र खेरुवा खोलामा तटबन्धन निर्माण गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> ■ मोरङ्गी र खेरुवा खोलामा तटबन्धन निर्माण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ मोरङ्गी र खेरुवा खोलामा वर्षातमा आउने बाढीबाट जनजीवन सुरक्षित गर्न सकिने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २ करोड	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐

लाभ लागत अनुपात	५	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	४५०
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	मोरङ्गी र खेरुवा खोलामा आउने बाढीको क्षती न्यूनीकरण भएको हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	संघ र प्रदेशबाट अनुदान प्राप्त नहुन सक्ने।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	
	हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.४३ अन्तर सांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ५ मा सबै संस्कृति संरक्षण तथा सांस्कृतिक पर्यटन प्रवर्धन गर्नका लागि यहाँका नागरिकहरूले अन्तरसांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण गर्ने आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ४६: अन्तर सांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	अन्तर सांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ५, सूर्योदयटोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: पर्यटन विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगिकीकरणको प्रवर्धन र	

	नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।									
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी										
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>पर्यटन विकासको सम्भावना</u> सम्भावना: अन्तरसांस्कृतिक संग्रहालय स्थापना गर्न सकिने । <u>आयोजनाका कार्यक्रमहरु</u> अन्तरसांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण ।									
आयोजना छनौटको औचित्य	■ पर्यटन विकास गर्न टेवा पुग्ने, ■ सांस्कृतिक सहिष्णुता प्रवर्धन हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २ करोड									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐									
संघीय अनुदान	☐									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१५००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>३०००</td></tr> </table>		प्रत्यक्ष	१५००	अप्रत्यक्ष	३०००				
प्रत्यक्ष	१५००									
अप्रत्यक्ष	३०००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ अन्तरसांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण भएको हुने, ■ पर्यटनसँग सम्बन्धित व्यवसायहरु सञ्चालन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने अनुदान प्राप्त नहुन सक्ने ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.४४ शिक्षा विकास मा. वि. को भवन निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ५ मा सञ्चालनमा रहेको शिक्षा विकास माध्यमिक विद्यालयले यस वडाका अधिकांश टोलका बालबालिकाहरूलाई शिक्षामा पहुँचका लागि योगदान गर्दछ । हाल अध्ययनरत विद्यार्थी सङ्ख्या अनुसार भवन तथा कक्षाकोठा नपुग भएको हुँदा यहाँका नागरिकहरूले विद्यालयमा थप भवन निर्माण गर्ने आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ४७: शिक्षा विकास मा. वि. को भवन निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	शिक्षा विकास मा. वि. को भवन निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ५, शिक्षा विकास टोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: शिक्षा पूर्वाधार विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ४: समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्दै र जीवनपर्यन्त सिकाइका अवसरहरू प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>विद्यालय भवन निर्माण सम्भावना</u> सम्भावना: विद्यालय भवन निर्माण गर्नका लागि जमीन उपलब्ध रहेको हुनाले भवन निर्माण गर्न सकिने । <u>आयोजनाका कार्यक्रमहरू</u> विद्यालय भवन निर्माण ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	- विद्यालयमा हाल रहेका भवनमा कक्षा सञ्चालन गर्न भवन/कोठा नपुग रहेको, - थप भवन निर्माण भएमा कक्षा सञ्चालन गर्न सुविधा हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५ करोड ६६ लाख ८० हजार	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	१५००
	अप्रत्यक्ष	३०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- विद्यालय भवन निर्माण भएको हुने, - विद्यालयको कक्षा सञ्चालनमा सुविधा बढेको हुने। - विद्यार्थीहरूको सङ्ख्या बढेको हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने अनुदान प्राप्त नहुन सक्ने।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.४५ मोरङ्गी खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाइ आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ५ मा अवस्थित मोरङ्गी खोलामा बग्ने पानी हिउँदको समयमा जमीनमुनि बग्ने भएको हुँदा यसरी दबेको पानीलाई उकासेर नहर/कुलो मार्फत लगी खेतीबालीमा सिँचाइ गर्न सके स्थानीय कृषि उत्पादन बृद्धि हुने निश्चित छ। यसकारण स्थानीय कृषक तथा समुदायका नागरिकहरूबाट यस आयोजनाको माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ४८: मोरङ्गी खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाइ आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	मोरङ्गी खोलामा दबेको पानी उकास्ने सिँचाइ आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१
आयोजनाको स्थान	वडा नं २, मोरङ्गी खोला

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	मोरङ्गी खोलामा दबेको पानी उकास्ने र सिँचाइ कुलो निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सिँचाइ पूर्वाधार निर्माण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगिकीकरणको प्रवर्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>दबेको पानी उकास्ने र सिँचाइ कुलो निर्माणको सम्भावना</u> - मोरङ्गी खोलामा दबेको पानी उकास्न र सिँचाइ कुलो निर्माण गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - मोरङ्गी खोलामा दबेको पानी उकास्न र सिँचाइ कुलो निर्माण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	- मोरङ्गी खोलामा दबेको पानीको उपयोग गर्न सकिने, - खोलामा रहेको पानी सिँचाइको लागि उपयोग गर्न सकिने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २ करोड	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	५	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	

लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	२६००
	अप्रत्यक्ष	०
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ मोरङ्गी खोलामा दबेको पानीको उपयोग गरिने, ■ सिँचाई सुविधाका कारण कृषि उत्पादन बृद्धि हुने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	संघ र प्रदेशबाट अनुदान प्राप्त नहुन सक्ने ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुर्योजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.४६ महाभारत स्कूल – लामीटार सडक कालोपत्रे निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ६ मा अवस्थित गुवाबारी, लामीटार र घुम्री टोल जोड्ने गरी यस ग्राभेल सडक सञ्चालनमा रहेको छ । स्थानीय नागरिकहरूबाट यस सडकको कालोपत्रे गर्नका लागि आयोजनाको माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ४९: महाभारत स्कूल - लामीटार सडक कालोपत्रे निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	महाभारत स्कूल – लामीटार सडक कालोपत्रे निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १.५ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ६, गुवाबारी, लामीटार र घुम्री टोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य,	

	■ वडा नं ६, गुवाबारी, लामीडार र घुम्री टोल जोड्ने ।									
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५ करोड ४४ लाख ६० हजार									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐									
संघीय अनुदान	☐									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	५००	अप्रत्यक्ष	५००					
प्रत्यक्ष	५००									
अप्रत्यक्ष	५००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुर्योजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुर्योजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.४७ सुकेचौरदेखि सालबारी सडक कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ६ अन्तर्गत खेरुवा, कपासे, याविला, सुकेचौरी, सालबारी र बुद्ध टोल जोड्ने गरी यस ग्राभेल सडक सञ्चालनमा रहेको छ । स्थानीय नागरिकहरुबाट यस सडकको कालोपत्रे गर्नका लागि आयोजनाको माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ५०: सुकेचौरदेखि सालबारी (हस्त तामाङको घरसम्म) को सडक कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	सुकेचौरदेखि सालबारी (हस्त तामाङको घरसम्म) को सडक कालोपत्रे आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: २ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ६ अन्तर्गत खेरुवा, कपासे, याविला, सुकेचौरी, सालबारी र बुद्ध टोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ वडा नं ६ अन्तर्गत खेरुवा, कपासे, याविला, सुकेचौरी, सालबारी र बुद्ध टोल जोड्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ७ करोड ११ लाख ६० हजार	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना	

	निर्माण समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>४००</td></tr> </table>		प्रत्यक्ष	५००	अप्रत्यक्ष	४००				
प्रत्यक्ष	५००									
अप्रत्यक्ष	४००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.४८ गुवाबारी एकीकृत सिँचाइ (सुपारे-भुवाखोला मुहान) आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ६ अन्तर्गत गुवाबारी – दुवै टोल, वैद्य टोल, सालबारी र लामीडार आदि टोलहरूमा कृषिका लागि सिँचाइको अभाव रहेको छ। यी क्षेत्रहरूमा सुपारे-भुवाखोला मुहानबाट सिँचाइ कुलो निर्माण गरी पानी ल्याउन सकिने भएको हुँदा स्थानीय नागरिकहरूबाट यस आयोजनाको माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ५१: गुवाबारी एकीकृत सिँचाइ (सुपारे-भुवाखोला मुहान) आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	गुवाबारी एकीकृत सिँचाइ (सुपारे-भुवाखोला मुहान) आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ९ किलोमिटर

आयोजनाको स्थान	६ नं. वडा अन्तर्गत गुवाबारी – दुवै टोल, वैद्य टोल, सालबारी र लामीडार		
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒	
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐	
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐	
आयोजनाको प्रकार	सिँचाइ कुलो निर्माण		
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका		
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)		
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: सिँचाइ पूर्वाधार विकास		
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।		
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी			
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ सुपारे-भुवाखोला मुहानबाट सिँचाइ कुलो निर्माण, ■ ६ नं. वडा अन्तर्गत गुवाबारी – दुवै टोल, वैद्य टोल, सालबारी र लामीडारमा सिँचाइ कुलो पुर्याउने ।		
आयोजना छनौटको औचित्य	■ हिउँदको समयमा गुवाबारी – दुवै टोल, वैद्य टोल, सालबारी र लामीडार क्षेत्रमा सिँचाइ सुविधा नभएको, ■ यी क्षेत्रहरूमा खेतीयोग्य जमीन प्रसस्त रहेकोले सिँचाइको व्यवस्था गर्न सके कृषि उत्पादन बृद्धि हुने ।		
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड २० लाख		
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष		
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒		
	लगानी भएको भएमा		
	आन्तरिक आय	☐	
	संघीय अनुदान	☐	
	प्रदेश अनुदान	☐	
	निजी क्षेत्र	☐	
लाभ लागत अनुपात	५		
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्णता (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।		
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।		

लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	५००
	अप्रत्यक्ष	४००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ गुवाबारी – दुवै टोल, वैद्य टोल, सालबारी र लामीडार क्षेत्रमा सिँचाई कुलो सञ्चालन भएको हुने, ■ यी क्षेत्रहरूमा कृषि उत्पादनमा बृद्धि भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.४९ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं ६ अन्तर्गतका सबै क्षेत्रमा कृषि तथा पशुपालनका लागि उपयुक्त हावापानी र माटो रहेको छ । यहाँको प्रमुख पेसा पनि कृषि तथा पशुपालन नै हो । यस क्षेत्रमा खाद्यान्न बाली लगायत सुपारी, तरकारी, फलफूल खेती र माहुरी पालनको अत्याधिक सम्भावना रहेको छ । तसर्थ, स्थानीय कृषक तथा सरोकारवालाहरूले नियमितरूपमा रहेको कृषि सम्बन्धी कार्यक्रमले प्रभावकारी नआएको निष्कर्षका साथ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रमको माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ५२: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ६, सबै बस्तीहरू	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण, उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाड नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	

विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि तथा पशुपन्छी विकास								
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १: सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>कृषि उत्पादन सम्भावना</u> - व्यावसायिक अन्नबाली, नगदेबाली, मौसमी/बेमौसमी तरकारी खेती, माहुरी पालन - सुपारी खेती: सबै क्षेत्र - तरकारी: वडाका सबै क्षेत्र - पशुपालन: वडाको सबै क्षेत्र <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - कृषि सीप तालिम तथा प्राविधिक सेवा प्रदान, - कृषि औजार वितरण तथा प्रविधि हस्तान्तरण, - कृषि उपज बजारीकरण ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- कृषि तथा पशुपालनमा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, - युवाहरूलाई कृषि पेसामा लाग्न सक्ने, - स्थानीय उत्पादन बृद्धि हुने, - गरिबी निवारणमा टेवा पुग्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१०००	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	१०००								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	कृषि बाली/नगदे बाली उत्पादनमा बृद्धि हुने,								

	■ कृषकहरु सक्षम र सीपयुक्त हुने, ■ कृषकहरुको वार्षिक आय बृद्धि भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.५० गुवाबारी क्लष्टर पर्यटन विकास कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं ६ अन्तर्गत रहेको गुवाबारी क्षेत्र पर्यटन गुरुयोजनामा पहिचान गरिएको वा तोकिएको एक मुख्य क्लष्टर हो । लेटाङ बजारबाट नजिकै रहेको अलि उच्च भूभाग र पहाडी ढालको फेदी भएकोले अति रमणीय तथा शान्त क्षेत्रको रूपमा रहेको छ । यहाँ केही राम्रा होटेलहरु पनि सञ्चालित रहेका छन् । त्यसैले लेटाङ बजारमा कुनै काम लिएर आउने आगन्तुकहरु गुवाबारीमा गई बस्दछन् । गुवाबारी क्षेत्र पर्यटनको लागि उपयुक्त भएको हुँदा वडाका नागरिकहरु र सरोकारवालाले गुवाबारी क्लष्टर पर्यटन पूर्वाधार विकासका लागि आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ५३: गुवाबारी क्लष्टर पर्यटन विकास कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	गुवाबारी क्लष्टर पर्यटन विकास कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ६, गुवाबारी टोल ।	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	पर्यटन पूर्वाधार निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: पर्यटन पूर्वाधार विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ८: स्थिर, समावेशी र दिगो आर्थिक वृद्धि र सबैको लागि पूर्ण तथा उत्पादनशील रोजगारी र मर्यादित कामलाई	

	प्रवर्धन गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>पर्यटनको सम्भावना</u> ■ गुवाबारी क्षेत्रमा पर्यटन पूर्वाधार विकास गरी पर्यटकहरूलाई आकर्षण गर्न सकिने सम्भावना रहेको । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> ■ गुवाबारीमा पर्यटनका लागि न्यूनतम् पूर्वाधार विकास तथा सौन्दर्यीकरण ■ गुवाबारीमा पर्यटनका लागि आवश्यक न्यूनतम पूर्वाधारहरू जस्तै, सडक स्तरोन्नति, सडकबत्ती, बस्ती सरसफाइ तथा वस्ती विकास, टलीफोन तथा इन्टरनेट पूर्वाधार आदिको विकास गर्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ गुवाबारी लेटाडबजारभन्दा अलि उच्च भागमा रहेको रमणीय स्थान भएकोले यहाँ पर्यटकहरूलाई होटेल बासको व्यवस्था गरी पर्यटन विकास गर्न सकिने, ■ यस क्षेत्रमा पर्यटन पूर्वाधार विकास भैनसकेको हुँदा कम सङ्ख्यामा पर्यटकहरू आउने बस्ने गरेको ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>३५०</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	३५०	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	३५०								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ गुवाबारी क्लष्टरमा पर्यटनका लागि न्यूनतम् पूर्वाधार विकास भएको हुने, ■ गुवाबारी क्षेत्रमा पर्यटक आगमन सङ्ख्या बृद्धि भएको हुने ।								

आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुरोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर पर्यटन गुरुरोजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.५१ भुवा सिँचाइ आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ५ र ६ अन्तर्गत रहेको घुम्ती, लाम्तीटार र कपासे, बुद्ध टोल, सालबारी, तालिम केन्द्र र लाखबारी क्षेत्रमा भुवाखोलाबाट ल्याइएको सिँचाइ कुलोबाट कृषि बालीमा सिँचाइ व्यवस्था गरिएको छ । यस सिँचाइ कुलोको विभिन्न स्थानमा वर्षातको पानीले भत्किएर वा पुरिएर बिग्रेको अवस्था छ । यसरी सञ्चालनमा रहेको कुलो जिर्ण भएको वा बिग्रिएको हुनाले मूलबाट ल्याइएको पानी चुहिने वा खेर जाने र खेतीको क्षेत्रमा पानी नपुग हुने समस्या रहेको छ । तसर्थ यस सिँचाइ कुलो मर्मत तथा स्तरोन्नतिका लागि स्थानीय कृषकहरूले सिँचाइ कुलो मर्मत तथा स्तरोन्नतिको आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ५४: भुवा सिँचाइ आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	भुवा सिँचाइ आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	२ किलोमिटर	
आयोजनाको स्थान	५ र ६ नं. वडाको घुम्ती, लाम्तीटार र कपासे, बुद्ध टोल, सालबारी, तालिम केन्द्र र लाखबारी	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सिँचाइ कुलो मर्मत तथा स्तरोन्नति	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सिँचाइ पूर्वाधार निर्माण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: समानुकूलित/उत्थानशील पूर्वाधारहरू निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगिकीकरणको प्रवर्धन र	

	नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने ।									
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी										
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>सिँचाइ कुलो मर्मत तथा स्तरोन्नतिको सम्भावना</u> ■ भुवाखोलाबाट ल्याइएको सिँचाइ कुलो मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> ■ भुवाखोलाबाट ल्याइएको सिँचाइ कुलो मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्ने ।									
आयोजना छनौटको औचित्य	■ यो सिँचाइ कुलोले ५ र ६ नं. वडाको घुम्ती, लामीडार र कपासे, बुद्ध टोल, सालबारी, तालिम केन्द्र र लाखबारी आदिमा सिँचाइ सुविधा दिएको, ■ यस सिँचाइ कुलोको मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्दा चुहिएर खेर गएको पानी पनि सिँचाइमा सदुपयोग हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐									
संघीय अनुदान	☐									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	५									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>६००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>०</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	६००	अप्रत्यक्ष	०					
प्रत्यक्ष	६००									
अप्रत्यक्ष	०									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ भुवा सिँचाइ कुलो मर्मत तथा स्तरोन्नति भएको हुने, ■ सिँचाइ कुलोमा पानीको मात्रा बढ्ने हुने, ■ सिँचाइ सुविधाका कारण कृषि उत्पादन बृद्धि हुने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	संघ र प्रदेशबाट अनुदान प्राप्त नहुन सक्ने ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुरोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐									

	हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.५२ सुकेचौरी खेलमैदानको स्तरोन्नति आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ६ रहेको सुकेचौरी खेलमैदान हाल सञ्चालनमा रहेको छ । यसलाई खेलमैदानमा हुनुपर्ने न्यूनतम् पूर्वाधार विकास गर्न सकिएको छैन । खेलमैदानमा खानेपानी, सौचालय, चेन्जिङ रुम, प्याराफिट आदिको निर्माण गर्नुपर्ने हुन्छ । यसकारण स्थानीय नागरिकहरूले यस खेलमैदानको स्तरोन्नतिको आयोजना माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ५५: सुकेचौरी खेलमैदानको स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	सुकेचौरी खेलमैदानको स्तरोन्नति आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ६, सुकेचौरी	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	खेल मैदान निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: खेलकुद विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ५: लैङ्गिक समानता हासिल गर्ने र सबै महिला, किशोरी र बालिकाहरूको सशक्तीकरण गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>खेलकुद मैदान निर्माणको सम्भावना</u> - खेलकुद मैदान सञ्चालनमा रहेको । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - खेल मैदानको स्तरोन्नति गर्ने, - खेलमैदानमा आवश्यक न्यूनतम् पूर्वाधारहरू निर्माण गर्ने ।	
	आयोजना छनौटको औचित्य	खेलमैदान भएको तर चेन्जिङ रुम, शौचालय तर भवन अभाव रहेको,

	■ प्याराफिट अभावमा खेल दर्शक व्यवस्थापन गर्न कठिनाई रहेको, ■ कम्पाउण्ड घेराबारा नभएकोले सुरक्षा तथा खेल सञ्चालन गर्दा व्यवस्थापन गर्न कठिनाई रहेको ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ९५ लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१०००	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	१०००								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ सुकेचौरी खेलमैदानको स्तरोन्नति भएको हुने, ■ युवा खेलाडी उत्पादन हुने, ■ मानवीय स्वास्थ्यमा सुधार हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.५३ लेटाङ – ४ मा कृषि उपज चिस्यान केन्द्र निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको सबै वडामा कृषि पेसामा आधारित जनसङ्ख्याको बाहुल्यता रहेको छ । कृषि उपज चिस्यान केन्द्रको अभावमा कृषकहरूले उत्पादन गरेका उपजहरू समयमै बिक्री गर्न नसके सडेर जाने समस्या

भोगिरहेका छन् । तसर्थ, यहाँका समुदायले कृषि उपज चिस्यान केन्द्र निर्माण आयोजना माग गरेको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ५६: कृषि उपज चिस्यान केन्द्र निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	कृषि उपज चिस्यान केन्द्र निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	२ कट्टा	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ६, लेटाङ बजार	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	कृषि उपज चिस्यान केन्द्र निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं २: भोकमरी अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा र उन्नत पोषण प्राप्त गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ लेटाङ – ४ मा कृषि उपज चिस्यान केन्द्र निर्माण ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ कृषि उपज समयमै बिक्री नहुँदा सडेर जाने समस्या रहेको, ■ कृषि उपजको बिक्री तुरुन्त गर्दा अपेक्षित मूल्य पाउन नसकेको, ■ कृषि उपज चिस्यान केन्द्रको सुविधाले कृषकहरुको उपज नास नहुने उचित मूल्य प्राप्त गर्ने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ३ करोड	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	प्राविधिक सर्वेक्षण: ३ महिना निर्माण समय: ३ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐

लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	२५००
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ कृषि उपज चिस्यान केन्द्र सञ्चालन भएको हुने, ■ कृषकहरुको कृषि उपज सुरक्षित रहेको हुने, ■ कृषकहरुले आफ्नो उपज उचित मूल्यमा बिक्री गरेको हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.५४ लेटाङ – गुवाबारी – वारङ्गी - गुराँसेडाँडा सडक कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ रहेको लेटाङ – गुवाबारी – वारङ्गी – गुराँसेडाँडासम्म जोड्न सडक सञ्चालनमा रहेको छ। यो सडक लेटाङ नगरपालिकाको उत्तरी क्षेत्रका टोलबस्तीहरुलाई जोड्ने रणनीतिक मार्गको रूपमा रहेको छ। कच्ची सडक भएको हुँदा वर्षातको समयमा भूक्षय वा पहिरोको कारण समय समयमा अवरुद्ध हुने गरेको छ। त्यसकारण यस सडकको स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे गर्नका लागि स्थानीय समुदायबाट आयोजना माग भइआएको हो। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ५७: लेटाङ – गुवाबारी – वारङ्गी - गुराँसेडाँडा सडक कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	लेटाङ – गुवाबारी – वारङ्गी - गुराँसेडाँडा सडक कालोपत्रे आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: २४ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, सबै टोल (समला क्षेत्र बाहेक)	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	

आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका								
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)								
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात								
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ वडा नं ७, सबै टोलहरू (समला क्षेत्र बाहेक) जोड्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरू आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ८७ करोड ६३ लाख ५६ हजार								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒								
संघीय अनुदान	☒								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्णता (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	५००	अप्रत्यक्ष	१०००				
प्रत्यक्ष	५००								
अप्रत्यक्ष	१०००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।								

आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुर्योजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुर्योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.५५ चिसाङ खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ रहेको लेटाङ – गुवाबारी – वारङ्गी – फेदापजुङ - सौरै जोड्न सडक सञ्चालनमा रहेको छ । यो सडक लेटाङ नगरपालिकाको उत्तरी क्षेत्र र धनकुटाको दक्षिणी भेगका टोलबस्तीहरूलाई जोड्ने रणनीतिक मार्गको रूपमा रहेको छ । यस सडकमा चिसाङखोलामा पक्की पुल निर्माण भएको छैन । त्यसकारण यस सडकको भागमा पर्ने चिसाङ खोलामा पक्की पुल निर्माणका लागि स्थानीय समुदायबाट आयोजना माग भइआएको हो । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ५८: चिसाङ खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	चिसाङ खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १२३ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, चिसाङखोला (गम्भरे)	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	मोटेरेवल पक्की पुल निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित	■ चिसाङखोलामा पक्की पुल निर्माण गर्ने कार्य,	

संक्षिप्त विवरण	■ वडा नं ७, सबै टोलहरू मोटरबाटो जोड्ने ।										
आयोजना छनोटको औचित्य	■ नागरिकहरू आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ नगरपालिका सदरमुकाम, वडा कार्यालय र जिल्ला/प्रदेश सदरमुकाम जान र आउन सुविधा हुने ।										
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २६ करोड ९८ लाख ९३ हजार										
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष										
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>			आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐										
संघीय अनुदान	☐										
प्रदेश अनुदान	☐										
निजी क्षेत्र	☐										
लाभ लागत अनुपात	२										
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।										
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।										
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	६००									
	अप्रत्यक्ष	१०००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ चिसाङखोलामा पक्की मोटररेवल पुल निर्माण भएको हुने, ■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुगेको हुने ।										
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।										
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒	होइन ☐									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒	पर्दैन ☐									

३.५६ झाँक्री खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ मा आहाले – तीनकटेरी – वाराङ्गी मोटरबाटो सञ्चालनमा रहेको छ । यो सडकले आहाले, तीनकटेरी र वाराङ्गी क्षेत्रका भित्री बस्तीहरूलाई जोड्दछ । यस सडकमा पर्ने झाँक्री खोलामा पुल नभएकोले वर्षातको समयमा यातायातमा कठिनाई हुने भएको हुँदा पक्की पुल निर्माणका लागि स्थानीय समुदायबाट आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ५९: झाँक्री खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	झाँक्री खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ८० मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, झाँक्रीखोला, चाम्लिङटोल र तीनकटेरी बीच आहाले – तीनकटेरी – वाराङ्गी मोटरबाटोमा पर्ने ।	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	मोटेरेवल पक्की पुल निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	- झाँक्रीखोलामा पक्की पुल निर्माण गर्ने कार्य, - आहाले – तीनकटेरी – वाराङ्गी मोटरबाटो जोड्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	- नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, - कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, - वडाका आहाले, तीनकटेरी देखि वाराङ्गी वडा कार्यालयसम्म जोड्ने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १२ करोड ५० लाख	

आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्णता (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>३००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	३००	अप्रत्यक्ष	१०००				
प्रत्यक्ष	३००								
अप्रत्यक्ष	१०००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- झाँक्रीखोलामा पक्की मोटररेवल पुल निर्माण भएको हुने, - टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुगेको हुने।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुरोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.५७ ताक्चुवा खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ मा वाराङ्गी – फुर्केटार – सिंहदेवी मोटरबाटो सञ्चालनमा रहेको छ। यो सडकले वाराङ्गी, फुर्केटार र सिंहदेवी क्षेत्रका बस्तीहरूलाई जोड्दछ। यस सडकमा पर्ने ताक्चुवा खोलामा पुल नभएकोले वर्षातको समयमा यातायातमा कठिनाई भैरहेको हुँदा पक्की पुल निर्माणका लागि स्थानीय समुदायबाट आयोजना माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ६०: ताक्चुवा खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी										
आयोजनाको नाम	ताक्चुवा खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना									
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ८० मिटर									
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, ताक्चुवाखोला वाराङ्गी – फुर्केटार – सिंहदेवी मोटरबाटोमा पर्ने ।									
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒								
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐								
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐								
आयोजनाको प्रकार	मोटेरेवल पक्की पुल निर्माण									
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका									
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)									
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात									
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।									
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी										
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ ताक्चुवाखोलामा पक्की पुल निर्माण गर्ने कार्य, ■ वाराङ्गी – फुर्केटार – सिंहदेवी मोटरबाटो जोड्ने ।									
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ वडाका आहाले, तीनकटेरी देखि वाराङ्गी वडा कार्यालयसम्म जोड्ने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १२ करोड ५० लाख									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td> <td>☐</td> </tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td> <td>☐</td> </tr> </table>		आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐									
संघीय अनुदान	☐									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									

लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	४००
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- ताक्चुवाखोलामा पक्की मोटररेवल पुल निर्माण भएको हुने, - टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुगेको हुने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुरोजनाको भाग हो ?	हो ☒	होइन ☐
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒	पर्दैन ☐
हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना		

३.५८ कालीखोला बृहत खानेपानी आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ का ढुङ्गे, विजुवाटोल, तल्लो केराबारी, पञ्चमी, मंगलबारे बजार, कालीमाटी, आमटार, डाँडाटोल, दुईघरे, सोमबारे, देउराली, तेर्सै, पित्लुम्बा, धिरिङ्खा, कुम्ले आदि क्षेत्रमा खानेपानीको अभाव रहेको छ । यी बस्तीहरूमा कालीखोलाबाट खानेपानी ल्याउन सकिने सम्भावना रहेको छ । यसकारण कालीखोलाबाट यी बस्तीहरूमा खानेपानीको दिगो व्यवस्था गर्नका लागि स्थानीय समुदायबाट आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ६१: कालीखोला बृहत खानेपानी आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	कालीखोला बृहत खानेपानी आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १३ किलोमिटर
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, ढुङ्गे, विजुवाटोल, तल्लो केराबारी, पञ्चमी, मंगलबारे बजार, कालीमाटी, आमटार, डाँडाटोल, दुईघरे, सोमबारे, देउराली, तेर्सै, पित्लुम्बा, धिरिङ्खा, कुम्ले आदि ।

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	खानेपानी पाइपलाइन, रिजर्भर टैंक निर्माण र धारा वितरण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार विकास/सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: खानेपानी पूर्वाधार	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ६: सबैका लागि स्वच्छ पानी र सरसफाइको उपलब्धता तथा दिगो व्यवस्थापन सुनिश्चित गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ खानेपानी पाइपलाइन, रिजर्भर टैंक र धारा वितरण गर्ने कार्य, ■ ढुङ्गे, विजुवाटोल, तल्लो केराबारी, पञ्चमी, मंगलबारे बजार, कालीमाटी, आमटार, डाँडाटोल, दुईघरे, सोमबारे, देउराली, तेर्सो, पित्तुम्बा, धिरिङ्खा, कुम्ले आदिमा खानेपानी वितरण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ वडा नं ७ को अधिकांश बस्तीहरूमा खानेपानीको अभाव रहेको, ■ साना साना खानेपानीका मुलहरु सुक्दै गएको, ■ कालीखोलाबाट खानेपानी ल्याउन सकिने सम्भावना रहेको, ■ यस खानेपानी योजनाले दिगोरुपमा खानेपानी व्यवस्था गर्न सकिने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ७ करोड ५६ लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	

आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	३००
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- कालीखोला खानेपानी योजना सम्पन्न भई बस्तीहरूमा खानेपानी वितरण भएको हुने, - स्थानीय घरधुरीहरूमा खानेपानीको समस्या समाधान भएको हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुगेको हुने ।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.५९ समला पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ मा समलाडाँडा उच्च भूभागमा रहेको, उक्त डाँडाबाट तराईको मैदानी क्षेत्रहरूको दृष्ट्यावलोकन गर्न सकिने भएको हुँदा यहाँ पर्यटन विकास गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । यस क्षेत्रमा पर्यटकको लागि खाना तथा बासको व्यवस्था, पदमार्ग र अन्य न्यूनतम पूर्वाधारको अभाव रहेको हुँदा पर्यटकहरू जाँदैनन् । यसकारण उक्त क्षेत्रमा पर्यटनका लागि होमस्टे र पदमार्ग तथा अन्य पूर्वाधार व्यवस्था गर्नका लागि स्थानीय समुदायबाट आयोजना माग भएको छ । आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ६२: समला पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	समला पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, समलाडाँडा	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	पर्यटन पूर्वाधार निर्माण	

आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका								
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)								
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: पर्यटन पूर्वाधार विकास								
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ८: स्थिर, समावेशी र दिगो आर्थिक वृद्धि र सबैको लागि पूर्ण तथा उत्पादनशील रोजगारी र मर्यादित कामलाई प्रवर्धन गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>पर्यटनको सम्भावना</u> ■ समलाडाँडा क्षेत्रमा पर्यटन पूर्वाधार विकास गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> ■ समलाडाँडामा पर्यटनका लागि न्यूनतम् पूर्वाधार विकास तथा सौन्दर्यीकरण ■ समलाडाँडामा पर्यटनका लागि पदमार्ग र होमस्टे विकास गर्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ समला क्षेत्र उच्च पहाडी भूभागमा रहेको र तराईका विभिन्न स्थानहरूको दृष्ट्यालोकन गर्न उपयुक्त रहेको ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड ५० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>२००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	२००	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	२००								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ समलाडाँडा क्षेत्रमा पर्यटनका लागि न्यूनतम् पूर्वाधार विकास भएको हुने, ■ समलाडाँडा क्षेत्रमा पर्यटक आगमन सङ्ख्या बृद्धि भएको हुने ।								

आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.६० बाराजी क्षेत्र पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ मा बाराजी मन्दिर क्षेत्र वाराङ्गीमा पर्ने र यहाँ उच्च भूभागमा बाराजीको मन्दिर रहेको, सितल हावापानी भएको हुँदा यहाँ पर्यटन विकास गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । यस क्षेत्रमा पर्यटकको लागि खाना तथा बासको व्यवस्था, पदमार्ग र अन्य न्यूनतम् पूर्वाधारको अभाव रहेको छ । यसकारण उक्त क्षेत्रमा पर्यटन विकासका लागि मन्दिर क्षेत्र सौन्दर्यीकरण, होमस्टे र पदमार्ग तथा अन्य पूर्वाधार व्यवस्था गर्नका लागि स्थानीय समुदायबाट आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ६३: बाराजी क्षेत्र पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	बाराजी क्षेत्र पर्यटन प्रवर्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, वाराङ्गी	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	पर्यटन पूर्वाधार निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: पर्यटन पूर्वाधार विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ८: स्थिर, समावेशी र दिगो आर्थिक वृद्धि र सबैको लागि पूर्ण तथा उत्पादनशील रोजगारी र मर्यादित कामलाई प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	पर्यटनको सम्भावना	

	■ बाराजी मन्दिर क्षेत्रमा पर्यटन पूर्वाधार विकास गरी पर्यटकहरूलाई आकर्षण गर्न सकिने सम्भावना रहेको । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> ■ बाराजी मन्दिर क्षेत्रमा पर्यटनका लागि न्यूनतम् पूर्वाधार विकास तथा सौन्दर्यीकरण ■ समलाडाँडामा पर्यटनका लागि पदमार्ग र होमस्टे विकास गर्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ बाराजी मन्दिर हिन्दु तथा किरातहरूको शक्ति पिठको रूपमा रहेको, ■ बाराजी क्षेत्र उच्च पहाडी भूभागमा रहेको र वरिवरीका क्षेत्रहरूको दृष्यालोकन गर्न उपयुक्त रहेको, ■ यहाँको हावापानी सितल र जैविक विविधता रहेको हुँदा पर्यटनका लागि सम्भावना रहेको ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ३ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१५०</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१५०	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	१५०								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ बाराजी मन्दिर क्षेत्रमा पर्यटनका लागि न्यूनतम् पूर्वाधार विकास भएको हुने, ■ बाराजी मन्दिर क्षेत्रमा पर्यटक आगमन सङ्ख्या बृद्धि भएको हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								

प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुरोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.६१ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ को सबै क्षेत्रमा अन्नबाली, दलहन, अम्रिसो, अलैंची, अदुवा, बेसार, खुर्सानी, साग, सुन्तला, कागती खेती र माहुरीपालन आदि विकास गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । साथै यहाँ गाई, भैंसी, बाख्रा, भेडा र कुखुरापालनको सम्भावना त्यत्तिकै छ । तर यस क्षेत्रका कृषकहरु परम्परागत तथा निर्वाहमुखी तहमै खेती तथा पशुपालन गरिरहेका छन् । अम्रिसो कुचो, अदुवा र अलैंची बाहेक अन्य कृषि उत्पादनलाई स्थानीय तथा बाहिरी बजारमा लैजान सकेको छैन । यसकारण उक्त क्षेत्रमा कृषि तथा पशुपालनलाई व्यावसायिक तुल्याउनका लागि स्थानीय समुदायबाट यस आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ६४: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, सबै बस्तीहरु	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण, उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि तथा पशुपन्छी विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १: सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>कृषि उत्पादन सम्भावना</u>	
	■ बाख्रा, गाई र बंगुर: वडाका सबै क्षेत्र	
	■ कफि/सुन्तला/कागती/अलैंची/अदुवा/बेसार: वडाको सबै क्षेत्र	
	■ तरकारी: वडाका सबै क्षेत्र	

	■ पशुपालन: वडाको सबै क्षेत्र कार्यक्रमको गतिविधिहरु ■ बाख्रा र गाई पालनका लागि खोर सुधार, पशु औषधी, उन्नत घाँस र उन्नत नश्ल सुधार ■ व्यावसायिक अन्नबाली, नगदेबाली, मौसमी/बेमौसमी तरकारी खेती, माहुरी पालन ■ प्राङ्गारिक मल निर्माण, कृषक क्षमता/उद्यमशीलता/सीप विकास तालिम ■ कृषि प्रविधि, औजार, विउविजन र मल अनुदान कार्यक्रम ■ कृषि उपज बजारीकरण सहयोग कार्यक्रम ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ व्यावसायिक खेती तथा पशुपालन न्यून रहेको, ■ अर्गेनिक कृषि उपज बृद्धि गर्न सकिने, ■ अग्निसो, कफि, सुन्तला, कागती, माहुरी र केराको उत्पादन बढाउन सकिने ■ कृषि उपजको बजारीकरण सुधार गर्न सकिने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड ५० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्ववास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१०००	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	१०००								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ कृषि बाली/नगदे बाली उत्पादनमा बृद्धि हुने, ■ कृषकहरु सक्षम र सीपयुक्त हुने, ■ कृषकहरुको वार्षिक आय बृद्धि भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।								

आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुर्योजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.६२ महेन्द्र मा. वि. को भवन निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ को वाराङ्गीमा यो विद्यालय सञ्चालित रहेको छ । यस विद्यालयमा वाराङ्गी क्षेत्रका धेरैवटा बस्तीहरूबाट बालबालिकाहरू अध्ययन गर्न आउछन् । विद्यार्थीको सङ्ख्याको आधारमा यहाँ भवन वा कक्षाकोठा नपुग रहेको अवस्था छ । यसकारण स्थानीय समुदायबाट विद्यालय भवन ४ कोठा निर्माणका लागि आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ६५: महेन्द्र मा. वि. को भवन निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	महेन्द्र मा. वि. को भवन निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	न्यूनतम् १२८० वर्ग फिट X २ तला	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, वाराङ्गी	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: शिक्षा पूर्वाधार विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ४: समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्दै र जीवनपर्यन्त सिकाइका अवसरहरू प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	विद्यालय भवन निर्माण सम्भावना सम्भावना: विद्यालय भवन निर्माण गर्नका लागि जमीन उपलब्ध रहेको हुनाले भवन निर्माण गर्न सकिने । आयोजनाका कार्यक्रमहरू	

	विद्यालय भवन निर्माण ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- विद्यालयमा हाल रहेका भवनमा कक्षा सञ्चालन गर्न भवन/कोठा नपुग रहेको, - थप भवन निर्माण भएमा कक्षा सञ्चालन गर्न सुविधा हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५ करोड ६६ लाख ७० हजार								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१५००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>३०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१५००	अप्रत्यक्ष	३०००				
प्रत्यक्ष	१५००								
अप्रत्यक्ष	३०००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- विद्यालय भवन निर्माण भएको हुने, - विद्यालयको कक्षा सञ्चालनमा सुविधा बढेको हुने । - विद्यार्थीहरूको सङ्ख्या बढेको हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.६३ वाराङ्गी स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ को वाराङ्गीमा यो स्वास्थ्य चौकी सञ्चालित रहेको छ । यस स्वास्थ्य चौकी भवनमा सेवा प्रवाहका लागि कोठा नपुग रहेको छ । यसकारण स्थानीय समुदायबाट स्वास्थ्य चौकीको

पुरानो भवनमा एक तला थप गर्नका लागि आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ६६: वाराङ्गी स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	वाराङ्गी स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	न्यूनतम् १८०० वर्ग फिट X १ तला थप	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, वाराङ्गी	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	स्वास्थ्य संस्था निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: स्वास्थ्य पूर्वाधार विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ३: सबै उमेर समूहका व्यक्तिका लागि स्वस्थ जीवन सुनिश्चित गर्दै समृद्ध जीवन प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण सम्भावना</u> सम्भावना: स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण गर्नका लागि तला थप गर्नुपर्ने हुनाले सो कार्य सम्भव हुने । <u>आयोजनाका कार्यक्रमहरु</u> स्वास्थ्य चौकी भवन तला थप गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	- हाल सञ्चालनमा रहेको स्वास्थ्य चौकी भवनमा कोठा नपुग रहेको, - थप भवन निर्माण भएमा स्वास्थ्योपचार सेवा सञ्चालन गर्न सुविधा हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ६५ लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	१५००
	अप्रत्यक्ष	३०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ स्वास्थ्य चौकी भवन तला थप भएको हुने, ■ स्वास्थ्य सेवा प्रवाहमा सुविधा भएको हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.६४ सीमाना खानेपानी आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ को सीमाना टोलमा खानेपानीको अभाव रहेको छ। यस टोलमा १२० घरधुरी रहेको छ। यसकारण स्थानीय समुदायबाट खानेपानी प्राप्त गर्नका लागि यो आयोजना माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ६७: सीमाना खानेपानी आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	सीमाना खानेपानी आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ७.५ किलोमिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, सीमाना टोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐

आयोजनाको प्रकार	खानेपानी पाइपलाइन, रिजर्भर टैंक र धारा वितरण								
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका								
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)								
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार विकास/सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: खानेपानी पूर्वाधार								
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ६: सबैका लागि स्वच्छ पानी र सरसफाइको उपलब्धता तथा दिगो व्यवस्थापन सुनिश्चित गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ खानेपानी पाइपलाइन, रिजर्भर टैंक र धारा वितरण गर्ने कार्य, ■ सीमाना टोलमा खानेपानी वितरण गर्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ वडा नं ७ को सीमाना टोलमा खानेपानीको अभाव रहेको, ■ यस खानेपानी योजनाले दिगोरूपमा खानेपानी व्यवस्था गर्न सकिने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड २० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्णवास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१२०</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५०</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१२०	अप्रत्यक्ष	५०				
प्रत्यक्ष	१२०								
अप्रत्यक्ष	५०								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ सीमाना खानेपानी योजना सम्पन्न भइ बस्तीहरूमा खानेपानी वितरण भएको हुने, ■ स्थानीय घरधुरीहरूमा खानेपानीको समस्या समाधान भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुगेको हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु,								

	■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.६५ कुम्ले खानेपानी आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ७ को पित्लुम्बा टोलमा १०० घरधुरी भएको तर खानेपानीको अभाव रहेको छ । यसकारण स्थानीय समुदायबाट खानेपानी प्राप्त गर्नका लागि यो आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ६८: कुम्ले खानेपानी आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	कुम्ले खानेपानी आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ७ किलोमिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, पित्लुम्बा टोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	खानेपानी पाइपलाइन, रिजर्भर टैंक र धारा वितरण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार विकास/सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: खानेपानी पूर्वाधार	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ६: सबैका लागि स्वच्छ पानी र सरसफाइको उपलब्धता तथा दिगो व्यवस्थापन सुनिश्चित गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ खानेपानी पाइपलाइन, रिजर्भर टैंक र धारा वितरण गर्ने कार्य, ■ पित्लुम्बा टोलमा खानेपानी वितरण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ वडा नं ७ को पित्लुम्बा टोलमा खानेपानीको अभाव रहेको, ■ यस खानेपानी योजनाले दिगोरूपमा खानेपानी व्यवस्था गर्न सकिने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना	

	निर्माण समय: २ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐									
संघीय अनुदान	☐									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५०</td></tr> </table>		प्रत्यक्ष	१००	अप्रत्यक्ष	५०				
प्रत्यक्ष	१००									
अप्रत्यक्ष	५०									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- कुम्ले खानेपानी योजना सम्पन्न भइ बस्तीहरूमा खानेपानी वितरण भएको हुने, - सबै घरधुरीहरूमा खानेपानीको समस्या समाधान भएको हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुगेको हुने।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.६६ जाँते (लेनपा, वडा नं ८) चक्रपथ कालोपत्रे निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ को जाँते क्षेत्रको वरिवरी ग्राभेल मोटरबाटो सञ्चालनमा रहेको छ। यसको स्तरोन्नति गरी कालोपत्रे गर्न स्थानीय समुदायबाट यो आयोजना माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ६९: जाँते (लेनपा, वडा नं ८) चक्रपथ कालोपत्रे निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	जाँते (लेनपा, वडा नं ८) चक्रपथ कालोपत्रे निर्माण आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ५.५ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर

आयोजनाको स्थान	वडा नं ८, जाँते, डाँडागाउँ, भूपटोल, श्रीजंगा टोल र डाँडाचोक									
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒								
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐								
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐								
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)									
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका									
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)									
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात									
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।									
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी										
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ वडा नं ८, जाँते, डाँडागाउँ, भूपटोल, श्रीजंगा टोल र डाँडाचोक जोड्ने ।									
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २० करोड १२ लाख ९० हजार									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	६००								
	अप्रत्यक्ष	१०००								

आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.६७ सगरमाथा मार्ग कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ को सगरमाथा टोलमा ग्राभेल मोटरबाटो सञ्चालनमा रहेको छ । यसको स्तरोन्नति गरी कालोपत्रे गर्न स्थानीय समुदायबाट यो आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ७०: सगरमाथा मार्ग कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	सगरमाथा मार्ग कालोपत्रे आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: २.७६ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ८, सगरमाथा टोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		

आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ वडा नं ८, सगरमाथा टोलमा रहेको सडक कालोपत्रे ।										
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने ।										
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ९ करोड ५० लाख										
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष										
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>			आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐										
संघीय अनुदान	☐										
प्रदेश अनुदान	☐										
निजी क्षेत्र	☐										
लाभ लागत अनुपात	२										
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।										
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।										
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	३००									
	अप्रत्यक्ष	१०००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।										
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।										
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुरोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुरोजना										
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐										

३.६८ नोवेल बोर्डिङ - डडकेचोक - सीमानामार्ग सडक कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ को नोवेल बोर्डिङ टोल, सगरमाथा टोल, बुद्धचोक, डडके चोक, सयपत्री टोल क्षेत्रमा ग्राभेल मोटरबाटो सञ्चालनमा रहेको छ । यसको स्तरोन्नति गरी कालोपत्रे गर्न स्थानीय समुदायबाट यो आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ७१: नोवेल बोर्डिङ - डडके चोक - सीमानामार्ग सडक कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	नोवेल बोर्डिङ-डडकेचोक-सीमानामार्ग सडक कालोपत्रे आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ४ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ८, नोवेल बोर्डिङ टोल, सगरमाथा टोल, बुद्धचोक, डडके चोक, सयपत्री टोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ वडा नं ८, नोवेल बोर्डिङ टोल, सगरमाथा टोल, बुद्धचोक, डडके चोक, सयपत्री टोल जोड्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १४ करोड ५२ लाख २५ हजार	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	४००
	अप्रत्यक्ष	६००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, - स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.६९ जाँते-लालझोडा-ज्यामिरे-शिरपुर-मोरङ्गे सडक स्तरोन्नति आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ को जाँते-लालझोडा-ज्यामिरे-शिरपुर-मोरङ्गे मोटरबाटो सञ्चालनमा रहेको छ। यसको विभिन्न भागहरूमा आवश्यकतानुसार मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्न स्थानीय समुदायबाट यो आयोजना माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ७२: जाँते-लालझोडा-ज्यामिरे-शिरपुर-मोरङ्गे सडक स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	जाँते-लालझोडा-ज्यामिरे-शिरपुर-मोरङ्गे सडक स्तरोन्नति आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १३ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर
आयोजनाको स्थान	वडा नं ८, जाँते, लालझोडा, ज्यामिरे, शिरपुर

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (स्तरोन्नति)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ वडा नं ८, जाँते, लालझोडा, ज्यामिरे, शिरपुर जोड्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ४ करोड ९७ लाख २५ हजार	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पुनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	५००
	अप्रत्यक्ष	७००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।	

आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.७० गडामे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ को जाँते – ज्यामिरे सडकदेखि बाघखोर - लालझोडा सडक बीचमा गडामे खोला रहेको र पुल निर्माण नभएको हुँदा वर्षातको समयमा यातायात अवरुद्ध हुने गर्दछ । यसकारण स्थानीय समुदायबाट गडामे खोलामा मोटेरेवल पक्की पुल निर्माणका लागि आयोजना माग भएको छ । यस पुलको निर्माणपश्चात जाँते – ज्यामिरे सडकसँग बाघखोर – लालझोडा सडक जोडिने वडाको माथिल्लो भेगका बस्तीहरूमा बाह्रै महिना सडक यातायातको पहुँच सुनिश्चित हुनेछ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ७३: गडामे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	गडामे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १०० मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ८, गडामेखोला जाँते – ज्यामिरे – बाघखोर - लालझोडा मोटरबाटोमा पर्ने ।	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	मोटेरेवल पक्की पुल निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		

आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ गडामेखोलामा पक्की पुल निर्माण गर्ने कार्य, ■ जाँते – ज्यामिरे – बाघखोर - लालझोडा मोटरबाटो जोड्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने, ■ जाँते, ज्यामिरे, बाघखोर, लालझोडा क्षेत्रका बस्तीहरु जोड्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २१ करोड ९४ लाख ९० हजार								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>३००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	३००	अप्रत्यक्ष	१०००				
प्रत्यक्ष	३००								
अप्रत्यक्ष	१०००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ गडामेखोलामा पक्की मोटररेवल पुल निर्माण भएको हुने, ■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुगेको हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुरोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.७१ मोरङ्गे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ को जाँते – अँधेरी सडक बीचमा मोरङ्गे खोला रहेको र पुल निर्माण नभएको बाह्रै महिना सवारी सञ्चालनमा कठिनाइ रहेको छ । यसकारण स्थानीय समुदायबाट मोरङ्गे खोलामा मोटरेवल पक्की पुल निर्माणका लागि आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ७४: मोरङ्गे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	मोरङ्गे खोला पक्की पुल निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १०० मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ८, मोरङ्गेखोला जाँते – अँधेरी मोटरबाटोमा पर्ने ।	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६–१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११–१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	मोटरेवल पक्की पुल निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ मोरङ्गेखोलामा पक्की पुल निर्माण गर्ने कार्य, ■ जाँते – अँधेरी मोटरबाटो जोड्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २१ करोड ९४ लाख ९० हजार	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	३००
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ मोरङ्गेखोलामा पक्की मोटररेवल पुल निर्माण भएको हुने, ■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुगेको हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.७२ जाँते बृहत खानेपानी आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ को जाँते क्षेत्रमा बढ्दो जनसङ्ख्याको कारण खानेपानी अभाव बढ्दै गएको छ। यसकारण स्थानीय समुदायबाट मोरङ्गे खोलामा मोटररेवल पक्की पुल निर्माणका लागि आयोजना माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ७५: जाँते बृहत खानेपानी आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	जाँते बृहत खानेपानी आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ८ किलोमिटर
आयोजनाको स्थान	वडा नं ८, जाँते क्षेत्रका सबै टोलहरू।

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	खानेपानी पाइपलाइन, रिजर्भर टैंक निर्माण र धारा वितरण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार विकास/सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: खानेपानी पूर्वाधार	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ६: सबैका लागि स्वच्छ पानी र सरसफाइको उपलब्धता तथा दिगो व्यवस्थापन सुनिश्चित गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ खानेपानी पाइपलाइन, रिजर्भर टैंक र धारा वितरण गर्ने कार्य, ■ जाँते क्षेत्रका सबै टोलहरुमा खानेपानी वितरण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ वडाको जनसंख्या बर्षेनी बढ्दै गएको, ■ खानेपानी स्रोत उपलब्ध रहेको, ■ हालको खानेपानी व्यवस्थापन पर्याप्त नभएको, ■ एक घर एक धारको अवधारणा कार्यान्वयन गर्न सकिने, ■ खानेपानीको माग अनुसार आपूर्ति हुन नसकेको ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५ करोड ६५ लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	६००
	अप्रत्यक्ष	२००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ जाँते खानेपानी योजना सम्पन्न भइ बस्तीहरुमा खानेपानी	

	वितरण भएको हुने, - स्थानीय घरधुरीहरूमा खानेपानीको आपूर्ति भएको हुने, - गरिबी निवारणमा सहयोग पुगेको हुने ।
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.७३ एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ को सबै क्षेत्र कृषियोग्य भूमिले ढाकेको छ । यहाँ अन्नबाली, तरकारी, फलफूल, सुपारी खेती, पशुपन्छीपालन र माहुरीपालन भैरहेको तथा अधिक सम्भावना रहेको छ । तर यहाँका अधिकांश कृषकहरू परम्परागत ढंगबाट कृषि तथा पशुपालन व्यवसाय गरिरहेका छन् । त्यसैले कृषकहरूको जीवनस्तरमा अपेक्षित रूपमा उक्सन सकेको छैन । यसकारण स्थानीय समुदायबाट एकीकृत कृषि विकासका लागि आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ७६: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ८, सबै बस्तीहरु	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण, उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि तथा पशुपन्छी विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १: सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित	कृषि उत्पादन सम्भावना	

संक्षिप्त विवरण	■ अन्नबाली: सबै क्षेत्र ■ सुपारी खेती: सबै क्षेत्र ■ तरकारी: वडाका सबै क्षेत्र ■ पशुपन्छी पालन: वडाको सबै क्षेत्र ■ माहुरी पालन: सबै क्षेत्र <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> ■ कृषि सीप तालिम तथा प्राविधिक सेवा प्रदान, ■ कृषि औजार वितरण तथा प्रविधि हस्तान्तरण, ■ मंगलबारे कृषि हाटबजार निर्माण ■ कृषि उपज बजारीकरण ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ कृषि तथा पशुपालनमा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, ■ युवाहरूलाई कृषि पेसामा लाग्न सक्ने, ■ स्थानीय उत्पादन बृद्धि हुने, ■ गरिबी निवारणमा टेवा पुग्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ६० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१०००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>५००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१०००	अप्रत्यक्ष	५००				
प्रत्यक्ष	१०००								
अप्रत्यक्ष	५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ कृषि बाली/नगदे बाली उत्पादनमा बृद्धि हुने, ■ कृषकहरू सक्षम र सीपयुक्त हुने, ■ कृषकहरूको वार्षिक आय बृद्धि भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।								

आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.७४ जाँते (लेनपा - ८) हाटबजार निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ पुरानो बजार केन्द्र हो । यहाँ माथिल्लो क्षेत्रका कृषि तथा अन्य उत्पादनहरू निकासी हुने र तराईबाट ल्याउनुपर्ने सामग्रीहरू खरिद गर्न हाटबजारको व्यवस्था गरिएको हो । यहाँ लाग्ने हाटबजारलाई व्यवस्थित गर्नका लागि सोसम्बन्धी यथेष्ट पूर्वाधार निर्माण भएको छैन । यसकारण स्थानीय समुदायबाट हाटबजारका लागि आवश्यक पूर्वाधार निर्माण गर्न यो आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ७७: जाँते (लेनपा - ८) हाटबजार निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	जाँते (लेनपा - ८) हाटबजार निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१ विगाह	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ८, जाँते बजार	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	लेटाड – ८ मा कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाड नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं २: भोकमरी अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा र उन्नत पोषण प्राप्त गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ लेटाड – ८ मा कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ कृषि उपजको बजार व्यवस्थापन कमजोर भएको, ■ कृषि उपजको विक्रीकक्ष व्यवस्थित नभएको,	

	■ कृषकहरुले व्यवस्थित विक्रीकक्षको अभाव भोग्नु परेको, ■ व्यवस्थित कृषि बजार केन्द्र हुँदा वर्षेभरी कृषि उपज विक्री तथा भण्डारण गर्न सुविधा हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५ करोड ५१ लाख ४१ हजार									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	प्राविधिक सर्वेक्षण: ३ महिना निर्माण समय: ३ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☐									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>५५०</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>२०००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	५५०	अप्रत्यक्ष	२०००					
प्रत्यक्ष	५५०									
अप्रत्यक्ष	२०००									
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ लेटाङ बजारमा कृषि बजार केन्द्र सञ्चालन भएको हुने, ■ कृषकहरुले आफ्नो कृषि उपज सहज तरिकाबाट विक्री गर्ने सुविधा पाएको हुने, ■ कृषि बजार केन्द्रमा भण्डारणको व्यवस्था भएको हुने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.७५ तेली गडामे पैनी स्तरोन्नति आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ को सबै क्षेत्र कृषियोग्य भूमिले ढाकेको छ । यहाँ अन्नबाली, तरकारी, फलफूल, सुपारी खेती, पशुपन्छीपालन र माहुरीपालन भैरहेको तथा अधिक सम्भावना रहेको छ । यहाँ तेली खोला र गडामे खोलाबाट ल्याइएको पानीले सिँचाइ गरिन्छ । सिँचाइ पैनी पुरानो र विभिन्न स्थानहरुमा वर्षातको बाढी र

पानीले भत्काएको हुनाले कम मात्रामा मात्र पानी आपूर्ति हुने गर्दछ । यस पैनीको मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्ने हो भने जाँते क्षेत्रमा बाह्रै महिना खेती गर्न सकिने छ । यसकारण स्थानीय समुदायबाट उक्त पैनी स्तरोन्नतिका लागि आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ७८: तेली गडामे पैनी स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	तेली गडामे पैनी स्तरोन्नति आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	८ किलोमिटर	
आयोजनाको स्थान	जाँते क्षेत्र	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: सिँचाइ पूर्वाधार निर्माण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं २: भोकमरीको अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण सुनिश्चित गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नतिको सम्भावना</u> - तेली र गडामे खोलाबाट ल्याइएको सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरु</u> - तेली र गडामे खोलाबाट ल्याइएको सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	- यो सिँचाइ पैनीले जाँते क्षेत्रका सबै खेतीयोग्य जमीनमा सिँचाइ सुविधा दिएको, - यस सिँचाइ पैनीको मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्दा चुहिएर खेर गएको पानी पनि सिँचाइमा सदुपयोग हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५ करोड ६५ लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	५	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	६००
	अप्रत्यक्ष	०
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- तेली गडामे सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति भएको हुने, - सिँचाइ पैनीमा पानीको मात्रा बढ्ने हुने, - सिँचाइ सुविधाका कारण कृषि उत्पादन बृद्धि हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.७६ लालझोडा सिँचाइ आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ८ को लालझोडा क्षेत्र खेतीयोग्य भएता पनि सिँचाइको उपयुक्त स्रोत नभएको हुँदा कृषि उत्पादनमा अपेक्षाकृत स्तरमा हुन सकेको छैन। यहाँ सिँचाइको लागि पानी आपूर्ति गर्ने हो भने कृषि उत्पादन बढाई सबै घरधुरीहरूको आय बृद्धि गर्न सकिने छ। यसकारण स्थानीय समुदायबाट उक्त सिँचाइ कुलो निर्माणको लागि आयोजना माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ७९: लालझोडा सिँचाइ आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	लालझोडा सिँचाइ आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	५ किलोमिटर
आयोजनाको स्थान	जाँते क्षेत्र

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सिँचाइ कुलो निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: सिँचाइ पूर्वाधार निर्माण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं २: भोकमरीको अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण सुनिश्चित गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>सिँचाइ कुलोको सम्भावना</u> ■ लालझोडामा सिँचाइ कुलो सञ्चालन गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरु</u> ■ सिँचाइ कुलो निर्माण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ हाल लालझोडामा सिँचाइ सुविधाको अभाव रहेको, ■ सिँचाइ कुलोबाट पानी आपूर्ति गर्न सकेमा कृषि उत्पादन बृद्धि गर्न सकिने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १ करोड ५० लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	५	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वावस्था (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	६१
	अप्रत्यक्ष	०
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ सिँचाइ कुलो सञ्चालन भएको हुने,	

	■ सिँचाई सुविधाका कारण कृषि उत्पादन बृद्धि हुने ।
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.७७ मौलिक साँस्कृतिक पर्यटन मार्ग (चक्रपथ) निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ९ को मदनचोक क्षेत्र (साविक जाँते गाविस वडा नं ८ र ९) को वरिपरी कच्ची तथा ग्राभेल सडक बनिसकेको छ । यही सडकलाई अझ व्यवस्थित र कालोपत्रे गर्नका लागि स्थानीय समुदायबाट उक्त आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ८०: मौलिक साँस्कृतिक पर्यटन मार्ग (चक्रपथ) निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	मौलिक साँस्कृतिक पर्यटन मार्ग (चक्रपथ) निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १२.३७ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ९, गणेश मन्दिर, तेलीखोला, ढकाल चोक, सीमाना गल्ली र डडाके चोक	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची तथा ग्राभेल सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ वडा नं ९, गणेश मन्दिर, तेलीखोला, ढकाल चोक, सीमाना गल्ली र डडाके चोक जोड्ने ।	

आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने ।									
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ४८ करोड ५२ लाख २२ हजार									
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: ५ वर्ष									
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐ लगानी भएको भएमा <table border="1" style="width: 100%;"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☒</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>		आन्तरिक आय	☒	संघीय अनुदान	☒	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☒									
संघीय अनुदान	☒									
प्रदेश अनुदान	☐									
निजी क्षेत्र	☐									
लाभ लागत अनुपात	२									
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्ववास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।									
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।									
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	१२००								
	अप्रत्यक्ष	१५००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।									
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरु	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।									
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना									
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐									

३.७८ श्री मा. वि. भवन स्तरोन्नति आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ९ को मदनचोकमा रहेको श्री माध्यमिक विद्यालय पुरानो र धेरै विद्यार्थी पढ्न आउने विद्यालय हो । यस विद्यालयको भवनहरु पुरानो र केही भागमा मर्मत सम्भार तथा पूननिर्माण गर्नुपर्ने भैसकेको छ । यी भवन तथा कोठाहरुलाई मर्मतसम्भार, रंगरोगन वा स्तरोन्नति गरिएमा कक्षा सञ्चालन गर्न

उपयुक्त हुने भएको हुँदा स्थानीय समुदायबाट उक्त आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ८१: श्री मा. वि. भवन स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	श्री मा. वि. भवन स्तरोन्नति आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	न्यूनतम् २००० वर्ग फिट X २ तला	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ९, मदनचोक	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: शिक्षा पूर्वाधार विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ४: समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्दै र जीवनपर्यन्त सिकाइका अवसरहरू प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>विद्यालय भवन स्तरोन्नतिको सम्भावना</u> विद्यालय भवनलाई मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्न सकिने । <u>आयोजनाका कार्यक्रमहरू</u> विद्यालय भवन मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	- भवन पुरानो र केही भाग मर्मतसम्भार गर्नुपर्ने, - स्तरोन्नति भएमा कक्षा सञ्चालन गर्न सुविधा हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ६० लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: २ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐

लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वार्थ (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	१५००
	अप्रत्यक्ष	१५००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- विद्यालय भवन मर्मत तथा स्तरोन्नति भएको हुने, - विद्यालयको कक्षा सञ्चालनमा सुविधा बढेको हुने। - विद्यार्थीहरूको सङ्ख्या बढेको हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.७९ टेक्राह पैनी स्तरोन्नति आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ९ को सबै क्षेत्र कृषियोग्य भूमिले ढाकेको छ। यहाँ अन्नबाली, तरकारी, फलफूल, सुपारी खेती, पशुपन्छीपालन र माहुरीपालन आदि कृषिजन्य व्यवसायहरू सञ्चालनमा रहेका छन्। यहाँ टेक्राह सिँचाई पैनी पुरानो र विभिन्न स्थानहरूमा क्षती भएको हुँदा मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ। यसकारण स्थानीय समुदायबाट उक्त पैनी स्तरोन्नतिका लागि आयोजना माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ८२: टेक्राह पैनी स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	टेक्राह पैनी स्तरोन्नति आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	२० किलोमिटर	
आयोजनाको स्थान	जाँते (साविक जाँते गाविस ८ र ९) क्षेत्र	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सिँचाई पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	

आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)								
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: सिँचाई पूर्वाधार निर्माण								
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं २: भोकमरीको अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण सुनिश्चित गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्धन गर्ने ।								
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी									
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>सिँचाई पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नतिको सम्भावना</u> - टेक्राह खोलाबाट ल्याइएको सिँचाई पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - टेक्राह खोलाबाट ल्याइएको सिँचाई पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्ने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- यो सिँचाई पैनीले जाँते क्षेत्रका सबै खेतीयोग्य जमीनमा सिँचाई सुविधा दिएको, - यस सिँचाई पैनीको मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्दा चुहिएर खेर गएको पानी पनि सिँचाईमा सदुपयोग हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २० करोड								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वार्स (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१२००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>०</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१२००	अप्रत्यक्ष	०				
प्रत्यक्ष	१२००								
अप्रत्यक्ष	०								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- टेक्राह सिँचाई पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति भएको हुने, - सिँचाई पैनीमा पानीको मात्रा बढ्ने हुने, - सिँचाई सुविधाका कारण कृषि उत्पादन बृद्धि हुने ।								

आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.८० एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

यस नगरपालिकाको वडा नं ९ को सबै क्षेत्रमा कृषि तथा पशुपालनका लागि उपयुक्त भौगोलिक बनावट र हावापानी रहेको छ । यहाँका करिब ९५ प्रतिशत घरधुरीहरू कृषि तथा पशुपालन व्यवसायमा संलग्न रहेका छन् । तैपनि कृषि तथा पशुपालनमा व्यवसायीकरण हुन सकेको छैन । कृषि र पशुपालनलाई व्यवसायिक बनाउन सके यहाँका नागरिकहरूको रोजगारी र आय बृद्धि हुने सुनिश्चित छ । यसकारण स्थानीय समुदायबाट एकीकृत कृषि विकास आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ८३: एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	एकीकृत कृषि विकास तथा बजार प्रवर्धन कार्यक्रम	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ९, सबै बस्तीहरु	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	निर्माण, उत्पादन र व्यापार प्रवर्धन	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: कृषि तथा पशुपन्छी विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं १: सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>कृषि उत्पादन सम्भावना</u>	
	■ अन्नबाली: सबै क्षेत्र ■ सुपारी खेती: सबै क्षेत्र	

	■ तरकारी: वडाका सबै क्षेत्र ■ पशुपन्छी पालन: वडाको सबै क्षेत्र ■ माहुरी पालन: सबै क्षेत्र <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> ■ कृषि सीप तालिम तथा प्राविधिक सेवा प्रदान, ■ कृषि औजार वितरण तथा प्रविधि हस्तान्तरण, ■ मंगलबारे कृषि हाटबजार निर्माण ■ कृषि उपज बजारीकरण ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	■ कृषि तथा पशुपालनमा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, ■ स्थानीय उत्पादन बृद्धि हुने, ■ गरिबी निवारणमा टेवा पुग्ने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ६० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>६००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>३००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	६००	अप्रत्यक्ष	३००				
प्रत्यक्ष	६००								
अप्रत्यक्ष	३००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ कृषि बाली/नगदे बाली उत्पादनमा बृद्धि हुने, ■ कृषकहरू सक्षम र सीपयुक्त हुने, ■ कृषकहरूको वार्षिक आय बृद्धि भएको हुने, ■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								

प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.८१ शिक्षा ज्योति आधारभूत विद्यालयको भवन र घेराबार निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ९ को जाँते मिलीजुली टोलमा रहेको शिक्षा ज्योति आधारभूत विद्यालयमा कक्षाकोठा नपुग भैरहेको छ । साथै यस विद्यालयको घेराबार निर्माण नभएको हुँदा बालबालिका र विद्यालयको सम्पत्ति संरक्षण गर्न समस्या भएको छ । यसकारण स्थानीय समुदायबाट यस विद्यालयमा भवन निर्माण र घेराबार निर्माण गर्ने आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ८४: शिक्षा ज्योति आधारभूत विद्यालयको भवन र घेराबार निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	शिक्षा ज्योति आधारभूत विद्यालयको भवन र घेराबार निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	भवन: न्यूनतम् २००० वर्ग फिट X २ तला घेराबार: १६०० फिट X ४ फिट	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ९, जाँते, मिलिजुली टोल	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	भवन र घेराबार निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास उप विषय क्षेत्र: शिक्षा पूर्वाधार विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ४: समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्दै र जीवनपर्यन्त सिकाइका अवसरहरू प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	विद्यालय भवन निर्माण र घेराबारको सम्भावना सम्भावना: हाल सञ्चालनमा रहेको विद्यालयका भवन निर्माण र घेराबार गर्न सकिने । आयोजनाका कार्यक्रमहरू	

	विद्यालय भवन निर्माण र घेराबार लगाउने ।								
आयोजना छनौटको औचित्य	- विद्यालयमा कक्षाकोठा नपुग रहेको र घेराबार नभएको, - भवन तथा कोठा थप भएमा कक्षा सञ्चालन गर्न सुविधा हुने । - विद्यालयको घेराबार निर्माण भएमा बालबालिका तथा विद्यालयको सम्पत्ति सुरक्षा हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ६० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: २ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	२								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>३६५</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>३००</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	३६५	अप्रत्यक्ष	३००				
प्रत्यक्ष	३६५								
अप्रत्यक्ष	३००								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	- विद्यालय भवन निर्माण र घेराबार भएको हुने, - विद्यालयको कक्षा सञ्चालनमा सुविधा बढेको हुने । - विद्यार्थीहरूको सङ्ख्या बढेको हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	- संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, - नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.८२ डाँडागाउँ राई संग्रहालय निर्माण आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ९ को जाँते डाँडागाउँमा राई संग्रहालय निर्माण गर्ने कार्य प्रारम्भ भएको छ । यस संग्रहालयमा किरातहरूको ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक वस्तुहरू संरक्षण गरेर राखिनेछ । पर्यटकीय क्षेत्र मध्ये

जाँते क्लष्टरमा पर्ने यो संग्रहालयले पर्यटकहरुलाई आकर्षण गर्ने र सांस्कृतिक जानकारी दिने अपेक्षा गरी स्थानीय नागरिकहरुले यस आयोजनाको माग गरेका छन् । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ८५: डाँडागाउँ राई संग्रहालय निर्माण आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	डाँडागाउँ राई संग्रहालय निर्माण आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१००० वर्ग फिट	
आयोजनाको स्थान	वडा नं ७, वाराङ्गी	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	गुम्बा निर्माण	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: सामाजिक विकास / आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: संस्कृति संरक्षण/ पर्यटन विकास	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ८: भरपर्दो, समावेशी र दिगो आर्थिक वृद्धि तथा सबैका लागि पूर्ण र उत्पादनमूलक रोजगारी र मर्यादित कामको प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>संग्रहालय निर्माण सम्भावना</u> संग्रहालय निर्माण स्थल संरक्षित रहेको हुँदा यो निर्माण हुन सक्ने । <u>आयोजनाका कार्यक्रमहरु</u> गुम्बा निर्माण गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ सांस्कृतिक पर्यटन प्रवर्धन गर्न सकिने सम्भावना रहेको ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु २ करोड	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्ववास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	१५००
	अप्रत्यक्ष	३०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ संग्रहालय निर्माण भई सञ्चालन भएको हुने, ■ सांस्कृतिक पर्यटक बृद्धि भएको हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☐ पर्दैन ☒	

३.८३ तेलीखोला पूर्व संगम मार्ग हुँदै मोरङ्गे खोलासम्म कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ९ को यो ग्राभेल मोटरबाटो सञ्चालनमा रहेको छ। यसको स्तरोन्नति गरी कालोपत्रे गर्न स्थानीय समुदायबाट यो आयोजना माग भएको छ। यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ८६: तेलीखोला पूर्व संगम मार्ग हुँदै मोरङ्गे खोलासम्म कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	तेलीखोला पूर्व संगम मार्ग हुँदै मोरङ्गे खोलासम्म कालोपत्रे आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: ३किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर
आयोजनाको स्थान	वडा नं ९

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ वडा नं ९	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु १० करोड ९७ लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूनर्वास (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	६००
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने,	

	■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

३.८४ पापु पैनी स्तरोन्नति आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ९ पापु सिँचाइ पैनी पुरानो र विभिन्न स्थानहरूमा क्षती भएको हुँदा मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ । यसकारण स्थानीय समुदायबाट उक्त पैनी स्तरोन्नतिका लागि आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ८७: पापु पैनी स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	पापु पैनी स्तरोन्नति आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१ किलोमिटर	
आयोजनाको स्थान	जाँते (साविक जाँते गाविस ८ र ९) क्षेत्र	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: सिँचाइ पूर्वाधार निर्माण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं २: भोकमरीको अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण सुनिश्चित गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>सम्भावना</u> ■ सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u>	

	■ सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्ने ।								
आयोजना छनोटको औचित्य	■ यो सिँचाइ पैनीले जाँते क्षेत्रका खेतीयोग्य जमीनमा सिँचाइ सुविधा दिएको, ■ यस सिँचाइ पैनीको मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्दा चुहिएर खेर गएको पानी पनि सिँचाइमा सदुपयोग हुने ।								
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५० लाख								
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष								
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा <table border="1"> <tr> <td>आन्तरिक आय</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>संघीय अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>प्रदेश अनुदान</td><td>☐</td></tr> <tr> <td>निजी क्षेत्र</td><td>☐</td></tr> </table>	आन्तरिक आय	☐	संघीय अनुदान	☐	प्रदेश अनुदान	☐	निजी क्षेत्र	☐
आन्तरिक आय	☐								
संघीय अनुदान	☐								
प्रदेश अनुदान	☐								
निजी क्षेत्र	☐								
लाभ लागत अनुपात	५								
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।								
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।								
लक्षित लाभान्वित परिवार	<table border="1"> <tr> <td>प्रत्यक्ष</td><td>१२००</td></tr> <tr> <td>अप्रत्यक्ष</td><td>०</td></tr> </table>	प्रत्यक्ष	१२००	अप्रत्यक्ष	०				
प्रत्यक्ष	१२००								
अप्रत्यक्ष	०								
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति भएको हुने, ■ सिँचाइ पैनीमा पानीको मात्रा बढ्को हुने, ■ सिँचाइ सुविधाका कारण कृषि उत्पादन बृद्धि हुने ।								
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।								
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना								
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐								

३.८५ स्माली पैनी स्तरोन्नति आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ९ स्माली सिँचाइ पैनी पुरानो र विभिन्न स्थानहरूमा क्षती भएको हुँदा मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ । यसकारण स्थानीय समुदायबाट उक्त पैनी स्तरोन्नतिका लागि आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

तालिका ८८: स्माली पैनी स्तरोन्नति आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी		
आयोजनाको नाम	स्माली पैनी स्तरोन्नति आयोजना	
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	१ किलोमिटर	
आयोजनाको स्थान	जाँते (साविक जाँते गाविस ८ र ९) क्षेत्र	
आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: आर्थिक विकास उप विषय क्षेत्र: सिँचाइ पूर्वाधार निर्माण	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं २: भोकमरीको अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण सुनिश्चित गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्धन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	<u>सम्भावना</u> - सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्न सकिने । <u>कार्यक्रमको गतिविधिहरू</u> - सिँचाइ पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्ने ।	
आयोजना छनौटको औचित्य	- यो सिँचाइ पैनीले जाँते क्षेत्रका खेतीयोग्य जमीनमा सिँचाइ सुविधा दिएको, - यस सिँचाइ पैनीको मर्मत तथा स्तरोन्नति गर्दा चुहिएर खेर गएको पानी पनि सिँचाइमा सदुपयोग हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ५० लाख	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	परियोजना तयारी: ३ महिना कार्यान्वयन समय: ५ वर्ष	

आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☐ छैन ☒ लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☐
	संघीय अनुदान	☐
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	५	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	१२००
	अप्रत्यक्ष	०
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ सिँचाई पैनी मर्मत तथा स्तरोन्नति भएको हुने, ■ सिँचाई पैनीमा पानीको मात्रा बढ्ने हुने, ■ सिँचाई सुविधाका कारण कृषि उत्पादन बृद्धि हुने।	
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ न.पा.को स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु।	
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना	
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐	

३.८६ साकेला मार्ग कालोपत्रे आयोजना

यस नगरपालिकाको वडा नं ९ यो ग्राभेल मोटरबाटो सञ्चालनमा रहेको छ । यसको स्तरोन्नति गरी कालोपत्रे गर्न स्थानीय समुदायबाट यो आयोजना माग भएको छ । यस आयोजनाको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ८९: साकेला मार्ग कालोपत्रे आयोजना

(क) आयोजनाको सामान्य जानकारी	
आयोजनाको नाम	साकेला मार्ग कालोपत्रे आयोजना
आयोजनाको परिमाण/क्षेत्रफल/लम्बाइ	लम्बाइ: १ किलोमिटर, चौडाइ: ६ मिटर
आयोजनाको स्थान	वडा नं ९

आयोजनाको वर्गीकरण	तत्कालीन अवधि (५ वर्ष वा कम)	☒
	मध्यमकालीन अवधि (६-१० वर्ष)	☐
	दीर्घकालीन अवधि (११-१५ वर्ष)	☐
आयोजनाको प्रकार	सडक निर्माण (कालोपत्रे)	
आयोजना कार्यान्वयन गर्ने निकाय	लेटाङ नगरपालिका	
आयोजना कार्यान्वयन विधि	बहुपक्षीय (संघ, प्रदेश र नगरपालिका)	
विषय क्षेत्रगत रणनीति/ आवधिक योजनाको रणनीतिसँग तादात्म्यता	विषय क्षेत्र: भौतिक पूर्वाधार उप विषय क्षेत्र: सडक, पुल तथा यातायात	
दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिसमा योगदान	दिगो विकास लक्ष्य नं ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	
(ख) आयोजनाको विशेष जानकारी		
आयोजनाको प्रमुख विशेषता सहित संक्षिप्त विवरण	■ कच्ची सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य, ■ वडा नं ९	
आयोजना छनौटको औचित्य	■ नागरिकहरु आवातजावात गर्न सहज हुने, ■ कृषि तथा अन्य व्यवसायका लागि सामान ल्याउन र उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म लैजान सहज हुने ।	
आयोजनाको अनुमानित लागत	रु ३ करोड ६५ लाख ९८ हजार	
आयोजना सम्पन्न गर्न लाग्ने समय	विस्तृत सर्वेक्षण: ६ महिना निर्माण समय: २ वर्ष	
आयोजनामा लगानीको अवस्था	छ ☒ छैन ☐	
	लगानी भएको भएमा	
	आन्तरिक आय	☒
	संघीय अनुदान	☒
	प्रदेश अनुदान	☐
	निजी क्षेत्र	☐
लाभ लागत अनुपात	२	
जग्गा प्राप्तिको अवस्था वा पूर्वस (आवश्यक पर्ने भएमा):	आवश्यकता नभएको ।	
आयोजनाबाट प्रभावित हुने घरधुरी संख्या	छैन ।	
लक्षित लाभान्वित परिवार	प्रत्यक्ष	६००
	अप्रत्यक्ष	१०००
आयोजनाको अपेक्षित प्रतिफल	■ टोलबस्तीमा बाह्रै महिना यातायात सञ्चालन हुने, ■ स्थानीय व्यवसाय प्रवर्धन भएको हुने,	

	■ गरिबी निवारणमा सहयोग पुग्ने ।
आयोजना कार्यान्वयनको जोखिम तथा सवालहरू	■ संघ र प्रदेशबाट अनुदानको सुनिश्चितता नहुनु, ■ नगरपालिकाको स्थानीय आयबाट ठूला लगानी सम्भव नहुनु ।
प्रस्तावित आयोजना कुनै विषय क्षेत्रको गुरुयोजनाको भाग हो ?	हो ☒ होइन ☐ हो भने कुन योजना: आवधिक विकास योजना र नगर सडक गुरुयोजना
रूपान्तरण/प्राथमिकताको क्षेत्रभित्र पर्छ ?	पर्छ ☒ पर्दैन ☐

भाग – ४

निष्कर्ष

४.१ निष्कर्ष

नगरपालिकाको दिर्घकालीन लक्ष्य “समृद्ध नगर, सुखी नगरबासी” का लागि नगरको विकासमा सम्बाहक वा परिवर्तनकारी भूमिका निर्वाह गर्ने आयोजनाहरूको विधिवत् र सहभागितामूलक ढंगबाट छनौट गरी आयोजना बैंकमा समावेश गरिएको छ । नगरले आयोजना बैंकमा समावेश गरेका आयोजनाहरू अलि महत्वकांक्षी र हाल उपलब्ध हुने आर्थिक स्रोतको क्षमताले पुग्न कठिन देखिएता पनि विभिन्न स्रोतहरूको पहिचान गरी यी आयोजनाहरूको कार्यान्वयनमा जोड दिनुपर्ने आवश्यकता रहेको छ । आयोजनाहरूलाई वडागत रुपमा प्राथमिकताक्रममा राखिएको छ । यही प्राथमिकताक्रम अनुसार सीमित स्रोतको उपयोग र बाँडफाँट गरी आयोजनाहरूको कार्यान्वयन गरिएमा भविष्यमा यस नगरपालिकाको समृद्धि प्राप्त हुने कुरामा सन्देह छैन । यी योजनाहरूलाई आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक योजनामा समावेश गरी कार्यान्वयन गर्दा क्रमशः स्थानीय नागरिकहरूको आर्थिक तथा सामाजिक समृद्धिमा टेवा पुग्ने अपेक्षा गरिएको छ ।